

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 7]

नई बिल्ली, शनिवार, फरवरी 17, 1996 (माघ 28, 1917)

No. 71

NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 17, 1996 (MAGHA 28, 1917)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संहचन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation)

भाग 111-खण्ड 4

[PART III—SECTION 4]

सांविधिक निकार्यो द्वारा जारी को गई विविध अधिसूबनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापत और सूबनाएं सम्मिलित हैं।

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय रिजर्व वैक

केन्द्रीय कार्यालय

सरकारी धौर बैक लेखा विभाग

बम्बई, दिनाक 17 फरवरी 1996

भारत के राजपल में 20 अप्रैल, 1946 को प्रकाशित तथा 29 अप्रैल, 1954 की अधिपूचना सं०एफ० (8) 70/बी/52 और भारत के विनांक 21 फरवरी 1990 के धमाधारण राजपल स० 67 के धेतर्गत यथा गंगोधित लोक ऋण अधिनियम 1941 की धारा 28 के अर्गत भारत सरकार द्वारा बनाये गये नियमों के नियम 18 के अनुमरण में दिसस्वर, 1995 का ममाप्त माह के लिए निम्नितित्त सूची खो गयी आदि ऐसी प्रतिभृतिया के बारे में एतद्दुरा विश्वापित की जाती है, जिसके सबंध में इस बात का विज्वास करने के लिए प्रथम दृष्टया आधार सौजद है कि प्रतिभृतिया खो गयी है और आवेदकों का दावा न्यायोचित है। नीच लिखे गये सुर्थित दावेदारा स इतर मभी व्यक्ति जिनका इन प्रतिभृतियों पर किमी प्रकार का दावा हा, तरकाल मुख्य लेखाकार, भारतीय रिजर्व बैक, केन्द्रीय कार्यालय, सरकारी भीर विभाजन की गयी है। भाग "क" में अभी पहली बार विज्ञापित प्रतिभृतियों की सूची दी गयी है।

2/34	41.77	(1914) ANTON	177 1850 (- 		
		=====	 सूची "क"			
तिस्तियों का कनांक	मूच्य ४०/प्राम	नाम से जारों को	गयी व्याजगारित जानेकी नार्र	-	य की ं शिए	जारी किये गये म्रादेण की संo तथा नारीख
1	2	3	4	5		в
	<u>, </u>	9% राहा	া বাভ 1987 (কন	कसा सर्किल)		
1. सी०ए०-001657	₹° 2,00,000,	 अलू इरॅंकशॉ ड्राइंड श्रीर इरॅंक बोमनव इर्डिंकर (झब मृत् 	नो क्याजका%	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	2 ⁾ के का	ईल सं∘ I. 2509 दिनांक 0-12-95 के महाप्रबंधक आदेश दिनांक 21-12-95 डीवाय मं∘ एल∘मी०मी० 08/95/96 के हारा
		३% ग्राह्क	म्हण, 1946 (कल ा	ह्ता सर्किल <u>)</u>		
2. सो०ए०-355014	ह∘ 2,000/-	सिरिजा लंहर वे	र्गतर्जी ७७वी श्रांबर भुगतान दे		2:2 के का	क्लि मं० 1 2364 दिनोक -12-95 के महाप्रश्रेषक प्रादेश दिनांक 23-12-95 : टीवाय मंऽएल०सी०धी० 99/95/96 के द्वारा
3. मी∘ए∘-365972	रु० 1,000/-	- गिरिजा शंकर व	रॅनर्जी 67वी गर्धन भुगनान दे	र्षसे गिरिजा शंकरवें य	2.2 के प का	ईल सं०]-2364 दिनांव 2-12-95 के महाप्रबंधक ग्रादेग दिनांक 23-12-99 टीवाय सं० एल∘गी०प्रोत 9/95/46 के द्वारा ।
			सूची ''ः	a''		
प्रतिभूतियों का कसोक	मून्य ६०/ ग्राप	निम्न नाम से जारी फी गयी	ब्याज धारित किये जाने की नारीख	डुप्लिकेट जारी करने/ तथा भुगतान मूल्य की झदायगी के लिए वावेडार/रों का/के नाम		1944 के श्रेनर्गत सूची
1	2	3	4	5	6	7
			 9% राहत पत्न 19	93 (नागपुर सर्किल)		
1. एক∘জী∘000005	र ० 50,000/—	मे ंडी० भे म किवे (एव ० य्०एफ०)	12-9-1994	मे० डी० भेस० किये (एच०सू०एफ०)		उप-महाप्रवंधक के प्रावे क जी० 65 दिनां 30-10-1995के प्रन्सा
		3% परिवर्	निऋाण, 1946 (कलकत्ता सकिल)		
2. यो॰ए०-382285	₹• 5,000/-	सुकुषार तृचर्जी (मृत)	बहसरवी छमाही मे देस ब्याज	स्टेट बैंक झाफ इंडि या, मुरो		फाईल नं० म्राय-251 महाप्रबंधक के दिनां 16 नवम्बर 1995 मादेश मनुसार डी०वाट नं० एल० सी०भो० 7 95/96 दिनांक 16-1

1		3	t	5	6	7
		3%	परिवर्गन ऋग, 194	६ (कसकत्ता सर्किल)		
:. सी॰ए॰-069 46 8	ব৹ 5,000/ −	मुधीर कुमार ईव (मृत)	सारहवी छनाही से देय ब्याज	गोश्रर्जन इंच औ र संकरी रॉय		फाईल सं० 1. 2406 महाप्रश्रीधक के द्रावेश दिनांक 20-9+95 दिनांक 20-9-95 के नं० एल० सी० भ्रो० 55 95/96 के प्रनुसार
			4 1/2% 預	T 1995-60		
4. सीए∘-015085	₹• 1,000/-	वही	ग्रहतालीस बी छमाश्री से देय ब्याज	बही		वही
5. सी॰ए०-015086	to 6,000/-	वर्हा- - -	व ही -	वही		—वही—
						वि० चि० पाइलकर कृते मुख्य महा प्रवंशक

भारतीय स्टेट बैंक केन्द्रीय कार्यासय

बम्बर्ड, दिनांक 18 जनवरी 1996

म. क. 1/1996—इसके व्याप सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भारतीय स्टेंट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 को धारा 25 की उप धारा (1) के अनुच्छेद (घ) के अनुसार भारतीय रिजर्थ बैंक के साथ विचार विभन्न के बाद भारतीय स्टेंट बैंक श्री जोसंफ मध्यू के स्थान पर श्री अंक ब चेरीयन, पविनजर के करा हाउत्तस, माउन्ट वर्धा, कोट्टायम-686 004, को स्टेंट बैंक आफ जावणकोर के निवदेशक पद पर तीन वर्ध की अविध दिनांक 29 जनवरी 1996 से 28 जनवरी 1999 (बाना दिन सम्मितित) तक को लिए गामित करता है।

पी. भी. काकोडकर अध्यक्ष

स. क. 2/1996—इसके द्वारा सर्वसाधारण की सूचित किया जाता है कि भारतीय स्टेट वैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा 25 की उप धारा (1) के अनुच्छेद (ष) को जनुसार भारतीय रिजर्ब बैंक के साथ विचार विमर्श के बाव भारतीय स्टेट बैंक डा. बो. के. ससीधर के स्थान पर डा. एनं मोहना का मारत, चिरावकरा पलस, पाष्पानामकोड, तिस्वनन्त-पुरम-18, की स्टेट बैंक आफ श्रावणकीर के निवंशक पद पर तीन वर्ष की अविध दिशांक 29 जनवरी 1996 से 28 जनवरी 1999 (दोनों दिन सम्मिलिक) तक के लिए गामित करता है।

पी. जी. काकोडकर अध्यक्ष

स. क. 3/1996—इसके द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भारतीय स्टंट बैंक (समनुषयी बैंक) अधि- नियम, 1959 की धारा 25 की उप धारा (1) के अनुष्केद (व) के अनुमार भारतीय रिजर्व बैंक के साथ विचार विमर्श के बाद भारतीय स्टंट बैंक की सुषील दोशी के स्थान पर श्री गौतम

कोठारी, 7, शिव विलास पलेस, राजवाक, इन्दौर-452 004, को स्टेट वैंक आफ इन्दौर के निद्येशक पद पर तीन वर्ष की अविभि विनाक 29 जनवरी 1996 से 28 जनवरी 1999 (दानों दिन सम्मिलित) तक के लिए नामित करता है।

पी. जी. काकोडकर अध्यक्ष

दो इन्स्टीटयूट आफ चार्टर्ड एकाउज्दोन्टस आफ इन्डिया नई दिल्ली-110 002, विनांक 31 णनवरी 1996 शुक्षि पश

सः 03-एन सी ए. (5)/2/95-96—अधिसूचना नं 3-एन सी ए. (4)/2/93-94 दिनाक 7-3-1994 के कमांक }58 पर लिखा हुआ निम्निखिसित सदस्य का नाम उसम से हटाया हुआ माना आए:——

क संख्या, सदस्यता संस्था और नाम एवं पता

1 72393, श्री सुरंन्द्र कुमार गोयल, ए-35, न्यू गृथ्ता कांशोनी, प्रताप बाग, विस्ली

ए. के. मजूमदार समिक

कर्मचारी राज्य बीमा निगम नहीं दिल्ली, दिनांक 20 जनगरी 1996

सा. यू-16/53/1/89-चिकि-2(महा.) भाग 2—कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के विनियम-105 के अधीन निगम की शिक्तयां महानिदशक को प्रदान करने के सबंध में कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा 25-4-1951 को खैठक मो पिरत किए गए संकल्प के अनुसरण मों, में एतद्द्वारा अरसी केन्द्र व क्षशीय उप चिकित्सा आयुक्त (पिष्धम जोन) द्वारा विनय किए गए क्षेत्रों के लिए, बीमाकृत व्यक्तियों की स्वास्थ्य जांच करने और मूल प्रमाणपत्र की सत्यता संदिग्ध होने पर उन्हें और प्रमाण-पत्र प्रदान करने के प्रयोगन के लिए मौजूदा मानकों के अनुसार मोसिक पारिश्रमिक पर चिकित्सा प्राधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए डा. वी. जे. गायकवाड की सेवाएं एक और

वर्ष के लिए 24-11-1995 से 23-11-1996 तक या पूर्ण-कालिक चिकित्सा निर्देशी के कार्यग्रहण करने तक, जो भी पहले हो, बड़ासा हुं।

> बी. आर. बासु महानिद⁻शक

दिनांक 24 जनगरी 1996

सः वी-33(13)-7/93-स्थाः 4-कः राः धीः (साधारण) विनियम, 1950 के विनियम 10 के साथ पठित कः राः वीः अधिनियम, 1948 (1948 का 34) को धारा 25 के जनुसरण में अध्यक्ष, कः राः बीः निगम, कः राः बीः (साधारण) विनियम, 1950 के विनियम 10 के अधीन श्री टीः वीः गंगाधरन, विरुद्ध प्रबन्धक ((काः एवं प्रः) हिन्दुस्तान न्यूज प्रिन्ट लिमिटंड, कोइटायम को श्री एमः सोमझेखरन के स्थान पर नियोजकों के वितिरिका प्रतिनिधि के रूप में नामित करते हैं।

अतः अब, निगमः की अधिासूचना सं. यी-33 (13)-7/93-स्था. 4 विनांक 28-5-1993 में निम्नलिखित संशोधन किया जाता है ।

> क. मं. 9 के सामने निम्निलियत अनुसार प्रविष्टि प्रति-स्थापित की जाए:---

 श्री टी. वी. गंगाधरन, बरिष्ठ प्रबन्धक (का. एवं प्र.), हिन्दुस्तान न्यूज प्रिन्ट लिमिटोड, न्यूज प्रिन्ट नगर, डाकधर, कोट्टायम जिला केरल (पिन-686 616) ।

> वी. आर. हाम् महानिद्रोक

क्षत्रीय कार्यालय

इन्दोर, दिनांक 18 जनवरी 1996

किमाक 18/व्ही/34/12/1/94/बीमा-2, यह अधिस्पित किया जाता है कि इस अधिस्पिता के दिनांक से कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम 1950 के विनियम 10ए के अधीत रधानीय समिति, जिलासपुर का गठन किया जाता है, जिसमें निम्नितिखित सदस्य होंगे:—

बिलामपुर केन्द्र

अध्यक्ष

विनियम 10ए-1(ए) के अंतर्गत

(1) सहायक श्रमायुक्त विलासपुर ।

सदस्य

विकियम 10ए-1 (बी) के अंतर्गत

(2) मृह्य चिकित्सा अधिकारी (शासन युवारा नामजद) विनियम 10 ए-1 (सी) के अंतर्गत

(3) प्रभारी केन्द्र, कर्मचारी राज्य बीमा संवाए, बिलासपुर ।

विनिशम 10-ए-1 (डी) के अलर्गत

- (4) शी पुष्पेन्द्र सिह मी. बलेक डायमींड ट्रेक पार्टास, प्राइकिट लिमिटोड गी-20 सिंग गिट्टी आँकोगिक क्षेत्र, शिलासप्र । निशेजकों के प्रतिनिधि (म. प्र. लघु उक्षोग संक)
- (5) श्री हरीश केंडिया

 मं. बिलासपुर जास्टिक इण्डस्ट्रियल
 तिफरा,
 इण्डस्ट्रीयल एरिया,
 बिलासपुर ।
 नियोजकों के प्रतिनिधि
 (फंडर्शन आफ म. प्र. चंम्बर्स
 जाफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्री)
- (6) श्री आर. राममूर्ती जी महाप्रबन्धक, ही. ही. सी प्रतिनाही जर्स सिरगट्टी, विलासपुर । (नियोजकों के प्रतिनिधि)
- (7) शी एन के दना
 सहाप्रमत्यक,
 कणोर्ड पेपर एण्ड इण्डस्ट्रीक लिसिटोड, ग्राम-ठोका जिला-बिलासपुर । (नियोजकी के प्रतिनिधि)
- (8) श्री शिव मिश्रा वरपाली चौक चापा जिला-बिलासपुर । (इण्टक के/श्रीमकों के प्रांतिनिधि)
- (9) श्री लक्ष्मीनारायण द्वं गन्दोष भवन हांट्य के पीछो, इबरोपारा, विलामण्र । भारतीय मजदूर सम (श्रमिकों के प्रतिनिधि)
- (10) श्री पवन कर्मार शर्मा महामंत्री, बिलासपुर स्पीनिंग मिल, नालखदान, (एटक श्रमिको के प्रतिनिंग)
- (11) श्रीमती कासुमलता वर्मा राष्ट्रीय कार्य समिति सदस्य, एच. एम. एस. द्वारा स्टोशन मास्टर रोलके स्टोशन, बिलासपुर । हिन्द सजदार सभा (श्रीमकों के प्रतिनिधि)

सदस्य/सचिव

विनियम 10-ए-1 (एफ) के अतर्गत

(12) प्रबन्धक,
स्थानीय कार्यातय,
कर्मचारी राज्य तीमा निगम,
बिलासप्र ।

पी कें. श्रीवास्तव क्षेत्रीय निवदेशक कर्मचारो राज्य बीमा निगम, इन्दौर

कर्मचारी भविष्य निधि सगठन

(के ब्रीय कार्यालय)

सर्ह दिल्ली-110015, दिनाक 25 जनवरी 1996

स 2/1959/डी एल आई /एक्जम/89/भाग-1/ 369---जहां अनसची-1 में उल्लिखिल नियंक्साओं ने (जिस् इसमे- इसके पञ्चान् उक्त स्थापना कहा गया हो) कर्मणारी भीवाद्य निधि और प्रकोण उपयन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की थारा 17 की उपभारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिस इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

ष्रिक मै, एच उब्ल्यू. 2ी स्थम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से सत्ष्ट हू कि उक्त स्थापना के कर्मचारों कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अवायगी किए बिना जोवन बीमा के स्थ में भारतीय जीवन बीमा निगम को सामृह्हिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहें हैं, जांकि एम कर्मचारियों के लिए क्मिंचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अवर्गत स्थीकार्य लाभा में अधिक अनुकृत हैं (जिस इसमें इसके प्रचात स्कीम कहा गया हैं)।

अतः उसने अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) ब्वारा प्रवक्त सिस्तयों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनु-सूची में उस्लिखिन शतों के अनुमार में, एच उक्त्यू टी स्थम, प्रत्यक उक्त स्थापना को प्रत्येक के मामने उस्लिखन चिछली तारीख से प्रभावी जिम तिथि में उक्त रथापना को क्षेत्रीय भविष्य निध्ि आयुक्त करीवाबाद ने स्कीम की धारा 28(7) के असर्गत ढीन प्रदान की है, 3 वर्ष की अविध्य के लिए उक्त स्कीम के मचानन की छूट दोता हूं।

यन्4को~- [

— कंग न्०	र र गेर्सना ना तास अर्थर पत्री	कोड सच्या	ख्ट की प्रभावी तिथि	ने० म० नि० पा० फाईन न०
1	2	3 -	4	5
1.	मे ० कैपहम श्रारगेनिक्स लि ० कुक्रको, सोनीपत	⊓च० म्र(र०/ ४ १ 92	1-7-93 ₹ 30-6-96	_/।।/∪5/ ईा० एल ः श्राई०
د	मै० कैंपहम नंबारद्रीज ति० कुन्डली, सोनीपत ।	एव० प्रारि०/३५७७	1-7-93 中 30-6-96	2/12′35 एव० मार्० डी० एस० माई०
3	मै० जीनस म्टील इन्डर्स्ट्राज प्रा० लि० नेलवे गोत्रास क सामन, फरीदाबाद	एच० आर०/10461	1-3-92- 4 28-2-93	3/1,9১ দ্ৰাস আদেও বীও দলত আইস
4	मै॰ जेन ब्रादमं एण्ड कम्पनी ।) 2 वि॰ मी॰ मस्थन रोड सानीपन]	ग् च० श्रार ०/३३५३ ^{- १}	1-5-90 स 30-4-91	2 ⁷ 5 ₇ 93 Palo স্থাতে মিতিমূলত স্থায়ীত
5	मै० रविन्द्रा टस्र्थ्म सि० 10 कि० मी० स्टोन दि⁻र्ला रोड, हिमार	गण्यु० आसार∘/[६] ो	1-10-92 में 11-3-93 म्रार, 1-4-93 स 11-3-96	: 14 95 हार एवा स्राटंर
6	मै० उरस्पन मेटल इन्ह्रस्ट्रीज प्रा० लि० गोनीपत	म् च० झार० [/] । ∪ ७५७ 7] 1-3-92 年 28-2-93	2/2 ৭১ ⊍ৰ৹ স্থাহত হীত উলত স্থাইত
7	मै॰ चदमी पाईग्स, भिवानी रोज, हासी	गच्छ श्रार०/50,45	1-10-92 में 30-9-95	2/1 ₇ 95/ ¹¹⁷ त्रः स्रार० द्वीरुग्लरु स्रार्थर

भनुसुची- Π

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके परमात नियोजक कहा गया है) संगीधत क्षेत्रीय भविषय निधि नायुक्त को एसी विवरणियां भेजेगा और एसे लेखा रगेगा हथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रवान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निविष्ट करे।
- 2. निधांबक, एसे निरिश्चण प्रभारी का प्रस्थेक मन्स की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो कंन्द्रीय सरकार, जन्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के लाख-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करे।
- 3. साम् द्विक बीमा स्कीम के प्रशासन में, विसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रक्तुत किया खाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का बन्तरण जिरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी अवयों का बहन नियाजक द्वारा किया जायेगा।
- 4. मियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुसोदन सामृहिक वीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी कनमें संशौधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य वार्तों का अनुषाद स्थापना के मूचना पट्ट पर अदिकार करेगा।
- 5. यदि कोई एंसा सर्मजारी औ अधिष्य निश्विक या उदल अधिनियम के अधीन छुट प्राप्त किमी स्थापना की भिरुप्त निरिध का पहले में ही सदस्य ही, उसको स्थापना मी नियो- जिल किया जाना ही तो, निरोजक सामृहिक बीमा स्कीम की सवस्य के रूप में उसका नाम पुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाद्य जायहरू प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।
- 6. बाद उस्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध वाम बहु के जाते हों तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म-चारियों कर उपलब्ध लाभों में समुचित रूप के वृद्धि किए जाने की क्यावस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध नाभों में अधिक अगुकृत हो भे। उद्धर क्योम के अधीन अपनुष्ठीय हाँ।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन संबंध राशि उम राशि में कम हैं। औा कर्मचारी को उस दशा में सबस होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियाजक कर्मचारों के विधिक नारिश, नाम निवासितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का मंदाय करेगा।
- 8. साम्हिक बीमा स्कीम के उपवन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय मशिष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हिन एर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की गंभाधना हो, यहां क्षेत्रीय विषय निधि आयक्त अपना अनुमोदन दोने से पूर्व कर्मचारियों को अपना किराहोण स्पष्ट करने का सुक्तियुक्त अससर देगा।

- 9. विद् किसी कारणवश स्थापना के कर्मधारी भारतीय बीवन बीमा निगम की उस सामूहिक वीचा स्कीम के, जिसे स्थावना पहले अपना खुकी हैं। अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के मधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले साभ किसी ट्रांश से कम हो जाते हैं तो यह रदद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश निवाबक इस निवस तारीक के भीतर को भारतीय जीवन बीमा निगम निवत करे, प्रीमियम का सदाय करने में असफल रहसा है और पालिसी को व्यगत को जाने दिया जाता है तो कूट रद्व की जा सकती है।
- 11. नियां बक द्वारा प्रीमिष्यम को संबाय में किए गए किसी न्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशियों था विधिक नारिसों को पिए यह क्टूट न दी गई होती तो उन्त स्वीम के अन्तर्गत होते, नीमा लाभों के संयाण का उत्तरशाधित्व नियोक्षक पर होंगा।
- 12. उक्त स्थापना कं सम्बन्ध में नियायक इस क्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके इक्तार नाम निद्²िश्वतों/विधिक बारिजों की बीमाकृत र्राक्ष संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय श्रीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

एच० डब्स्यू० टी० स्प्रेम कंक्ट्रीच मनिक्य निधि आयुक्त

मः 2/1959/डो. एल. आई./एवजम/89/भाग-1/369—जहा अनुसूची-1 मं उल्लिक्षित नियंकताओं ने (जिसे इसमें इसके पञ्चात् उक्त स्थापना कहा गया है।) कर्मचारी भिवष्य निध्य और प्रकीण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के तिए आवेषन किया है (जिस इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम अहा गया है)।

चूकि मैं, एच. ढब्स्यू. टी. स्यंग, केन्द्रीय भिष्ठिया निधि आयुक्त, इस बात से संतुष्ट हुं कि उक्त स्थानना के कर्मचारी काई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए विना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहें हो, जाकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेण सहसद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतगरी स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकाल है (जिसे इसमें इसके परचात् स्कीम कहा गया है)।

शतः उच्य मधिनियम को धारा 17 भी उपापरा 2(क) ब्वारा प्रदत्त किन्तयों का प्रयोग करते हुए तथा इसके माथ संसम्न अनुमूची मो उिल्लिखित शता के अनुमार मी, एच. छड्यू. टी. रोग प्रस्थत उपहा स्थापना को प्रस्थेक के सामने उिल्लिखित पिछली तारीम से प्रभावी जिस तिथि मे उच्य स्थापना की धीनीय भीनष्य निधि आय्कृत हैंदराबाद ने स्कीम की धारा 28(7) के अन्तर्गत हील प्रदान को है, 3 वर्ष की अविध के लिए उच्य स्कीम के संघाणन की छाद देशा है।

		भनुसूची 1		
ऋाउप ०	रशपना का नाम भीर पना	कांड गु	छट की प्रभाती ति थि	के०भ०नि०आ० फाईल न०
1	2	3	4	5
1		ए० पी०/11392		2/8/95/श्री०एस० स्नाई०
2,	मै० कासी कम्बाईन्स प्रा० इस्जीनियरिंग प्रा० लि० बी०/14, टी० प्राई० सी० वालानगर, हैदरावाद500037	ए• पी•/19737	1-10-92 से 30-9-95	2/1/95/ही०ए.ल०आई०
3.	मै० हैवराबाद इम्ब्रस्ट्रीज लि० मास्तानगर, हेवराबाद-500018.	ल० पी०/15 ६	1−3−93 से 29−2−96	2/21/95/डीशम्ल०भाई०
4	मै० ऐसके मणीनस टूल्स प्रा० लि० बी०⇔४, ंर्टस्नोकेटइंडस्ट्रीयल इस्टैट फोप–II वालानगर हैदराबाय–500037	ए० पी०/13463	1-3-92 से 28-2-95 और 1-3-95 मे 28-2-98	2/20/95/की व्यलव्याद्व
7	त्रै० गारदूढता पतीनार्ज सा ईज को ग्रापरेटिय गोसाइटी लि० गारचूना पत्नी मानो कोनायुर जिला रामनगर 505460	ए० पी० / 4 ा 2 1	1-9-88 में 31-8-91 और 1-9-91 से 31-8-91 और 1-9-94 से 31-8-97	

अनुसूची - II

- 1 उक्त रक्षापना के सम्बन्ध में नियोजन (जिसे इसमें इसमें दसमें दसमें दिसा नियोजन कहा गया है) सम्बन्धित भोतीय भीतिष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा को केन्द्रीय भीवष्य निधि आयुक्त, समत-समय पर निविष्ट करें।
- 2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मारू की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अभिनयम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के अभीन समय-समय पर निर्दाश करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके जन्तर्गत न्याओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तत किया जाना, बीमा पीमियम का मंदाय, लेखाओं का अस्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक दवार किया आएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय मरकार दवारा अनमोदित सामितिक तीमा रकीम के नियमों की एक प्रती और जब कभी उनमें गंगोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की सहा-भेष्या की भाषा मो उसकी मध्या कालीं का अन्वाद स्थापना क समना के एटट पर प्रदर्शित राष्ट्रीग ।
- ५. यदि कोई एमा कर्मचारी जो भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम को अधीन छाट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का गहले ही सदस्य हैं, उसको स्थापना में नियोजिन किया

जाता है तो, नियोजक साम्हिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में असका नाम तुरन्त दर्ज करोगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदल करोगा।

- 6. यदि उक्त स्कीम के अभीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अभीन कर्म- बारियों को उपलब्ध लाभों में सामृहिक रूप से वृद्धि किये जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकृत हो को उका स्कीम के अधीन अनुकृत हैं।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यित किसी कर्मचारी की मत्य पर इस स्कीम के अधीन संदेग राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेग होता जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस नाम निविधितों को प्रशिक्त के लप में बोनों राष्टियों के अतर बरारक राष्ट्र का संदाय करेगा।
- 8. साम्हिक बीमा रकीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकाल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भिष्य निधि आएक्त अपना शनमोद्यन दोने के पर्य कर्मचारियों को अपना एडिन्कोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापमा के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृष्टिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापमा पहने अपना ककी है, अधीन मही रह जाता है या हम स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने बाले लाभ किमी राज्ञि से कम हो जाते हैं तो यह रहेद की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियांत्रक उस नियस तारीस के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियस करे, प्रीमिषम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को स्थयनत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निवंशितों था विधिक वारिसों को यदि यह कूट न दी गई होती तो उनत स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12 उन्नत स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निविधिक नारिसों की बीमाकृत राश्चि का संवाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन शीमा निगम से शीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिद्वित करेगा।

एच. बक्त्यु. टी. स्पेम केन्द्रीय भविषय निधि आयुक्त

रं 2/1959/डी. एस आइ²./89/भाग-I / 380--- जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्साओं ने (जिमे

इसमें इसके ध्रवाह उक्त स्थापना कहा गया है। कर्मचारी भिष्क्य निधि और प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के लिए आहेदन किया है। (जिस्टे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधि-चिथम कहा गया है। ।

चूं कि में, एच०ड रूपू०टी० स्थेम, कंन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतृष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशवान या शीमियम की अवायगी किये विना जीवन बीमा के स्प में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक नीमा स्कीम का साभ उठा रहे हैं, जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से जिथक अन्काल है (किते इसमें इसके पश्चात स्कीम कहा गवा है)।

जत: उन्न अधिनियम की भारा 17 की उपधारा 2(क) हारा प्रवत शिक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ गर्लग्न अनुसूची में उिल्लेकित इसी के अनुसार म⁴, एच. डक्ल्यू. टी. स्थेम प्रत्येक उन्नत स्थापना को प्रत्येक के गामने उिल्लेकित पिछली तारील से प्रभावी जिस हिथि से उन्नत स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त गुस्ट्र ने स्कीम की धारा 28(7) के अन्तर्गत हील प्रवान की है, 3 वर्ष की अविध के लिए उक्त स्कीम के संचालन की छूट देता हुं।

प्रन्स्की----1

ऋ०सं०	स्थापना का नाम भीर प ना	कीब संख्या	ख्रूट की प्रभावी तिचि	के० म० नि० मा० फाईल नं०
1	2	3	4	5
1	मे० चालापाथी चिट फण्ड प्रा० लि० डी० तं० 05—88—1 लक्ष्मीपुरम तीमरी लेग, गस्टूर मा० प्र०	ऍ० पी०/19413	1-6-93 से 30-5-96	2/ 19/95/डी० एल० माई०
2.	मैं विजयशाङ्ग कोटलिंग कम्पनी, रामानाकापाद्या 521108 कृष्णा जिमा गम्ट्र	€े पी∘/3160	: 1-7-93 मे 30-6-96	2/9 /95/ शी० ए ल० माई ०
3,	मै० चन्ता द्रासपोर्ट सम्बासपर गन्दुर ~ 522001.	ऍ० पी०/21116	1-11-93 से 31-10-96	2/5487/95/घी० एस० प्राई०
4.	मै० श्री क्रुप्णा बोटलर्स प्रा० पोस्ट बाल्सन ० 905 प्लाटन ० ८ 100 फीट रोड प्राटो नगर यिजयवाड़ा 520007	ले ० पी० ∕ 16515	1-11-92 में 31-10-95	2/5377/द्यी० गृ ल ० आर्दै०
5	मै॰ कारटोन कन्टेनसं 102-30 बूमैन कालेज रोड गस्ट्र-522001.	म्,० पी०/21447	1-11-93 से 31-10-96	2/5188/93/श्री०ग् <i>स</i> ० सा र्व ०

अनुसूची-2

- 1. उनस स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके परसात नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय, भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2. निर्योजक, ऐसे निरिक्षण प्रभारी का प्रस्थेक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अभीनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क के खण्ड-क) के अधीन समय-समय पर निर्दाश करें।
- 3. साम् विक शीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, निवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, शीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी हैं, होते वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक हारा किया जायेगा।
- 4. निर्धालक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमौदित साम् इक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और वन कभी उनमें संशो-धन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापका के स्वान एट्ट पर प्रविधित करोगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मचारी वो भविष्य निधि का व्या उनस्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सवस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सवस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवस्त करेगा।
- 6. चित् उपत्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म चारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकरूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुक्षेय हैं।
- 7. सामू हिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी
 यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय
 राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय
 होता जब सक गह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मबारी के विधिक वारिहों/नाम निविधियों को प्रतिकर के रूप
 में तोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संदाय करेगा।

- 8. सामू हिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भीवष्य निधि आयुक्त अथवा अनुमोदन दोने के पूर्व कर्मचारियों को अपना रुष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना चुकी हैं अधीन महीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी राशि से कम हो जात हो यह रव्द की जा सकती हैं।
- 10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारील के भीतर जो भारतीय जीवन श्रीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने विया जाता है तो छाट रखन की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिकाम की देशा में उन मृत सदस्यों के नाम निद्धितों। या विधिक वारिमों को यदि यह छाट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते। बीमा लाभी के संदाय का उत्तरवाियत्य नियोजक एक होगा।
- 12. उनता स्थापमा के सम्बन्ध में नियोखक इस स्क्रीम के अधीन आने वाले किसी सवस्य की मृत्यु होने पर उसके इकदार नाम निविधितां/विधित वारिसों का भीमाकृत रावि संवाय तत्परहा से और प्रत्येक बना में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्रत्येक बना में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्रत्ये होने के एक बाह के भीतर सुनिष्कित करेगा।

एव. डब्ल्यू. टी. स्पेम केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. बाई/एकजाम/89/भाग-1/391—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोकताओं ने (जिसे निधि और प्रकीण उण्बन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के जिस्तार के लिए जावेदन किया है। जिसे इसमें इसके परचात् अधिनियम कहा गया है।

भूकि मैं, एच. डब्स्यू. टी. स्योम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बाल से संतृष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अदावान या प्रीमियम की अदायगी किये विना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम का सामहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जोकि एमें कर्मचारी के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाओं से अधिक अनुकृत हैं (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया हैं)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भिंधष्य निधि आयक्त की अधिमचल मंख्णा सथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शाटी गई है, के अनसरण में तथा संलग्न अनुस्ची-2 में निधीरित शर्ती के रहमे हुए मैं, एच. डब्ल्यू. टी. स्येम उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के स्थालन से प्रस्थेक उक्त स्थापना की और 3 वर्ष की अविध के लिए छुट प्रवान करता हुं जैसा कि संलग्न अनुसची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया गया है।

			ग्रनुसूची–I			
—— फ०सं∘	 स्यानाकानाम व पता 	प ोड सं ख्या	भारत सरकार के श्रक्षिसूचना मे प्रकाशित विनांक व सं० जिसके द्वारा छूट प्रदान की गई	 स्ट्रूटकी समाप्ति तिथि	्रूट बढाने जाने की ग्रवधि	के०भ०नि० ग्रा० फाईल ने०
1	2	3	4	5	6	7
1.	झोरियन्ट सोमेन्ट पो० झा० देवापुर सीमेन्ट वन्सं (बा० पा०) मानचैरियर मदिलानाद जिला म्रा० प्र० 50431	ल	2/1959 श्री «एल » भाई «/एक्जम/89 पार्ट-1 विनोक 2-5-93	28-2-94	1-3-94 से 28-2-97	2/2413/90 ছी० एल०माई०
2.	मै॰ पैनर एलयूमिनियम कस्पनी लि॰ मेगमपट हैवराबाद	ऐ॰पी॰/20851	2/1959 डी ॰एस ॰ घाई ॰/एक्जम/89 पार्ट-। दिनांक 23-1-92	28-2-94-94	1-3-94 से 28-2-97	2/3967/92 डी० एल ः प्रार्ह ०
3.	भै॰ सूर्याटानिक्स प्रा॰ लि॰ 12-5-28/2912 ट्रानका हैवराबाय 500017.	ऍ०पी०/18041	2/1959/डी०एल०प्राई०/एक्जम/४ पार्ट-। दिनांक 20-7-91	9 30-11-93	1-12-93 से 30-11-96	2/3716/93 श्री० एस० मा ६०

अमुसूची-2

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके प्रकात नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भिष्य निधि आयुक्त, को एसी विवरिणयां भेजेगा और एसे लेखा रखेगा तथा निरक्षिण के लिए एसी सविधाएं प्रधान करेगा जो केन्द्रीय भविष्या निधि आकृत समय-समय पर निर्दिष्ट करें।
- 2. नियोजक ए'से निरक्षिण प्रभारी का प्रत्यंक माम की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करोगा जो केन्द्रीय मरकार, उक्त अधि-नियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के लण्ड के अधीन समय-समय पर निवर्षण करो।
- 3. सामृहिक डीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्सर्गन लेखाओं का रखा जाना, विविध्यायों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीकियम का संदाय, लेखाओं का अंगरण गिरीक्षण प्रभारी का मंदाय जादि भी है होने वाले सभी क्यों का वहन नियोजक इवारा किया जायेगा।
- 4. निरंशिक, कोन्द्रीय सरकार द्वारा अन्मोदन साम् हिल बीमा स्क्रीम के मिटमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये. तह उस संशोधन की एक प्रति तथा कर्मचारियों की वह संख्या की भाषा में उसकी मख्य बातों का अन्याद स्थापना के सूचना के पटट पर प्रविद्या करिया ।
- 5 शिंह बोर्ड एमा कर्मचारी जो भविका निधि का श उनसे अधि निधि के शीर कार प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि के ही सबस्य है, उसको स्थापना में निशेषित किया पाता है तो नियं जक सामहिक बीमा स्कीम के सनस्य के रूप में उसका न्या तरन्त वर्ष करेगा और उसकी बाबत अवव्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्स करेगा।
- द्रिक तकन स्कीम के अधीन कर्मचारियों को जालब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं। तो नियोजक सामितिक हीमा स्कीम को अधीत कर्म-चारियों को उपलब्ध लाभों में समितित रूप से विवध किये जाने की श्वास्था करोगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामितिक है मा स्कीम के अधीन उपलब्ध साभों से अधिक अनुकृत हो जो स्कीम के अधीन अनुक्रेय हैं।

- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के हाते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संघेय राशि उस राहि से कम है जो कर्मचारी की उस बवा में संबेध होती जब अह उदल स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक विराज्ञिनाम निवेधितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के जन्तर दरावर राशि या संबाय करेगा।
- 8 रामृहिक बीमा स्कीस के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य शिध आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के जिन नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधा से कर्मचारियों के हिल पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां क्षेत्रीय भविष्य चिधि आयुक्त अपना अनुमोदन दोने के पूर्व कर्मबारियों को अपना शिन्दकोंण स्पष्ट करने का युक्ति-युक्त अवसर देगा ।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन वीमा निगम की उस सामहिक बीमा स्कीम के जिम्में स्थापना पहलें अपना स्की है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाते तो यह रद्द की जा स्करी हैं।
- 10. यदि किसी कारणश्रक नियोजक उस नियत तारील के भीतर हो भारतीय जीवन बीमा निरम नियत करों, प्रीमिएम का संद्या करने में असफल रहता है और पालिसी की व्ययगत हो जाने विया जाना है सो छाट रवद की जा सकती है।
- 11. निटोजक हवारा प्रीमिटम के संहाय में किये गये किसी व्यक्तिकम की देवा में उन मरू सवस्यों के नाम निर्देशियों हो निधिक वारिसों के यदि यह छट न दी गई होती तो उनस्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संवाय का उरारवायित्व नियोजक पर हागा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बद्ध में नियंजक इस स्कीम के अधीन आने बाले किसी मबस्य की मध्य होने पर उस हकतार नाम निवं^क-जिन्ने-/निधिक वारिकों की बीमाकत राज्य संवाय तत्परता में और पत्रपंक तथा में भारतीय जीवन तीमा निगंध से बीमाकृत राशि प्राप्त होते के एक माह के भीतर स्निष्चित करेगा।

एच. डब्ल्य्. टी स्योम कॅन्द्रीय भविष्य निधि आयक्त मं 2/1959/डी. एस. आई./89/भाग-1/400--जहां अनुसूची-1 में उल्लिखत नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके परधात उक्त स्थापना कहा गया हाँ) कर्मधारी भोषण्य ितिश और प्रकीर्ण उपधन्श अधिनियम. 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छुट के शिरतार के लिए आवेदन किया है। जिसे इसमें इसके परचार उक्त अधिनियम कहा गया है।

चूंकि, मैं, एचं. डब्ल्यू. टी. स्टोम. को द्रीय भविषय निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंदायन या प्रामियम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे ही जोकि एसे कर्मचारी के लिए कर्मचारी निभंप

सहराव्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकृत हैं (जिसे इसमें इसके परचात् स्कीम कहा गया हैं)।

अतः उदश अधिनियम भी भारा 17 की उपधारा 2(क) ध्वारा असत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा सम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भिध्य निधि आयुक्त की अधिस्चन संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई है, के अपूरण में तथा संलग्न अगुसूची-2 में निधिरित शदी के रहते हुए में, एक डब्ल्यू. टी. स्योम उक्त स्कीम के सभी उपधंधों के सचालन में प्रत्येक उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हुं औसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया गया है।

धनुसूची-1

कम सं०	स्थापना का नाम ग्रौ र पता	कीं ड सं०	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० श्रा० फाईल नं०
1	2	3	4	5
1.	मैo पोली प्लास्टीक सीo-15 इस्डस्ट्रीयल गृरिया यमुना नगर, करनाल ।	ए च० ग्न ार∙०/967	1-2-92 से 31-3-93 मीर 1-4-93 से 31-3-96	2/26/95 श्री एल माई०
2.	मै० प्रगती सिलोनस प्रा० सि० यमुना नगर करनाल ।	ए च० झार०/4 985	1-12-91 से 31-3-93 मौर 1-4-93 से 31-3-96	2/27/95ए घ० पी० डी० एस० धाई
3.	मे० चन्दपुर वक्से यमुना नगर, करनाय	ए च० ग्रार० /522	1-12-92 से 31-3-93 झौर 1-4-93 से 31-3-96	2/28/95 एव आर० डी० एल० भाई०
4.	मैं० के० श्रायरण नक्सं यूनिट जोडियान यमुना नगर, करनाल	एय० श्रार ०/7 342	1-2-95 से 31-1-98	2/25/95 एवं० घार० शे० एस० धाई०
5,	मै॰ दो करतान कोजानस्टोब गुगुर निश्व नि० करनाल	ग्व∍ प्र€०/1917	1-3-89 से 28-2-90 भीर 1-3-90 से 28-2-93 भीर 1-3-93 से 29-2-96	2/7/95 एष० मार० टी० एस० मा ६ ०
6.	मै० पूर्वाईटिइ राईस लेण्ड प्रा० लि० करनाल, हरियाणा	एच ० झार० /3495	1-3-89 से 28-2-90 मौर 1-3-90 से 28-2-93 मौर 1-3-93 से 28-2-96	2/6/95 एच० भार० क्षी० एस० भा%र०
7.	मै० प्रोपि गत इन्जोतियरिंग जन्पनी इन्प्रस्ट्रीयल ऐरिया यमुना नगर, करनाल	त्व≎ प्रारं०/४92	1-3-92 से 31-3-93 मीर 1-4-93 से 31-3-96	2/29/95 एव ः घार ः डी० एस० श्रा६०

1	2	3	4	5
8.	मैं० टी० सी० जैन मेटल इन्डस्ट्रीज प्रा० लि० जगाधारी, करनाल	एस॰ भारः /1320	1-11-91 ゼ 31-3+93	2/30/95 দ্ৰত ঘা হত ছাঁত দ্লত ঘা হ তি
9.	मै० सन्त निमाल मिह पक्लिक स्फूल यमुना नगर, करनाल	ग्रम् ० ग्रॉर ० ∕ 4666	1-12-91 से 31-3-93	2/37/45 ाच ः आरः डी ० एस ः प्रार्हे०
10	मै० मभुना नगर ऐग्री हम्पतीमन्टम यमुना नगर करनाल ।	एच० मार०/3379	1-1-92 सं 31-3-93 भार 1-4-93 स 31-3-96	2/35/95 ¤्च० ग्रा४० हो० ⊓ल० श्राई०

अनुसूची--2

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध मा निमोजक (जिसे इसमा इमके प्रवास् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय मिल्य्य निधि आयुक्त, को एसी विवरिणया भेजेगा और एसे लेखा रखेगा तथा निरक्षिण के लिए एसी सुविधाए प्रवान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य जिल्हा अग्रुक्त समय-समय पर निर्विष्ट करें।
- 2 नियोज क एस निरोक्षण प्रभारी को प्रत्यक्ष की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्ता अ^६६६ नियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के अधीन समय-समय पर निर्दोश करें।
- 3. साम्पिहक कीमा स्कीम के प्रशासन मा, जि.सक अन्तर्गत लक्षाका का रक्षा जाना, विवरिणयों का प्रस्तृत किया जाना, वीमा प्रीमियम का स्वाय लक्षाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभारों का सवाय आदि भी है, होने वाले सभी व्यया का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
- 4 नियोजक, केन्द्रीय सरकार ध्वारा अनुमोदन सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें सशाधन किया जाये, तह उस सकोशन की एक प्रति तथा कर्मचारियों की बहू सख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के मूचना के पट्ट पर प्रवर्शित करेगा।
- 5 यदि कोई एसा कर्मचारी जा भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छुट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहलें ही सदस्य है, उसकी स्थापना मे नियोजित किया जाता है तो नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप मा उसका नाम तुरन्त वर्ज करेगा और उसकी दावता आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सदत्त करेगा।
- 6 यदि उक्त स्कीम के अभीत कर्मचारियों की उपलब्ध नीम बढ़ाए जाते हैं तो निरोजक मामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म-बारिका को उपलब्ध लाभों में सम्चित कप स विद्धा किये जारे की ध्यवस्था करोता, जिससे कि कर्मचारियों के लिए साम्हिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभा में अधिक उनुकान हो जो उक्त स्कीम के अभीन अमुम्बर हैं।

- 7 सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के हाते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन सबैय राशि उस राशि से काम है जो कर्मचारी की उस दशा में सबैय होती जय वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक यारिश/नाम निदें शितों की प्रतिकर के रूप में होना राशियों के अन्तर दराबर राशि का सदाय करेगा।
- 8 सम्हित बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी सबोधन सम्हित्यत क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के जिना नहीं किया जार्थमा और जहां कियों सबोधन से कर्मचारियों के हिस पर प्रतिकृत प्रभाव एडक की समावना हा वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त उपना अनुमोदन दने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्ति-युक्त उवसर देशा।
- 9 प्रिविक्सि कारणव्य स्थापना के तर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम को उस मामूहिक बीमा स्क्षीम क जिसे स्थापना पहले उपना जुकी है, अधीय नहीं रह जाता है या इस स्क्षीम के अधीय कर्मचारिया को प्राप्त हान वाली किसी राणि स कम हो जाते ता यह रहद की जा सकती हैं।
- 10 यदि किसी कारणबक्ष नियाजक उस नियस तारांख के भीतार जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियस करने, प्रीमियम का सवाय करने में असफल रहता है और पालिमी को व्ययगत हो जाने दिया जाना के ते छुट रवद की जा सकती है ।
- 11 नियोजक द्वारा प्रीमियम के सदाय में किये गये किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्या के राम निद्धिक्ति। यो विधिक व्यक्तिकों को यदि यह छाट न दी गर्छ होती तो उनल स्कीम के अन्तर्गत हात, दीमा लाभा के सदाय का उत्तरदायित्व नियाजक पर हाना।
- 12 उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियाजक इस स्कीम के अधीन आनं वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उस हकदान नाम निवर्म- किसी/विधिक धारिकों की बीमाकृत राशि सदाय तत्परता में और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम में बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतन सनिश्चित करोगा।

एचा उस्त्यू टी स्थंभ सेन्द्रीय भासिष्य शिक्षि भागतः स 2/1959/डी एल आई.-89/भाग-1/416--जहा अनुसूची-1 म उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके परचात् उक्त स्थापना कहा गया हैं) कर्मचारी भाजिष्य निश्चि और प्रकीण उपसन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्नर्गत छाट के जिस्तार के लिए आवेदन किया हैं। जिस इसमा इसके परचातः उक्त अधिनियम कहा गया है।

चूथि मैं, एच डब्ल्यू टी स्थेम, केन्द्रीय भविष्य निध्य आयुक्त इस नास में सतुष्ट हु कि उथल स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अयुदान या प्रीमिशम की अदायगी किये दिना जीवन कीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जाकि एसे कर्मधारी के लिए कर्मधारी निकष्प सहगद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लोभों से अधिक अनुकृत हैं (जिसे इसमें इसके परचात् स्कीम कहा गया है)।

अस अफिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) म्टारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ सलग्न अनु-सूची से उल्लिखित शर्ती के अनुसार मा, एचं डब्ल्यू. टी स्थेम प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछती रारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को ६ टीन भिवाय निधि आयुवत उडीसा र स्कीम की भाग 28(7) के अन्तर्गत हील प्रवान की है, 3 दि की अगिध के लिए उक्त स्कीम की सचालम की छूप दोना हूं।

धन्तची--- 1

प्र∘ सं∘	स्थानाकानाम श्रीरपता	नोंत्र स०	छृट वी प्रभावी निधि	केट भट निट ग्राट फाईन नट
1	2	3	1	5
1	मै० उद्दीमा प्लास्टिक प्रामैसिग लि० श्रां० टी० राड बालामोर ।	भार भार 0/4116	1+3-92 में 28-2 - 95	2/४/७५/ईा ः ⊓ल० ग्राई० ग्रो० ग्रार०
2	में अनुमान रोलिंग मिल्स (प्रा०) ति० थीं राम नगर रायागडा— 765001	मों० श्रार०/४।४७	「1-3-93 華 29-2-96	2/2/৭5/মা০ স্না ₹ ০ হা ০ চল ০ স্নার্হ০
ş	मै० उपक्रत एखा इन्हर्म्होज प्रा० ति० बातासार उसमा ।	म्रा० म्रार०/164≒ हैं।	1-3-40 स 25-2-95 आर 1-3-93 से 29-2-96	८ । १५/फा० स्नारः

अनुसूची--II

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध मा नियाजक (जिसे इसमा इसक पश्चात् नियाजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भिवष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरिणया भेजेगा और ऐसे लेखा रहेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाए प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त सम्यासमय पर निविष्ट करें।
- 2 नियोजक एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्यक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीनर सदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधि-नियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के लण्ड के अधीन सम्पर्समग्र र निवर्षण करें।
- 3 सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके जन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सवाय, लेखाओं का अतरण, निरीक्षण प्रभारी का सवाय जावि भी है होने वाले सभी ब्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
- 4 नियोजिक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदन सामितिक नीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी अनमें स्थाधिन किया जायं, तब उस सक्ष्येंचन की एक पृति तथा कर्मचारिया की बहु संस्था की भाषा में उसकी मुख्य बाता का अनुवाद स्थापना के सूचना पहुर पर पनीर्शन करेगा।

- 5 यदि कोइ एसा कर्मचारी जो भविष्य निधि वा या उक्क्स अधिनयम के अधीन छुट प्राप्त किसी स्नापाा की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य हैं, उसकी स्थापना में नियाजित किया जाता हैं तो नियाजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसकी नाम सुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबहा अववयक प्रीम्यक भारतीय जीवन बीमा निगम को सदत्य करेगा।
- 6 यदि उदत स्काम के उधीन कम सारियों का उपरब्ध लाग दढ़ाए जातें हैं तो रियोजक सार्विक तीरा स्कोम के अधीन कर्म-सारियों को उपरब्ध लागों से समुचित रूप में बृद्धि किये जाने को व्यवस्था करोगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए साम्हिल दीरा स्कीम के अधीन उपराब्ध ताभों स अनिक अनकृत हो जो स्कीम क अधीन अनक्षय हैं।
- 7 सामूहिक दीमा स्काम म किसी बात के हार हुए भी यदि किसी कर्मचारी की सृत्यू पर इस स्कीम के अतीन सदय राजि उस राशि से कम हैं। जो कर्मचारी की उस दका म सदे हाता जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता ता नियायक कर्मचारों के विधिक द्यारिक/नाम निद्िशासों को प्रतिकर के रूप में दाना राशिया क अन्तर राग्य राशि का सदाय करेगा।

- 8. सामृत्विक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षत्राय भिवष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के जिना नहीं किया जायंगा और जहां किसी संशोधन स कमजारियां के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़न की सभावना हो वहां क्षेत्रीय भिवष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन दोने के पूर्व कर्मचारियां को अपना इण्डिकोण स्पष्ट करने का युक्ति-युक्त अवसर दोगा।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना नृकी हैं। अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने दाली किसी राशि स कम हो जाते तो यह रव्द की जा सकती हैं।
- 10. यदि किसी कारणवंश नियाजक उस नियत तारोख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियत करो, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने विया जाना है तो छुट रदद की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यक्तिक्षम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निद्धितों था विधिक वारिशों को यदि वह छुट न दी गई होती तो उक्त स्क्रीम के अन्तर्गत होते, बीमा नाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध मो नियोजक इस स्कीम के अधीन आने थाले किसी सबस्य की मृत्यु होने पर उस हकदार नाम निचर्य- शिसों/विधिक धारिशों की बीमाकृत राशि संदाय तत्परता में और प्रत्येक दया मो भारतीय जीवन बीमा िग्यम में बीमाकन राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर मुनिदिचत करेगा।

एचा. इडन्य्. टी. स्यंस कोन्द्रीय भविषय गिधि आयुक्त

दिनांक 29 उनवरी 1996

सं. 2/1959/डी. एल. आई.-89/भाग-1/425—
जहां बनुसूची-1 मं उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके
परुपान उन्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निषि और
प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) को धारा
17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवंदन
किया है (जिसे इसमें इसके पण्चात् उक्त अधिनियम कहा गया
है)।

चृक्ति, म¹, एच डब्ल्यू. टी. स्थेम, कोन्द्रीय भिष्ठाय निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हुं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिता जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा किंगम का सामृष्टिक क्षीमा स्कीम का लाभ उठा रहें हैं जोकि ए'से कर्मचारी के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभो से अधिक अनुकरूल हैं (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनयम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनु-सूची मां उल्लिखत धर्ता के अनुसार मां, एच. डक्क्यू. टी. स्थंम प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने उल्लिखित धर्मा पाइकी तारीख सं प्रभावी जिम तिथि सं उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भिवष्य निधि आयुक्त उप क्षेत्रीय कार्यालय करनाल ने स्कीम की धारा 28(7) के अन्तर्गत डील प्रदान की है, 3 वर्ष की अविध के लिए उक्त स्कीम के संचालन की छूट दोता हूं।

धनुसूची-।

क ० सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड सख्या	छूट को प्रशा वी तिथि	कें० भ० नि० धाँ० फाई्रल नं०
1	2	3	4	5
1.	मै ० मैनको इस्क्रिनियरिंग कारपोरेशन यमुना नगर, करनाल	एच० प्रारः /1342	7-1-92 से 31-3-93 मीर 1-4-93 से 31-3-96	2/32/95/ए व ० मार० डी० एस० श्राई०
2.	मै० ब्रह्मको इस्जिनियरिंग पत्प एण्ड पेपर्स मगीनरी यमुना नगर, करनास	ए थ ० म्रार० ∕ 1775	1-1-92 से 31-3-93 मीर 1-4-93 से 31-3-96	2 /33/95/एच० शार० डी० एल० शार्घ०
3.	मै० स्नोरियन्टल इन्जिनियरिंग वर्त्त्मे प्रा० लि० यमुना नगर, करनाल	एच ः ग्रार ०/24	1~11~92 से ्रे 31~3~93 ग्रीर 1~4~93 से 31~3~96	2/34/95/एच० झार०े डी० एल० आई०
1.	मै० सन राई न पेपसं एण्ड बोर्ड मिल्स यमुना नगर, करनाल	एक० भार/3734	1-2-92 से 31-3-93 झीर 1-4-93 से 31-3-96	2/36/98/एच० मार० ग्री०एल० भ्राई०

	2	3	4	5
5.	मै० जसमेर पेकसं प्रा० लि० लदवा जिला कुरुक्षेत्र, करनाल	एच० ग्रार०/3966	1+1-92 में 31-3-93 मीर 1-4-93 से ्र 31-3-96	2/37/95/एच० घार० डी०एल० घाई०
6.	मै० कृष्णा एलाएँ स्टील यमना नगर, जगाधरी	एच० श्रार०/4356	1-11-91 से 31-3-93 ग्रीर 1-4-93 मे 31-3-96	2/38/95ए ष ० म्रार० डी०एल०म्रा ई ०
7.	मै० चन्द्रपुर बोडर्स मिल्स यमुना मगर, करनास	ए च० घार०/ 7 80	11292 से 31393 गी र 1493 से 31396	2/39/95/ एच० मार ०]} डी०एल० ग्राई०
	मै० दयाल सिंह पश्लिक स्कूल, करनाल	ए च ० घार०/5296	1-2-91 से 31-3-93 मीर 1-4-93 से 31-3-96	2/41/95/ एख० भार० ¦ श्री० एस० झाई०
).	र्मे० करनाल हरियाणा को०- घोप० मार्किटिंग एण्ड सी० पी० सोसाइटी स्वि०, करनाल	एच० घार०/2194]	1 -1-95 1-12-97	2/42/95/एच० भार०] ग्री०एल० माई०
).	मै० पाल इंजीनियरिंग कारपोरेशन यमुना नगरं, करनाल	एच० झ ार०/2416	1-4-92 से 31-3-93	2/24/95/ एक ः ग्रा र० डी०एस० भा ई ०

अनुसूची-II

- 1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पहचात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भिवाष्य निधि आयुक्त, की एसी विश्वरणियां भेजेगा और ऐसे हें हा रह्येगा सथा निरीक्षण के लिए ऐसी सृषिधाएं प्रवान करेगा जो केन्द्रीय भिवष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्विष्ट करे।
- 2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करना जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निवाँका करे।
- 3 सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन मों, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रका जाना, विवरणियों का प्रस्तृत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभारी का संदाय जादि भी है होने धाले मभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया उपाएगा।
- 4. नियोजक. केन्द्रीय सरकार दक्षारा अनुमोदन सामृहिक वीमा स्कीए के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संकोधन किया जाये, तब उस संबोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सबना के पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भिष्य विशेष का या उपत अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भिष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियो-िजल किया जाता है तो, नियोजिक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त धर्ज करेगा और उसकी बाबल आगरयक प्रीमियम भारतीय जीयन बीमा निगम को संवर्ष करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ गढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीम कर्म-चारियों को उपलब्ध लाभों में समृचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यावस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक गैमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुक्रोय हैं।
- 7. सामू हिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम हैं। जो कर्मणारी को उस दशा में संदेय होता जब वह उक्स स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मणारी के विधिक बारिस/नाम निविधितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करना।

- 8. साम्हिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन सस्विन्धित क्षित्रीय भिज्य निधि आयुक्त के पूर्व अमुगोदन के दिना नहीं किया जाएना और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हिन पर प्रतिकृत प्रभाग पड़ने की संभागना हो गहां क्षेत्रीय भिष्य निधि अयुक्त अपना अनुभोदन के के पूर्व कर्मचारियों को अपना दिन्दकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवस स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन दीमा निगम को उस सामृहिक दीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राचि से कम हो जाने हो यह रखद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवंश नियोजक उस नियंत तारीश के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियंत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छुट रदद की जा सकती है।
- 11. नियोजक व्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गयें किसी व्यक्तिक्रम की दक्षा में उन मृत सदस्यों के माम निविधिक्तों या विधिक वारिसों को यदि यह छुट न दी गई हाती तो उकत स्कीम अन्तर्गत होते, टीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्य नियोजक पर होता।
- 12. उक्ता स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की गृत्य होने पर उस हरुवार शम निवंधिकों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि संवाय हत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन वीमा निगम से वीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह को भीतर स्निश्चित करोगा।

एच. ढब्ल्यू. टी. स्योम केन्द्रीय भागित्या निधि आयुक्त मं. 2/1959/डी. एल. आई/एक्जाम/89/भाग-1/441~-जहां अनुसूची-। मं उल्लिखित निर्माक्ताओं नं (जिसे इसमें इसके परचात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भनिष्य निधि और प्रकीर्ण उपलब्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है। जिसे इसमें इसके परचात् उक्त अधिनियम कहा गया है।

चूंकि मंं, एच. उटल्यू. टी. स्थेम, क्रेन्द्रांय भिवष्य निर्धि आयुक्त इस बात से सन्तुष्ट हुं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किये विमा जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम का सामृष्टिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जाँकि एसे कर्मचारी के लिए कर्मचारी निक्षेप सहद्वत बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभें से अधिक अनुके ल हैं (जिसे इसमें इसके पदवात स्कीम कहा गया हैं)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रवस शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भगिष्य निधि आयुक्त की अधिम् जना संख्या सथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने वर्षायी गई है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-2 में निधिरित शतीं के रहते हुए मैं, एथ. डब्ल्यू. टी. स्थेम उक्त स्कीम के सभी उपबन्धीं के संजालन से प्रत्येक उक्त स्थापना की और 3 गर्ष की अगिध के लिए छूट प्रवान करता हुं जैसा कि मंत्रग्न अनुसची-1 में उनके नाम के सामने वर्षाया गया है।

प्रमुसुची-1

क ्सं ०	स्थापना का नाम ग्रीर पता	कोड संख्या	भारत सरकार के प्रश्निस्चना में छटुकी समाप्ति प्रकाशित दिनांक व संख्या जिसके द्वारा छुट प्रदान की गई	छुट की समाप्ति तिथि	छूट बढाने जाने भी सन्धि	के० भ० नि० घा० फाईल नं०
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)		(6)
1.	मैं o जी o झार o कार्ब और इण्डस्ट्रीज पेडाकाकनी गुणट्य जिला माध्य प्रदेश पिन कोड 522509	ऐ॰ पी॰ / 12768	2/ 1959/ई० हो० एस० माई०/ एक्जम 89/भाग-I दिनांक-23-12-92	31-12-93	1-1-94 से 31-12-96	2/4350/92 बी० एल० माई.
2,	मै० एसोसीएट, जी० टी० रोड चिलाकलुरिपेट⊶522616 जिला गुनट्र	ए० पी० / 21104	2 / 1959/ई० डी०एल० झाई०/ एक्जम 89/भाग–I वित्तक–9–12–92	28-2-95	1-3-95 से 28-2-98	2/4296/92 श्री० एल० माई०
3	मै० दो० घोनगले कोपरेटी व बैक लि० राजापानागल रोड, घोनगले- 5 23002 घांध्रा प्र ^{दे} ण	ऐ॰ पी॰ /21167	2/ 1959/ছি০ ছী০ চল০ স্নার্চ০/ দ্ৰুজন ৪৭ খান —I বিশাক 9—12—92	28-2-95	1~3~95年 28~2~98	2/ 1297/ 92/ ছী০ एল০ দ্বাৰ্ছ ০
4.	मै० श्री धनलक्ष्मी कोटन एण्ड राईम मिल लिमिटेड राईम डि विजन गनशबराम - 522619 वाया चिलकालप्रोसेट गुन्दुर जिला -मान्धा प्रदेश	गें∘ पों∘/67 43	2/ 1959/ईा०िकी०एस०भाई०/ ए+जम 69 भाग —I विनोक 19→4—94	31-3-93	1-4-9 3मे 3 1-3-9 6	2/5015/ 83 डी० एन० झाई०

		-			_	
(1)	(2)	(3)	(1)	(5)	(6)	(7)
 5		मञ्चीर/1व	2/1959/ई० डी एल० आई०/ एक्जम ६९/भाग-I विनाक 23⊷12∞92	5-9-9 [9-9-917 9-9-9	ু′1 / £2/80 ছীও চল্ও সাইওি
U	मैं धनालक्ष्मी कोटन एण्ड राष्ट्रिय मिल (प्रा०) जि ० गनपाकराम 5.2.2 6.1 व वाया चिलका ख्रेपेट गुन्दुर जिला मोधा प्रदेश	ਸੇ ਹ ਥੀ ਹ /5 ਹ 6 9	2/1959/ ই০ তীত দৃশত সাইত দৃశজম/ 89 भाग-I বিলাক 19-4-94	31-3-93	1~ 4~93 ³ f 31−3~96	2/5015/93 হীও দূলত স্নাই্ড
7	मैं० दी० के० सी० वी० लिसिटेड रामाकृष्णा बिल्डीन डा० पी० दी० चेरियन क्रोसेट रोड मद्रास ~600106	कें नों ०/1209	2/1959/डी० एस० म्राई० एस्प्रम /89 भाग-I दिनाक 31-8-92	29-2-95	1-3-95 में 29-2-98	2/3/89/90/ ছী০ ঢল০ স্নাৰ্ছ্ড

अनसची——∭

1 उन्नत रथापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके परनात नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी पिदरणिया भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा सथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाए प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निरीध आयुक्त, समय-समय पर निदिष्ट करें।

- 2. नियांजक, एंसे निर्देशिंग प्रभारी का प्रत्येक मास की समाध्यि के 15 दिन के भीनर मंदाय करेगा जो केन्द्रींग सरकार, उक्त मधिनियम भी भाग 17 की उपधारा (2-क) के अण्ड-फ के अधीन समय-समय पर निर्मश करे।
- 3 सामूहिक बीमा स्कीम के प्रवासन में, जिसके अन्तर्शत लेकाओं का रक्षा जाना, विवरणियों का प्रस्ता किया जाना कीमा प्रीसियमा का संदाय, लेकाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रश्री का संदाय आदि भी है होने वाले सभी व्ययों का धहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार ब्वारा अन्य विक्ष साम्रि नीमा स्कीय की नियमों को एक प्री। और अब कभी उनमें संर धन किया जाए, तब उस संकोधन की पित नथा कर्मधारियों के बहुसंख्या की भाषा से उसकी मुख्य बानों का अनुबाद स्थापना के संबना पटट पर प्रविधान करेगा।
- 5 यदि कोई एरेन दर्मचारी जो भविष्य चिधि का या उन्नन अधिशियम है अभीन होट पाण विसी स्थापना को भविष्य निधि का पहले से ही राटरय है, उसको रथापना में नियां-विस किया जाता है तो, नियांजक साम्हिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्श करेगा और उसकी बाव्य आवश्यक शीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संबल करेगा।

- 6 रिद उस्त स्कीम के अधीन कर्मणरियां की उपलब्ध काभ वित्राय जा है तो नियोजक मामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म-चारियों की उपलब्ध नाभी में मामृहिक क्या में वृद्धि किए आने वो व्यवस्था करोगा, जिससे कि कर्मचारियों के विष् गामिहक वीमा क्कीम के अपीन उपलब्ध नाभों में विषय वाक्ष्य हों जो उक्त स्कीम के अधीन वाक्ष्य हो ।
- 7. सामृहिक बीमा स्कीम में किमी बात में होते हुए भी यदि फिमी कर्मचारी की मृत्यु पर इस मंदीम के प्रधीन संदेश राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी की उप दशा में संबंध होती जब बहु उकत स्कीम के अभीन द्वामा तो नियोजक कर्मचारी के निधिक बारिकों/गाम निद्याकियों की प्रतिकर के हम में दोनों गांविया के अन्तर हराहर राशि का संदाय करेगा।
- 8. सामहिक वीमा स्कार के उपवन्धों में को के भी संशोधम सम्बन्धित शंकीय भविष्य निधि आयक्त के पर्व अनमोदन के विना नहीं किया जायंगा और जहा दिल्यों संशोधन से कर्म-भारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पदने की संभावना हो वहां देशीय भविष्य निधि आगक्त अपना सम्भोधन होने में पर्व कर्मचारियों को दापना दिल्यांग रण्ड करते का स्वित्यकृत अपन्य होगा।
- 9. शदि किसी अंग्रज्य स्थापना के कर्मचारी भागतीय विकास की साम की उस साम हिन्द होसा स्कीस को, जिसे स्थापना पहले अपना स्की है अभीन नहीं यह जाता है या इस स्कीस है अपीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी गृहिए से कम हो जाने तो यह स्वद की जा सक्यी है।
- (). यदि किसी कारणवंश नियोजक जस नियत मारील के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम निगम कर³, प्रीमियल का संवाप करने में असफल रहता है और पालिसी को स्वपात को पाने स्थित अस्त है को एट स्वद की जा सकती है।

- 11. नियोजक स्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गयं किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निद्योधितों या विधिक वारियों को यदि यह छूट न दी गर्च होती सो अक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा नाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उपत स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मत्य होने पर उसके हकदार नाम निविधित विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि संवाय उस्परना से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर स्निनिच्चत करेगा।

एच. डब्ल्यू. टी. स्योम केन्द्रीय भविष्य निधि नायक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई/एकअम/89/भाग-1/454—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित निर्माकताओं ने (जिसे इसमें इसके पड़चान उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भिताया िष्टि और प्रकीण उपबन्ध कथिनियम, 1952 (1952 का 19) की भारा 17 की उपधारा 2(क) के ब्रावर्गन क्ष्टुट के निरंतार हो

िलाए अविदेन किया है। जिसे इसमें इसके पञ्चात् अधिनियम कहा गया है।

चृंकि मैं, एच. डब्ल्यू .टी. स्योम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुवा इस बात से संसण्ट हूं कि उक्त स्थापना को कर्मचारी कोड़ अगा अंशवान सा प्रीमिर मा की अवायमी किये दिना जीवन शीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निस्म का सामृहिक दीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जोकि एमें कर्मचारी के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध दीमा स्कीम, 1976 के अनार्गत स्वीकार्य लाशों से अभिक अनुकाल हैं (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया हैं)।

अत उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) दहारा अदल कि क्यों का प्रयोग करते हुए तथा अम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिमधाना मंख्या सथा तिथि जो प्रत्यंक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई है, के आमरण में तथा मंलग्न अनुमखी-2 में निधिरित करों के रार्व हाए में, एख. बक्त्यू. टी. स्थेम उक्त स्कीम के गभी उपवन्धों के गंजालन में प्रार्थक उक्त स्थापना की और 3 वर्ष की अवधि के लिए एड इदान करता हो जैसा कि मंत्रन अन्याची-1 में उक्तरें नाम के स्थान दर्शिया गया है।

श्रत्मुची--- १

ऋ० सं०	स्थानना का नाम और पता	कींड संक्या	सरकारी श्रक्षियुक्ता जिशके द्वारा शृट श्रदान जिस्तार की गई ' तिथि	समाप्तिकी छूट तिथि	की भवधि	कै० भ० नि० भा० फाइल नं०
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(e)	(7)
1.	मै॰ दिन्द्स्तान प्रिफेट लि॰ तंगपुरा नई दिल्ली 14	डी • एल/75	2/1959/डी० एल० प्राई०/एउजम 89/भाग -1 दिलोक 12-2-92	23-9-93	24-9-93年 23-9-96	2/ 1072/ 80 ही ० ही ० एस० माई०
2.	मै॰ इक्ष्या उस्टरनैशनल सेस्टर 40 मैकस मुल्लेर मार्गे, नई दिल्ली 110003	बी ०एस ० /1520	2/ 1959/ही० एन० झाई० एककम 89/भाग। दिनोक 11—1—92	ा 31−8−94 से	1-9-94से 31-8-97	2/3421/90
3.	मै० के० एन० राटी स्टीस सि० 1 /5812 लोनी रोड माहदरा विल्सी –32	হী ৽ एल • / 3365	2/1959/রীত গুলত আছিত গুলস্থ 89/আলো 1 বিলাক 12—2—92	7-11-94	8-11-94 से 7-11-97	2/607/80/डी० एस० माई०
4.	मै॰ इण्डियन कमप्रेगर लि॰ 331035 भोखला इण्डस्ट्रीयल एसटेट नई विल्ली—20	बी∘ एत∘/ 325	2 / 10 5 9 / डी० ऍ न० प्र ई० ऍश्जम 89 भाग 1 दिनॉक 20—10 → 89	26-3-91	27-3-91 से 26-3-94	2/ 1206/80 दी ० एस० माई०

अनुसूची II

1 उल्ल स्थापना के सम्बन्ध में निष्ठेजन (जिसे इसमें इसके पश्नात नियोजक कहा गया हैं) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विषयिणयां भेजेगा और ऐसे होसा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी स्विधाएं प्रवान के गा जो के द्वीय भविष्य निरीक्ष आयक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2 नियोजक, ऐसे निरिक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, जक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

- 3. साम् हिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, दिदरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण निरिक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक हारा किया जायेगा
- 4. नियोजक, दोन्दीय सरकार दवारा अनसोदन सामृहिक बीमा स्क्रीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी जामें संगोधन की प्रति सथा कर्मचारियों की मह,संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के स्कूजना के पट्ट पर प्रदिश्वित करेगा।

5. यदि कोई एंसा कर्मचारी जो भिष्ण निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य हैं, उसको स्थापना में नियो-जित किथा जाता हैं तो, नियोजक साम्हिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरस्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमिथम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उकत स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अमुकूल हो बो जवत स्कीम के अधीन अनुश्रेष हैं।

7. सामृद्धिक भीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संबंध राशि उम राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में सद्ध होती जब शह उदन स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी की विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकत के रूप में वोनों राशियों के अन्तर बरावर राशि का संदाय करेगा।

- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में काई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भिष्य निर्धि आयुक्त के पूर्व अनुमोदा के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षंत्रीय भिष्य निर्धि आयुक्त अथना अनुमोदन दोने से पूर्व कर्मचारियों को अथा दारहरोगा स्थान करने का मुक्तिसम्बन्त अथगर दोगा।
- 9. यदि किसी कारणबंश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना भूकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाते को यह रव्द की जा सकती है।
- 10. यदि तिसी कारणवर नियोजक उस नियत सारील के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करो, प्रीमियम का संबाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यव्मत हो जाने विया जाता है तो क्षूट रखद की जा सकती है।

- 11. नियोजक ब्लारा प्रीमियम के संवाय में किये गये किसी व्यक्तिकम का दक्षा में उन मृत सबस्यों के नाम निविधिता था कि अब वारसा का जा याद यह अटूट न दा गई हाता ता उस्त स्काम के अतगत हात, बीमा लाभा के सदाय का उत्तरवायित्य नियाजक पर हाना।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियाजक इस स्काभ क अधीन आनं वाल किसा सदस्य का मृत्यु हान ५२ उसक हकवार नाम निवाधिक वारिसा का बीमाकुश राशि सदाय सत्परता से और प्रत्यक दक्षा मा भारतीय जीवन बीमा निगम स बीमाकृत राश्य प्राप्त हाने के एक माह के भीतर सुमिश्वरा करेगा।

एच. डब्ल्यू. टो. स्यम केन्द्राय भविष्य निधि आयुक्ट

सः 2/1959/डी. एल. आई./एकआम/89/भाग-1/446—जहा अनुस्ची-1 में उल्लिखित नियोक्साओं ने (जिसे इसम इसके परचात् उकत स्थापना कहा गया ही कर्मचारा भावष्य निम्न और प्रकीण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) को धारा 17 का उपधारा 2(क) के बंदर्गत छूट के विस्तार के लिए आवंदन किया है। जिसे इसमें इसके परचात् अधिनियम कहा गया है।

चूकि में, एच. बस्त्यू. टी, स्येम, केल्क्रीय भविष्य निधि शाहित इस गात स मतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अशदान या प्रीमियम की अदायनी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम का सामृहिक बीमा म्कीम का लाभ उठा रहें हों जोकि एसे कर्मचारी के लिए कर्मचारी कि शिए कर्मचारी कि शिए कर्मचारी के लिए कर्मचारी कि शिए कर्मचारी के शिए कर्मचारी हैं।

अत. उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शिवतयों का प्रयोग करते हुए तथा इस्के साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित क्यों को अनुसार में, एच . डब्स्यू. टो. स्थेम प्रत्येक उक्त रथापना को प्रत्येक को सामन उल्लिखित पिछलो तारील से प्रभावी जिस दिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय मिवज्य निधि आयुक्त एम क्षेत्रीय कार्यालय करनाल ने स्कीम की धारा 28(7) को अन्तर्भत कील प्रदान की हो, 3 वर्ष को बबधि के लिए उका स्कीम को संचालन की छूट बोता हो ।

धनुगूषी-1

ऋ०सं० -	स्थापना का नाम ग्रीर पता	को इसंख्या	छूट की ग्रमाबी तिथि	के० भ० नि० भा• फाईल नं०
1	2	3	4	5
1,	मै ॰ म्रांसा इन्डस्ट्रोयल	एच० मार०	1−3−94 से	2/19/95
সী	प्रोडक्सन प्रा० लि० श्रम्यालाकेन्ट	6834	28-2-97	ए ष ० प्रार०/डी० एस० द्याई०
2.	मै० यमुना सिनीगेह	एचा० ग्राटि	1-3-94 से	2/23/93 डी एल० म्राई०
	लि० यमुना नगर	270	29-2-97	, , , , , , , , , , , , , , , , , , , ,

1	2	3	1	
з.	मै० विक्रम इस्जनियोरिंग	एच० ग्रार०	1-2-92 T	2/21/95 डी० ए स० ग्राई ०
	वर्क्य समुना नगर	3523	31-3-93 भीर	
	3		1-1-93 से	
			11-3-96	
4	मै० भिनगिरी इन्डस्ट्रीअ	गच्ख० भ्रार०	1-0-95代	2/17/95 ए च ० पा०
	चण्डीगढ़ रोड वलदेव नगर	3995	31-5-98	डी०एल ० ग्राई ०
	कुम्बासा गहर			
5	मै० बी० जी० धा ॥ उबाग	एच० भार	1-10-94 H	2/16/95
	लि० यमुना नगर	6867	30-9-07	एक स्थार० डी.एक प्राई
ь	म० कं ० ग्रायरन वर्ग्य	एखंड ग्राहर	1-2-02	2/20, ५० एस० मार०
	प्रा० लि० प्रमुना नगर	5 1	ः । — ऱ— ५ । अहर	নিও দৰত সাহিত
	v		1-1-95 H	
			31-3-96	
(1	म प्राती त्यास्टी माल्ड र	एच० भारका	1-3-92 स	ूर्य प्रकार का स्मार्थक
	कारपारेशन इन्डस्ट्रीयन	1238	31-3-93	
	र्णास्या यमुना नगर			
8	मॅ० दशन ^२ नटरप्राईजिज	ग्च० ग्रार०,	1-4-92 柱	2 19/95एच० द्यार०
	इन्डस्ट्रीयल मेरिया	1275	11-1-01	डी०एल० याई०
	यमुना नगर			

अन्यकी-

- 1 जकत रम्पान क सम्बन्ध मा नियागड़ ((जर इसमा इस इ पहचान नियोजङ कहा गया ही) समान्धित क्षेत्रीय भनिष्य निर्धि आयुक्त, का एसी विवरण्या भेरणा और एस ल्ला रसमा तथा निरक्षिण क लिए एसी सुविधाए प्रवान करेगा जो केन्द्रीय भनिष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्विष्ट कर ।
- ्र नियाजक, एत्र निराक्षण पभाग का प्रत्य ह मास की समाप्ति को 15 दिन के भीतर गदांग करोगा आ केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के रूगड-क के अधीन समय-समझ पर निवर्ष करें।
- 3 सामृहिक वीमा स्कीम के प्रजागन मा, जिसके अतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरिषयों का प्रस्तुत किया जाना बीमा प्रोप्टयक का सदाज लेखाओं टा जनगण, निरीक्षण प्रभार का सदाय आदि भी है, होने वार्य सभी व्ययों का बहुन नियोजक दुवारा किया जायगा।
- 4 नियोजक, केन्द्रीय स्रकार दवारा अनुमादन सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और ज्य कभी उनमें स्वोधन किया जाए, तब उस संघोधन की प्रति तथा कर्मचिरियों की बहर्स्स्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के स्वता पट्ट पर प्रविधित करेगा।

- 5 यदि काई एसा ट्रेसियारी भविष्य निश्चित का राउवसा अधिनियम के अभीन छाट शांक किसी स्थापना ना भविष्य निश्चित ना पहर सही सदस्य है, उनका रापना भारियाशित किया जला है ता नियोजिक सार्याहर निमा नाम के सदस्य के रूप मा उसका नाम त्रन्त दर्ज करणा और उसका नावक जारायक शीमियस शास्त्रीय जीवन बामा निरम को सदस्त करोगा।
- 6 यहि जबत रकीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ न्हायं जातं हो तां नियांजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारिया को उपलब्ध लामा भे समुधित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुक्तूल हो जो उक्त रकीम के अधीन अनुब्रंथ हैं।
- 7 सामूहिक सीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यहि किसी कि चारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सदेय राशि उस हाशि से उस हाशि में संदेय होती जब नह इस उस स्कीम के अभी। जाता तो निराजक कर्मचारी के विधिक बारिसा/नाम निक्यों को बादिस के अन्तर गरावर राशि का संदाय करेगा।
- 8 साम्हिक भीमा रकीम के उपकंशों में कोई भी संशोधन संबदित होतीय भिष्टिय निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहा किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त ।पना अनुमोदन होने से पूर्व कर्मचारियों को अधना होष्ट्रकाण स्पष्ट करने का स्वित्तरका अवसर दोगा।

- 9. यदि फिली कारणवश स्थापना के कर्मचारी मारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना चुकी हैं। अधीन नहीं यह जाता वा इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाते तो यह रवद की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश निमां अक उस निमत तारीन को भीतर को भारतीय जीवन बीमा निगम निगत करां, प्रीमिनस का संदाय करने म असकल नहता है और पालिसी को व्यपगत है भारी निगम निगत की है।
- 11. निकायक द्वारा प्रीमिणम को सदाय मा किए गये किसी व्यक्तिकम की दशा मो उन मृत सदस्यों के नाम निविधिक्षों सा विधिक गरिकों को यदि यह छाट न दी गई होती तो उक्त स्क्रीम को अनर्गन होती, बीमा लाभों को संदाय का उल्स्वायित्य नियोजक पर होंगा।
- 12. उसल स्थापना के सम्बन्ध मों नियोजक इस स्कीम के अधीन आने बातों किसी सदस्य की मृत्यु होने घर उस हकदार नाम निद्²िवानों/विध्यक विक्यों की बीमाकृत राशि संदाय तत्वरता में और प्रत्येत दका मो भारतीय जीवन बीमा निराम में बीमाकृत राशि प्राप्त हाने के एक माह के भीतर स्निश्चित करेगा।

एचा. इब्ल्या टी स्योम कोन्द्रीय भविष्य निश्चि आयुक्त गं. 2/1959/डी. एल. आई/एक्जाम/89/भाग-1/478—फहा अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के लिए आवं-दन किया है। जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है।

right garage and a garage to the

चूंकि मी, एच. डब्ल्यू .टी. स्योम, केन्द्रीय भाविष्य निधि आयुक्त इस बारा में संस्कृत हूं कि उक्त स्थाएना के कर्मचारी कोई अलग अंशवान या प्रीमियम की अदायरी किये किया जीवन बीमा के रूप मी भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रही है जोकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अन्कृत है (जिसे इसमें इसके पच्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम को धारा 17 की उपधारा 2(क) ब्रधारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करने हुए तथा इसके साथ सलग्न अन्सूची में उन्लिखित शर्तों के अनुसार में, एच डब्ल्यू, टी. स्थेम
प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछली
तारीख से प्रभावी जिस तिथि में उक्त स्थापना को क्षेत्रीय शिक्ष्य
निधि आय्क्त करनाल ने स्कीम की धारा 28(7) के अंतर्गत ढील
प्रदान की हैं, 3 वर्ष की अयिथ के लिए उक्त स्कीम के संचालन
की छुट दोना हूं।

यनमुर्चा 🗝 ।

- उक्क स् विकास	० रथााना का नाभ श्रीर पता		छटी की प्रभावी रिथि	ক ে ৮ ০ নিও সাও फाईल ব'ও
1	2	3	4	5
1.	सै० एम० धी० एस० एन० त्रिष्टा मन्दिर नेबछेरी जिला करनाथ हरियाणा ।	एच० यार ० /657६	1−13−94 से 30~11−97	2/2/93 एव० झार० डी० एल० झाई०
2.	गैं० त≯पो गें(इनल नेजेन्पी गुरातानक मार्ग ,ग्रम्बाला केल्ट 1 (४००) परिपाणा ।	एम्र० प्रार० /2119	L~7~93 में 30~6~96	2/18/95 স্থীত চলত স্মাৰ্চত
3.	मै वीवान द्रुर किशन दारा एस० डी पश्लिक स्कृत ग्रम्थाल। कैन्ट- हरियाणा ।	ाष्ट्र∘ ग्रार०/50⊍।	1-3-91 में 31-3-93 और 1-5-93 में 31-3-96	2/11/95 एच० घार०/ नी० एल० घाई०
4.	मँ ७ स्पंणात सणीत करताल हरियाणा ।	ग् त्र ० मार०/1724	1-9-9 1 में 31-8-97	2/৪/৪ ৪/ए च० স্থাহে০/ হীতি দেবত স্থাহিতি
5	मैऽ निरात्त पश्चित ह स्कल टिकरी करनाल हरिप्राणा ।	ঢ্ৰ ় স্থাতে/ 6895	1-9-94 में 31-8-97	१/ 5/ 45ग् च ० ग्रार० थीं ⊓ाम० प्रा र्ट ०
6	मै० दी० करनाल ऐक्तिणन कत्र करनात इस्थिणा ।	- एच० ग्राग्०/के० एन एल०/ 1085	1-10-94年 30-9-97	2/ा/ 95/एचा० ग्रार०/ शी० एल० घाई ०

अन्सृची II

- 1. उन्हें स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके परचात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्ण निधि अग्रुप्त में एसी विवरणियां भेजेंग और एसे लेखा रखेंगा तथा रिरोक्षण के विए एसी स्विगाए प्रदान करेंगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आग्रुवन, समय-समय पर निधिष्ट करें।
- ?. निर्गाजक, एरो निर्गक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की मगाणित के 15 दिन के भीतर मदाय करोग जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनिगम की धारा 17 की उपभारा (2-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्दोश करे।
- 3 सामृद्धिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना दिवरणियों का प्रस्तृत किया जाना, वीमा प्रीमियभ का सदाय, लखाओं का अनरण, निरीक्षण प्रभारी का सदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
- 4. नियंजिक, केन्द्रीय सरकार व्वारा अनुमंदन साम्हिक वीमा स्कीम के नियमी की एक प्रति और जब कभी उनमी संबोधन किना जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की अह्यस्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पढ़ा पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई एसा कर्मभारी जो भिवष्य निभि का या उदत अधिनियम को अधीन छाट प्राप्त किसी स्थापना की भिवरण निधि का पहले से ही सदस्य हो, उसको स्थापना मा नियोजिन किया जाता हो तो नियाजक सामृहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप मी उसका नाम तुरस्त दर्भ करोता और उसकी बाबत जावहयक शीमियम भारतीय जीनन बीमा निसम को सदस्त करोता।
- 6. यदि उका स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ारे जाते हैं तो नियाजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समृचित रूप से बृद्धि किए जाने का ब्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकर्त हो जो उकत स्कीम के अधीन उनुबंध हैं।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के ह ते हुए भी यिष किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन मंदीय राशि उस से कम है जो कर्मचारी की उस दक्षा में सबीय होती जब तक वह उक्त स्कीम के अधीन होता नो नियोजक कर्मचारी के विधिक वर्षिती/गाम निद्धिकां की प्रतिकर के रूप में दोना राशियों के अंतर हरावर राशि का गंदाय करेगा।
- 8. सामूहिक बीसा स्कीम के उपबंधों से कोड भी संशोधन संबिधा कथ्य भीक्य निधि आयुक्त के पर्व अगमोदन के जिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ते की संभावता हो, वहां क्षेत्रीय भिवष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन को से पूर्व कर्मवारियों के अपना धरिटकोण रणट करने का युक्तिस्युक्त अवसर देगा।

- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मकारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामृहिक बीमा स्काम क, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी हैं, अधीन नहीं रह जाता है दा इस स्काम के अधीन कर्मचारण को प्राप्त होने वाली किसी रत्य स क्षम हो जान तो यह रदद की जा सकती है।
- 10. शिंद किसी कारणबंश नियोजक उस नियंत नारांस के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियंत करें, प्रीनियम का संवाय करने में असफल रहता है और पालसी को अपगत हो जाने दिया जाता है तो छुट रदद की जा सकती है।
- 11. नियोजक व्वारा प्रीमियम के सदाय मा किया गर्थ कियी क्यांतिकमा की देशा मा उन मृत सदस्यों के ताम (नदीशिदा या विविध्य परिसां की जो यदि यह छूट न दी गई हाती तो उपत स्कीम के अंतर्गत होता, बीमा लाभा के सदाय का उन्तरकारित नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापना कं सम्बन्ध मा नियोधक इस स्कीम कं अधीन आन वाट किसी सदस्य को मृत्यू होने पर उमके हकदार नाम निदांशितों/विधिक बारिसों की बीमाकृत राशि सदाय तत्परता से और प्रत्येक द्या में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के शिवर स्विक्षत करेगा।

एक. डब्ल्यू. टी. स्यंम कंन्द्रीय भविष्य निधि आग्रुक्त

म. 2/1959/डो. एल. आई./एयजाम/89/भाग-2/490--जहां अनुसूची-1 मा जिल्लाखित नियोकतातों ने (जिम इसके परचात् उक्त स्थापना कहा गया ही) कर्मचारी भाषाय निधि और प्रकीण उपबन्ध अनिसमम, 1952 (1952 का 19) को धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के विस्तार की लिए आवेवन किया है। जिसी इसके इसके परचात् अधिनियम कहा गया है।

चूंकि में, एच. उद्ध्यू. टी, रथम, कंन्द्रीय भविष्य निधि जाउन इस बात से संत्र्य हुं कि उन्ते स्थापना के कर्मचारी कोई करूग अंशवान या प्रीधियम की अदायगी किए विका जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम का मार्माहक बीमा स्क्रीम का लाग उठा रहे हैं जोकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप राहबद्ध बीमा स्क्रीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लागो से अधिक बनुकर्स हैं (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्क्रीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रवत्त शिक्तया का प्रयोग करते हुए तथा अम मिशालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संस्था तथा दिलि। जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई है, के अनुस्रण में तथा संलग्न अनुसूची—2 में निर्भारित शर्का के रहते हैं ए मी, एच । इक्स्यून टी , स्येम उक्त स्कीम के मभी उपवन्धों के संधानन में प्रत्येक उदत स्थापना की और 3 वर्ष की अविध के लिए छूट प्रदान करता हूं जेमा कि संलग्न अनुमूची—1 में उनके नाम के मामने दर्शामा गरा है।

			श्रत्स्ची − T			_
_ य० स	२० रपाणना का नाम भीर पत्रा	को ड गंड गा	सरकारी श्रधिसूचना जिसके द्वारा छूट प्रदान/विस्तार की गई	ममाप्ति की तिथि	छूट को ग्रवधि	के० म० नि० ग्रा० फाईल मख्या
1	2	3	1	5	ь	7
1	र्मे ० हण्डियन एन्यूमिनियम कम्पनी लि ० हीराकुण्ड जिला सम्बलपुर उड़ीसा	श्री० भार०/332	2/ 1959/ স্তী০ চৰত প্ৰাৰ্থ- / হৰজন ৪9/ পান –I বিনাক 10-5-94	11-3-93	1-4-93 में 31-3-96	2/28/76/লী০ চলত ঘাইৎ
2	मै० न्टक ग्रामीण बैंक फरेब्स कालानी थापराकापटी रोड कटक उद्दीमा 753004	मो० ग्रार०/1541	7 2/1959/डी० एल० श्राई० एकजम 89/ भाग –I वितांक 27-1-92	27-2-94	28-2-94से 2 7-2 -97	2/839/82/রী০ চল০ন্সাই০
•	• • • •	म्रो ० ग्रार०/139 9	2/1959/बी० एन० माई०/ एक्जम 89/भाग] विनोक 4-1-9:	3 0 - 5 - 9 2 5	31-5-92₹ 10-5-95	2/8545/94/জীও চলও স্নাৰ্হত
4	मै० स्टील ग्रं थारटी ग्राफ इ ण्डिया लि० राजरकेला स्तान्ट सरकेला ।	ग्रो० ग्रार०/25€	2/1959/को एल० माई० एक्जम 89/भाग I दिनांक 1-10-92	2-1-92	3-1-92 में 2-1-95	2/95/78/श्री० एस० माई०

अनस्ची II

- 1 उदस स्थापना के सबध में नियंजक (जिसे इसमें इसके पहचात निर्माणक बहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भिवष्य निधि अग्रान्त की एसी विवरणिया भेजेगा और एसे लेखा रखेगा तथा निर्माध्य के रिए एगी सविधाए प्रवान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निर्मा आग्रान्त, ससर-समय पर निर्विष्ट करें।
- 2 निर्नाजक, एरी निरक्षिण प्रभारी का प्रस्थेक मास की स्थानित के 15 दिन के भीतर मंदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उन अधिनाम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के लण्ड-के के उपधार पर निर्देश करें।
- 3 सामिक बीमा स्कीम के प्रवासन भी, जिसके अन्हर्गत कीमा प्रीमियम का संवाग, लमाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारी का संवाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन् नियोजक देवाग किया जायेगा।
- 4 नियोजक, कोन्हीय सरकार तथारा अनुसारन सामिष्टित हो। स्कीम के नियमी को एक प्रीत और जब कभी उनमें गंकीधन किया जाये नव उस स्वीधन की प्रति तथा कर्मचारियों की अनुसार की भाषा में उसकी मस्य बातों का अनुसाद स्थापना के स्था के एटट पर प्रविधित करेगा।
- 5 सदि कोई एसा कर्मगरी भविष्य रिधि का सा रक्त अधिनियम के अधीन छार प्राप्त किसी स्थापना की भवित्य निधि का एहले से ही सदस्य है उसको स्थापना में नियोजित किया जाग है तो नियोजिक सम्बद्धि बीमा स्कीम के सबस्य के क्या में उसका शाम नरस्ता दुर्ध करेगा और उसकी बाबला आनक्ष्म की एदम भारतीय जीएस मिन निस्म को सदन करेगा।
- 1) गरित नक्षर स्कीम के उभीन कमीचारियों को उपलब्ध लाभ हता गर्भ से तो नियोजक सामित्त वीमा रकीम ते अधीन सम्भारिया को उपलब्ध लाशों में सामित कप स विद्य किए जाने की स्वयंभ्य करेगा किससे कि स्मिन्नियों के िए सामित्य तथा स्कीम के अधीन उपलब्ध लागे से अधिक अनकत से जी न्या स्कीम के अधीन उपलब्ध लागे से अधिक अनकत से जी

- 7 सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बान के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मत्यू पर इस स्कीम के अधीन संवेष राशि अस से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में सर्वेष हों। जब तक वह उक्त स्वीम के अधीन हाता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिसो/नाम निवेरितों की प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अनर कराइर राशि का संवाय करेगा।
- 8 सामृहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी नंशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहा किमी सशोधन में कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावमा हो, वहा क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपा। अनुमोदन दोने से पूर्व कर्मचारियों के क्षमा दिल्दोण स्पष्ट करने का युक्तियकत अवसर दोगा।
- 9 यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस साम्हिक बीमा स्कीग के जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है, अभीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीर कर्मचारियां को प्राप्त होने वाली किसी गणि में क्रम हो जाने यो यह रदद की जा सकती है।
- 10 यदि किसी कारणविश नियोजक उस नियस तारील के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करने, प्रीमिण्य का सैवाय करने में असफल रहता ही और पालिसी को व्यपगत हो जाने विया जाता है सो छुट रबुद की जा सकसी है।
- 11 नियोजक द्वारा प्रीमियम के शंदाय में किये गये किसी आतिकर की दशा में उन मन सदस्यों के राम निवाधिनों या विधिक वारिसों को यदि यह छाट न दी गई होती तो उकत स्कीम के अंतर्गत होती, वीमा लाओं के सवाप का उत्तरदायिक नियोजन पर होगा।
- 12 उन्त स्थापना के सम्बन्ध म नियोग क हम रहीम के अधीन अने वार किसी सदस्य की मत्य होने ०र उसके वकदार नाम निदीशिंगों/विधिक वारिसो की बीमाका र्रााण रहाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीना नीमा निगम में तीमाकत राशि प्राप्त होने के एक मान के भीएन स्विविद्या करेगा।

एक डब्न्य टी स्टेश केन्द्रीय भविष्य भिधि आध्यत

वियांकः 31 जनवरी 1996

सं. 2/1959/डी. एस. आई./एकजाम/89/भाग-1/500—जहां अनुमूची-1 में उस्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चीम् उकत म्थापना कहा गया हैं) अभिचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवदन किया हैं। जिसे इसमें इसके पश्चात् उकत अधि-रियम कहा गया हैं।

च्ित मैं, एच. डब्ल्य्. टी. स्रोम, केन्द्रीय भविष्य निधि शायुरत इर बात से संतष्ट हो कि उत्तर स्थापना के कर्मचारी कोई उत्तर अंशवान या प्रीमियम की अदायरी किए बिना जीवन वीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निरम का सामृष्टिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जोिक एमें कर्मचारी के लिए कर्मचारी निक्षण सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 को अन्तर्गत सीकार्य लाभी सी अधिक अनुकाल ह^ब (जिस् इसमा इसको प्रधान स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदेस शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय, भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिमुचना संख्या तथा तिथि औ प्रत्येक स्थापना के नाम के सामनं दर्शाणी गई है, के अनसरण में तथा संलग्न अनुसूची—2 में निधिरित शर्तों के रहते हुए में, एच. इब्ल्यू. टी. स्थेम उक्त स्कीम के सभी उपवन्धों के संचालन में प्रत्येक उक्त स्थापना की और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हुं जैसा कि यंलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाणा गया है।

मन्सूची --I

क ० मे ०	स्थापना का नाम और पना	को इ मंख्या	सरकारी प्रधिसूचना जिसके द्वारा छूट प्रदान/विस्तार की गई	समाप्ति की तिथि	छूट की भवधि	के ० भ० मि० ग्रा० फाईल नै०
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1.	मै० ग्स॰ एण्ड ग्स॰ इन्डस्ट्रीज एण्ड ऐन्टर पाडजिज लि॰ झारती चेमबर्स 11 मंजिल, झन्ना मलाई मद्राम— 600006	टी० एन०/ 2608:	2 2/1959/ डी० एल० भाई०/ एक्जम/89/ भाग [दिनांक '13693	31-3-95	1−4−95 से 31−3−98	2/5091/93/ डी०एस० स्राई०
2.	मै० चेयार मिल्क प्रोडयू तसं को- स्रोपरेटिव मोसाईटी सि० चेयार	टी० एन०/ 9049	2/ 1959/ डी० एल० श्राई०/ एकजम/89 भाग 🏿 दि०16-6-93		1-8-94 सें 31-757	2/4173/92/इते० एल० आई०
3	मै० एक्सप्रेस न्यूज पेपर्स लि० एक्सप्रेस एस्टैट मौड गाउंट रोड मद्रास—2	टी० एन० / १०६७	2/1959/ डी० एत० झाई०/एक्जम /89 भागI विनांक 19-4-94	31-3-93	1-4-93 से 31-3~96	2/1377/ 86/ डी०एल० श्राई०
4.	मै० वर्ष इण्डस्ट्रीज, बी० – 4, बी० – € इण्डस्ट्रीयल कालोनी गांधी नगर, बैसौर–6 एन० ए० ए० जिसा	টো গ্ৰ•/4677	2/ 1959/ রী৹ত্ত্ত্তে স্বাই৹/ ত্রুসন/৪9 খান—ু∄ বিবাক 24—3—93	26-6-94	27-6-94 से 26-6-97	2/1760/88 /র ি গ্ল ০ রার্হিও
5,	मै॰ पी॰ एस॰ पवार कन्द्रोलसपोसर मद्रास 116, ऐडमिनिस्ट्रेटिब झाफीस ऐट 33 (एन॰ पी॰) डिबलप प्लाट्स इन्डस्ट्रियल एस्टेट इकाट्र्यंगनर महास–971	रह	0 एस० – 35014 / 9 1 / 88 एस० एस० – ∐ दिनांक 25 – 8 – 88	24- 8-91	25-8-91 में 31-3-93	2/1850/88/ की उ एनं० घाई०
G .	मै० डी० एक० सी० सर्विय (प्रा०) लि०, 4445, राजाजी, क्ष्लाई मद्रास-1	टी० एन०/ 19731	2/ 1959/ হীত एसত সাইত/ एस्जेम/89 भाग I বিনাক 3-4-93	31-8-93	1-9-93 से 31-8-96	2/2426/ 90/ डी ० एस ० भाई०

अनुसुची II

- 1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियंजन (जिसे इसमें इसकें परचान् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को एसी विवरणियां भेजेगा और एमें लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के निए एसी सविभाएं प्रदान करेगा जी केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, सम्बन्धा एक निधिब्द करेगे।
- 2. निरोजक, एंसे निरक्षिण प्रभारी का प्रस्थेक मास की रमाधित ही 15 दिन के भीतर संदाय करना जो केन्द्रीय सरकार, उकत अधिनियस की धारा 17 की उपधारा (2-क) के अण्ड के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।
- 3. आमृहिक बीमा स्कीम को प्रणासन में, रिजमको अन्तर्गत लेखाओं का रक्षा जाना विवर्गियों का प्रस्तस किया जाना. बीमा प्रीमियम का संदास, संखाओं का अंतरण, निरक्षिण प्रभारी

- का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययं का बहन नियोजक दुवारा किया जायेगा ।
- 4. नियंजक, केन्द्रीय सरकार दशरा अन्मंदिन सामितिक हीमा स्कीम के नियमों की एक प्रक्ति और जब कभी उनमें संशोधन जिमा आये, तब जस मंगोधन की प्रक्ति संथा कर्मचारियों की बहु संख्या की भाषा में उसकी मूल्य दानों का अन्याद स्थापना के पदन के एट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई एरेंग कर्मचारी जो भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छाट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले में ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजिल किया जाता है लो नियोजिक सामृहिक दीया स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त वर्ष करेगा और उसकी वाजल आण्ड्यक प्रीमियम भारतीय जीवन नीमा दिसम को मंदस करेगा।

- () एदि उक्स स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढाये जात है तो नियंजिक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचिरियों की उपलब्ध नाभों में ममिद्द रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के रिए सामिहक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों में अधिक अनुकृत हो जो उन्हां स्कीम के अधीन अनुब्ध है।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी मिद किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अधीन संबंध राशि उस राशि से करा है जो कर्मचारी को उस दशा में संबंध होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक निर्मितिमा निविधिक निर्मितिमा निविधिक करियों ने अंतर बरावर राशि का संवाय करेगा।
- 8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपवंधों में कोई भी मंशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अन्मोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव एडने की संभादना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन दोने से पूर्व कर्मचारियों को अपना एष्टिकोण स्पष्ट करने का यक्तियक्त अवसर दोगा।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मणारी भारतीय जीवन सीमा निगम की उम सामित्रक बीमा स्क्षीम के. जिसे स्थापना पहले अपना क्की है, अधीन नहीं रह जाता है या दरा स्कीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त होने वाली किसी राजि से किस हो जाने तो यह रदद की आ सकती है।
- 10. शिष किसी कारणव्या नियोजक उस नियस भारील के भीलर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीभिशम का संबार करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययमत हो जाने दिया जाता है तो छूट रदद की जा सकती है।
- 11. नियोजक व्वारा प्रीमियम के संवाय में किये गये किमी व्यातिकम की वहा में उन मत भवस्यों के नाम निद्धे शितों या विधिक बारिसों को जो यदि यह छट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, शीमा लाभों के संवाय का उत्तरस्विति नियोजक पर होगा ।

12. उक्त स्थानना के सम्बन्ध में नियोजिक इस स्कोग के 3 तीन आने ताले किसी सदस्य की मृह्य होने पर उसके हकदार नाम निवर्षे हिसों/जिधिक वारिमों की बीमाकृत रर्गेश सवाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन जीमा निगम में बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक मोह के भीतर मूर्तिदिशत करेगा।

एच. डब्स्यू. टी. स्रोम कोन्द्रीय भविषय निधि आयवत

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जाम/89/भाग-1/512--जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे हममें इसके परचात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविषय निधि और प्रकीण उपबन्ध अधिनियम. 1952 (1952 का 19) की थारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है। जिसे इसमें इसके पदचात् उक्त अधि-नियम कहा गया है।

चूकि मैं, एष. डब्ल्यू. टी. स्येम, केन्द्रीय अविध्य निधि आहित इस बात से संतुष्ट हुं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई क्ला अवदान या प्रीमियम की अदायनी किए विना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम का साम्हिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहें जोकि एहि कर्मचारी के लिए कर्मचारी निक्ष्प सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाओं से अधिक अनुकाल हुँ (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया हुँ)।

अत उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(%) ब्लारा प्रवत्त शिलामों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसचना संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गर्ड हैं, के अन्तरण में तथा संलग्न अन्मूची—2 में निधिरित शर्तों के रउते हुए मैं, एच बब्ल्यू. टी. स्थेम उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना की और 3 वर्ष की अविधि में लिए छट प्रवान करता हूं जैसा कि संलग्न अनम्ही-1 में उनकी नाम के सामने वर्शाया गया है।

भनुसूची-1

क∘ मं∘	स्वापना का नाम व पना	कोड नं०	सरकारी प्रश्निसूचना की मं० व दिसांक जिसके द्वारा छृट प्रदान /विस्तार की गई ।	ममाप्ति की निषि	खूट की च वधि	[†] के० भ० ति० घा० काइल मं०
1	2	3	4	5	6	7
1,	मै० एम० सी० सी० बैंक 114/1 प्रकाशम सलाई त्राहरे मन्नास—108	टी० एन० /4142	2/ 1959/ बी० ए.स० भाई० छूट/ ८० पार्टे —I दिनांक 23-6-93	31-3-93	1-4-93 में 31-3-96	2/5078/94/ डी० एन० ग्राई०
2.	मैं० इंडिया पिस्टन रेखीको लि० 2 सी एण्ड 2 डी इंडिस्ट्रियल इस्टेट, काकुकरोल स्त्रिविल्लौर—3	टी० पन ः/4924	2/ 1959/डी० एल० न्नाई० ' छुट/ 89पाटे -ॉ ् दिसॉक-19-4-94	*31~3 ~ 93	1-4-93 में 31-3-96	2/2620/90/ डी० एस ० घा ई०
3.	मैं० सवेरा होटल नं ६९ राधा कृष्णन रोष्ठ, [*] मदास–4	टी० एन०/ 6557	2/1959/डी एल० प्राई०/ख़ूट पार्ट-Iदि० ४१-1-91		1~8~95 में 31~7~98	2/2420/ 90/ द्वीरुपल्य द्वाईर
4	मै० मुबलपेट बेनिफिट फण्ड मि० नं० 199 म्बिबेट्टी गली महास- 1	ਣੀ • ਾਜ • /7098 }	2/ 1959/ बी० एस० साई० खुट /89 पाटें] दि० 19~4-94	31-3-93	1-4-9 ३ मे 31-3-96	2/ 3255/ 90 ⁴ डी०एल ० आई ०
5	मै० ट्रोपिकल एगरो लिम्टम (इंडिया) लि० 118, बाहवे मद्रास—600018	टी० एन० /7839	2/ 1959/ डी० एल० माई० चूट/पार्ट-I दि० 311-94	28-2-93	1-3-93 से 29-2-96	2/ 2626/ 90/ डी० एस० प्राई०

1	2	3	4	5	6	
6.	मै॰ रेर्टन व कारपेंटरी वक्सं पी० झार० काम्पलेक्स 1/4, मुगली वक्कम रोड पोरूर, मद्वास-116	टी० एन०/ 10343	2/1959/ রী০ দ্ল০ সাই০/জুट/ ৪9 पार्ट — I दि० 19—4—9 ১	31-3-93	1-4-93 मे २१-3-96	2¦ 2 315/90/ छी० एस ० आर ि
7.	मै॰ घोरिक्वया रवर प्रोउक्टस (प्रा०) लि॰ ने॰ 1, माउंट चूना मलाई रोक्ट मनक्कम भद्रास —89		2/ 19 59/জী ু	31-3-93	1-4-95 से 31-3-96	2/ 5367/93/ डी० एस० ग्राई०
8.	मैं० शह्कील सि० सी 6, 7 व 8 इंड० काम्पलेक्स मेरीमलाई नगर 653209, पिनगलपेट, एम० जी० भ्रार० जिला	टी • एन • / 1720।	2 /1959/डी० एल० श्राई०/छूट 89 पार्ट —1 वि० 19— 4—94	/ 31-3-93	1-4-93 में 31-3-96	2/ 2735/ 90/ डी० एल० घाई ०
9.	मै० लक्ष्मी जनरल फाइनेंस लि० देणबंधू प्लाजा 47, लाइट रोड़ मद्रास –14	टी०एन०/ 19300	2/ 1959/की० एय० आई०/ छूट/89 पार्ट - 1 दि० 17-11-89	30-9-94	1~10 ~ 9 । से 30 ~ 9~97	2/25 79/90/ ही० एस० आई०
10,	मै० प्रकाश चेत कः 156, स्वि चेडटी, गली मद्रास-1	टी० एत० /22231	2/1959 /জী৹ एल৹ সাई৹/জুহ ৪৭৭/ই~1 दि৹ 4─3~94	7/ 28-2-93	1-3-93 से 29-2-96	2/ 2823/ 90/ ত্তীও দূলত সাহিত
11.	मैं० गेटोडे बदर्प नं 72 हैरिंगटन रोड, चेटपुट मद्रास-31	टी० एन०/ 22629	2/1959/डी० एस० भाई०/ छूट/ 89 पार्ट-1 दि० 13-5-94	31-3-93	1-4-93 से 31-3-96	2/5 179/84/ छी० एस० माई०
12.	मै० इण्डियन लैथ्रोसी फाउं डे शन नं० 64, गआपति गली, शोहने नगर, मद्राम–30	टी० एन०/ 23414	2 /1959/डी० एल० प्राई०/ छूट/ 89 पार्ट —1 दि० 3—4—93	31-5-94	1-6-94 से 31-5-97	2 /4566/ 92/ डी० एल ः शाई ०
13.	मै० सक्त एतसिलरीम (प्रा०) लि० सी० 40, 1 मंत्रिल, दूसरा एथन्यु, मन्ना नगर महास–40	टी० एन०/ 23579	2/1959/ হাঁ৹ एল৹ সা≹৹/ জুহ/৪9 पार्टा বি৹ 3—4~93	3110-94 3	11194से 311097	2/4556/92/ डी० एल ० मार्ड ०
14.	मै० इंग्डिया देडिएटर्स लि० मुख्य कार्या लय, ६० श्ररमीनयन, गली भक्रास-1	टी० इन०/ 1105	2/1759/डी० एल ः मार्ड०/ छू ट/ 89 पार्ट —1 दि० 31—1—94	28-2-93	1~3−93 कें 29−2−96	2/ 2615/ 90/ डी० एस० भाई०
15,	मै॰ क्री॰ई॰ क्रम् लि॰ शाहुपुरम, घरूमुगानेरी, वी॰ घो॰ सी॰ जिला	टी० एन०/ 3862	2/ 1959/ डी० एत० ब्राई०/छूट 8२ पार्ट	/ 31-1-93	1-2-93से 31-1-96	2/ 2615/ 90/ डी० एल० ब्राई०
18.	मै॰ ट्रेडर्ग एण्ड ट्रेडर्ग न 118 ब्राडवे, सहास-600018	टो॰ एत॰ / 3338	2/ 1959/ डो॰ एउ॰ माई॰/छूट/ 89/ वि॰ 29~2~9 t	31-10-94	1-11-94 में 31-10-97	2/ 5178/ 93/ दी० एल० ग्राई०
17.	मै० ईस्ट इंडिया सेरामिक्स नं० 5 1, तिरूपाक्षीपुरम, विल्लोर ~ 632002	टी० एन०/৪287	2/ 1959/डी० एस० माई०/छूट/ 89 पार्ट- 1 वि० 19-4-94	31-3-93	1-4-93 में 31-3-96	2/2726/90/ शो० एल० झाई०
18.	मै० भारतात इंडप्ट्रीज टाइप-11/28, डा० विका माराभाई इन्स्ट्रोनिक्स हस्टे० थीस्वनमपुर मद्रास-41	टी० ग्न० /16415	2/1959/রী৹ দূৰত দ্রাই০/ছুঃ ৭9 ঘঠে~1 বিত 3⊶4~93	7/ 31-3-94	1-1-94 से 31-3-97	2/ 4560/ 92/ হািি ए ল ে ঘাইি

अनस्ची II

- 1. उयस स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसकें परचात निर्मेजक कहा गया हैं) संबिधक क्षेत्राय भविष्य निर्मिश्व आयुक्त का एसी विवरणियां भजेंगा और एस लखा रखना तथा निर्मेश के लिए एसी सुविधाए प्रदान करणा जी कन्द्राय भविष्य निर्मिश्व करों।
- 2. निर्माजक, एसे निरोक्षण प्रभारी का प्रस्थक मास की समानित क 15 दिन के भातर सवाय करेगा को कन्द्राय सरकार, उकत को विष्या की धारा 17 की उपथारा (2-क) के खण्ड-क के अक्षेत स्मय-समय पर निर्वाश करें।
- 3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन मा, जिसका अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरिणयां का प्रास्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी हैं, हाने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक खुवारा किया जायेगा।
- १. नियंजिक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदन साम्रीहरू बीमा म्क्राम के नियमी की एक प्रति और जब कभी उनमी संशोधन कि । जाये, सब उस मशोधन की प्रति सथा कर्मचारियों की बह भीच्या त्या भाषा में उसकी मुख्य बाती का अनुवाद स्थापना के सुबान के पट्ट पर प्रदर्शित करणा ।
- 5. गौद कोई एसा कर्मचारों जो भीवष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भित्रक्य निधि का पहले से हो सदस्य हैं, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियाजिक सामूहिक टीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त वर्ज करणा और उसकी दावत आवशक प्रीमियम भारतीय जीवन दीमा निगम को संबत्त करणा।
- 6. यदि उनत स्कोग के अधीन कर्मचारिय को उपलब्ध लाभ बहाय जात है तो नियां जक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म-चारिया की उपलब्ध लाभी मी समृचित रूप स वृद्धि फिए जान की व्यवस्था करोगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभा से अधिक अनुकाल है। जे उक्त स्कीम के अधीन अनुकाय है।
- 7. सामृहिक दीमा स्कीम मा किसी बात के तात हाए भी यिद किसी कर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के आतीन संदय राशि उस से कम ही जो कर्मचारी को उस दशा मा संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के जिल्लिक बारिसी/नाम निवेशितों की प्रतिकर के रूप में बीनी राशियों के अतर दरादर राशि का संवाय करेगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबध्त करिय भिवटण सिध आयुक्त के पूर्व अस्मोदन के दिना नहीं किया जाएगा और जहां किया स्वोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभार एक्ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना इष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापना को कर्मवारी भारतीय जीयन हीमा निगम की उस सामृहिक हीमा स्कीम को, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राजि में कम हो जाने तो यह रख्द की जा सकती है।
- 10 यदि किसी कारणवण नियोजक उस नियल भारीक के भीतर ज भारतीय जीवन कीमा निगम नियत करों, प्रीसियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिमा की व्ययगत ही जाने दिया जाना है भी त्एर रहद की जा सकती हैं।

- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किये गये किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यां के नाम निद्रांशितां या विशिधक शारमा का यदि यह छूट न वी गई हाती ता उपका स्काम के अंतगत हातो, बामा लाभां के सदाय का उत्तरदा। यत्व नियाज के पर हागा।
- 12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोगिक इस स्कीम के अधीन आन वाल किसी सदस्य को मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम ।न्यांशिक देविक वार्षा का बामाकृत राशि संवाय स्थापना सं और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन वीमा निगम से वीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सूर्विष्वत करोगा।

एष. बस्त्यु. टी. स्ट्रमा कोन्द्रीय भविषय निध्य समुक्त

खाद्य मंत्रालय

नइ दिल्ली, दिनांक 29 जनवरी 1996

- सं. 3-7/93-एम. डी. एफ. -- केन्द्रीय सरकार, चीनी विकास निधि अधिनियम, 1982 (1982 का 4) की धारा 7 क अनुसरण में, एतव्वारा निम्निलिस रिपार्ट प्रकाणित करती है जिसमें विकीय वर्ष 1994-95 के दौरान उकत अधिनियम के असर्गस विकीय गतिविधियों का लेखा दिया गया है।
- 2. उक्त अधिनियम में एक निधि स्थापित करने का उप-बन्ध है जिसमें (क) चीनी उपकर अधिनियम 1982 (1982 का 3) के अधीन लगाए गए और वसूल किए गए उत्पाद शूलक की राशि के समत्त्व रकमं, जिसमे केदीय सरकार वृवारा यथा अवर्धारत वसूली की लागत घटाई गई हो, और (स) निधि में म्नाफें के निवंश सं आप शामिल हैं। वित्तीय वर्ष के दौरान 233,38,12,698 - रुपए (दो सौ तैंतीस करोड़ अड़दीस लाख बारह हजार छः सो अठानवे रुपए क्षेत्रल) जिसमें एक सो पचासी कराड़ रतपए चीनी पर उपकर के अंतरण द्वारा और क्रेबल अ**ड**़तालीस कराड़ अ**ड़ती**स लाख **बाहर हजार छ: सी अठानवे रत₁ए** ऋण के मूल६क और उस पर ब्याज को किस्तों की अदायगी के लिए किंडिट के रूप में हैं, की धनराशि निधि में जमा की गई। इस जमा रकम से इस निधि में शेष धनराशि अकृकर 986,70,23,559/- रुपए (नी सौ छ्यासी कराइ, सत्तर लाख. तेइस हजार, पांच सो उनसद रुपए केदल) हो गर्दा इसमें से 68,45,90,171/- रुपए (अइसठ करोइ, पेंतालीस लाख, नब्बे हजार, एक सी इफहत्तर रुपए कवल) का काल खर्च किया गया जिसका बर्धारा निम्नानुसार है:-

गुरुष शीर्ष 2408 (आंकड़ प्

(आंक क्षेपूर्णाक रहपए में)

- (क) ग-1(2)(2)——चीनी विकास निधि का प्रशासन—— 1,88,17,560
- (क) ग-1 (7) (1) (1)—चीनी का वफर म्टाक रखने के लिए सब्स्डी—-1,46,49,224
- (ग) ग-1 (7) (1) (2)—चीनी उद्योग के विकास के लिए सहायक अनुवान—-1,46,83.000
- (घ) राष्ट्रीय गन्ना और चीनी प्रौद्योगिकी संस्थान, मंउठ पर सर्च--11,67,387

मुख्य शीर्ष ''6860''

- (क) ख. ख. 1(1)(1)(1)-चीनी मिलां के पुनर्स्थापन/ आधुनिकीकरण के लिए ऋण--50,26,59,600
- (च) ख. ख. 1(1)(1)(2)-गन्ने का विकास करने के लिए चीने मिलों को ऋण-13.26,13.400

जी**ए** 68,45,90.191

वित्तीय वर्षे की समाध्यि पर निधि के साने में 918,24,33,388 (नी सौ अठारह करोड़ वीबीस लाख सेनीस हजार सीन सौ अट्ठासी रुपए केवल) हो हो थे।

3 विक्तीर वर्ष 1994-95 के दौरान 17 कीनी मिलों को गन्ने का विकास करने के लिए ऋण दिए गए। इसके अहि-

रिक्त, 17 चीनी मिलों को उनके संयंत्र और मणीनरी का पुनस्थापिन/शिधुनिकीकरण करने के लिए प्रोत्साहक के अंशदान में कभी को प्रा करने के लिए ऋण मज्र किए गए।

4. 1994-95 के विसीय वर्ष के लिए लंडों का विवरण निम्नानुसार है '——

चीनी विकास निधि

(आंकडे पूर्णीक रूपयों में)

विव	रण	धनराणि	धनराणि
	1 2	3	
1.	1-4-1994 को अथ भेष		753,32,10,861
2.	1994~95 के दौरान जमा की गई धनराणि		
	(क) चीनी पर उप-कर से श्रंतरण	185,00,00,000	
	(ख) चीनी विकास निधि के ऋषों परब्याज	9,74,37,711	
	(ग) गन्ने का विकास करने के लिए दिए गए ऋण की किस्तों की वापसी	38,63,74,987	233,38,12,698
3.	जोड़		986,70,23,559
4.	1994-95 के दौरान किया गया खर्च		
	(क) चीनी विकास निधि का प्रणासन	1,88,17,560	
	(ख्र) चीनी का वफर स्टाक रखने के लिए सर्बामडी	1,46,19 224	
	(ग) चीनी उद्योग का विकास करने के लिए महायक अनुदान	1;16,83,000	
	(घ) चीनी मिस्रों का पुनर्स्थापन/आधुनिकीकरण करने के लिए ऋण	50,26,59,600	
	(ङ) गन्ने का विकास करने के लिए चीनी हैं को ऋण	मली 13,26,13,400	
	(च) राष्ट्रीय गन्ता श्रीर चीती प्रीद्योगिकी संस्थान, मऊ पर खर्च	11;67.387	68,45,90,171
<u>5.</u>	31-3-1995 को इति भेष		918,24,33,388

स्त्रि क**बकड** निद्रेशक

भारतीय यूनिट द्रस्ट

बम्बई, दिनांक 23 जनवरी 1996

मं० यू० टी०/डी० बी० डी० एम/624 ए/एम० पी० डी०-64/95-96--दिनाक 26 नवम्बर, 1995 के भारत सरकार के राज्यव (भाग-III खण्ड 4) में पृष्ट सं० 2499-2501 पर प्रकाणित दिनाक 18 अक्तूबर, 1995 की अधिसूचना संख्या यू० टी०/डी० बी० डी० एम०/326 ए/एम० पी० डी०-64/95-96 में निम्तिखित सुधार करें।

शुद्धि पत्र *चिरुष्ट्रेन्स कालेज और कैरियर फण्ड यूनिट योजना 1993 (सी० सी० सी० एफ०~93) के उपबन्धों में संशोधन

क्रम सं०	पुष्ठ सं०	स्तम्भ सं०	मद सं०	सुधार
1.	2500	1	1 2रे	पैरा की 9वीं पंक्ति में शब्द अथत को अर्थात् से सुधारें।
2.	2500	1		पैरा की 1 ली पंक्ति में "विकलप के लिये जिस आवेदक के नाम से को
			''विष	कल्प के <mark>मामले में यो</mark> जना के अन्तर्गत" से सुधारें।
3.	2500	2	.1 5वे	पैराकी 3 री पंक्ति में णब्द अधिकम को अधिकतम और ग्रब्द "की" को "के"
			स	मुधारें।
4.	2501	2	8 2 रे	पैरा की 7 वी पंक्ति में शब्द 'पा' को 'पर' से और 3रे पैरा की 4थी पंक्ति
			मे	गब्द 'हु' को 'हो' से सुधारे
5.	2501		16	वीं पंक्ति मे शब्द 'रूपये' की 'रूपये' से सुधारें
6.	2501			वी पंक्ति में शब्द ''अथ' को ''आर्घ'' से भुधारें।

ए० जी० जोशी, महाप्रबंधक, (व्यवसाय विकास और विश्वान विभाग)

सं० यू० टी/डी० वी० डी० एम/625ए/एस० पी० डी०-66/95-96:-दिनाक 25 नवस्वर, 1995 के भारत सरकार के राजाल (भाग-III खण्ड 4) में पृष्ठ सं० 2499नर प्रक्षिणा दिनाक 13 सितम्बर, 1995 की अधिसूचना संख्या यू० टी/डी० बी० डी० एम/211 ए/एस० पी० डी०-66/95-96 में निम्नलिखित सुधार करें

णुद्धि पत्र *सेवानिवृत्त लाभ यूनिट प्तान के प्रावबागों में संशोबन

-	क्रम सं०		मद सं०	सुधार
-	1.	1		५वी र्जित मे शब्द सेवानिवृत्त को सेवानिवृत्ति स सुधारे।
	2.	1	2	4थे पैर। की 7वी पक्ति में शब्द 'जरीदे'' को ''यरीदें'' से सुधारे।
	3.	2	3	2र रेस की 7में पंक्रित में अंह 53 60 को '53 में 60' में मुधारे।
	4.	3	4	् 2 रे पैरा के 5वीं पंक्ति में (अर्थात् अस्तूबर 2002 से 2003) को (अर्थात्
		,		अक्तृबर 2002 से जून 2003) से मुद्धारे।

ए० जी० जोशी, महाप्रबंधक (व्यवसाथ विकास और विपणन विभाग)

वम्सई, दिनांक 30 जनवरी 1996

सं० यु० टी/डी० वी डी० एम/७55-ए/एस० पी० टी०/71 (आई)/95-96 — दिनाए 18 नवस्त्रर, 1995 के भारत के राजगत्न (भाग 1 खण्ड $_4$) में पृष्ट सं० 2387 से 2407 पर प्रकाशिन दिनांक 20 अक्तूबर, 1995 की हमारी अधिसूचना सं० यू टी/डी० वी० डी० एम/329-ए/एस० पी० डी--71 आई/95-96 में निम्निलिखन सुधार करें।

गुडि पन्न

मासिक अ1य प्लान 1995 (1 1) पेशक्रण दस्तावेज

ऋम सं०	पृष्ठ सं०	मद सं०	सुधार
1	2387	2	$36 \pi $ पंकित में " (2) " को " $(1^{\rm L})$ " में सुधारे।
2	2387))	.10वीं पंक्ति में ''ठपवस्थापक'' को ''महाप्रबंधक'' से सुधार ।
3	2388	1	2री पंक्षित में "(2)" "को" "(11)" से सुधारे।
4	2388	,,	ϵ वी पंक्ति में ``(2)'' को ``(1l)'' से सुधारें।
5	2388	11	7वी पंक्ति में "धारां" के बाद [े] "19" जोडें।
6	2388	1.7	10 वीं पंक्लि में $''(2)''$ की $''(\Pi)''$ से सूधार $'$ ।
7	2388	"	2.5 वी पंक्ति में "अवयस्को" को "अवयस्कों" के सुधारे।

ऋम सं०	पृष्ठ सं०	मद सं०	मुघार
8	2388	2	4थीं पंक्ति में "अगिम" को "अग्रिम" से सुधारे।
9	2388	17	6वीं पंक्ति में "विकार" को "विकल्प" से सुधारों।
10	2388	1)	18वीं पंक्ति में "करताहै" को "करता है" से सुधारें।
11	2388	7.7	19वी पंक्ति में ''बा०'' को ''क०'' से सुधारें।
12	2388	71	27वीं पंक्ति में " (2) " को " (ii) " से सुधारे।
13	2389	1	2री पंक्ति में ''हमने'' को ''इमने'' से मुधारे।
1.4	2389	11	2री पंक्ति को "88" से मुधारं।
15	2389	-77E-1-60*	5वीं पंक्ति में ''पुजीवृद्धि'' को ''पूजीवृद्धि'' से मुधारे।
16	2389	1	26 वी प र्वित में "आया" को "आय" से सुधा रें।
17	2389	"	2.9वी पंक्ति में ''प्रवन्धन'' को ''प्रबंधन'' से सुद्धारे।
1.8	2389	2	25वी पॅनित में "अबुजा" को "ग्रवुजा" में मुधारे।
19	2389	"	30वी पंक्ति में "सालुखें" को "मालुंखें" से सुधारे।
20	2390	1 2(গ)	39वीं पंक्ति में "गस्त" को "ग्रन्त" से सुधारे।
21	2390	2 2(ण)	2.3वी पंक्ति में "आसिक" को "अंकित" से सुधारे।
22	2391	1 3(2)	3 2वीं पंक्ति में "कार्य" की "फार्म" में सुधारें।
23	2392	1 7(1)	19वी पंक्ति में ''संगृहण" को ''संग्रहण" में सुधारें।
24	2392	2 7(2)(আ)	5वी पंक्ति में ''यथाणीषु'' को ''यथाशीघ्र'' से सुधारे।
25	2392	,, 8	19वी पंक्ति में ''यथाशीवृं" को 'यथाणीझं" से सुधारे।''
26	2393	1 9(2)	1 0वीं पंक्ति में ''परिकल्पिन'' को ''परिकल्पिन'' से सुधारें।
27	2393	,, 9(2)	ावी पंक्ति में 'प्रम्भार'' को ''प्रभार'' से सुधारे।
28	2393	2 9(5)	2री पक्षित में 'नामित'' को ''नामिति'' से सुधारे।
29	2393	., 9(7)	२0त्री पक्षित में ''करत ^{''} की ''करते'' से सुधारे।
3 0	2393	,, 9(9)	26वी पितत में 'परिकल्पन' का ''परिकलन'' से सुधारे ।
31	2393	., 9(9)	27वी पंक्ति में निर्देण' को ''निर्देशो'' से सुधारे ।।
32	2393	,, 10(2)	34वी पॅक्ति में 'यथाधिसुचित' को 'यथाधिसूचित'' से सुधारे।
33	2393	,, "(1)	41वी पंक्ति में "लिखित" को "सिखत" से सुधारे।
34	2394	1 12	9र्जी पक्ति में ''/'' को हटाईए।
35	2394	,, 13	10त्री पंक्ति में "उनका" की "उनकां" से मुधारे।
36	2394	., 14	17वी पंक्ति में 'जान' को 'जाने'' संसुधारें।
37	2394	2 15(2)	19वीं पक्ति में ''उमृ'' की ''उम्न'' से सुधारे।
38	2394	,, 15(2)	2.0वी पंक्ति में '''कय'' को ''ऋय'' से सुधारे।
39	2394	,. 15(3)	2.8वी पंक्ति में 'आकदकक''को ''आवेदक के''से सुधारे।
40	2395	11 19(1)	8वी पंक्ति में "येनिटों" को "यूनिटों" ने मुधारे।
41	2395	, 19(1)	9वीं पंक्ति में "म" को "में" से सुधारे।
42	2395	,, 19(2)	11वीं पंक्ति में ''का'' को ''को'' स सुधारे।
43	2395	., 19(4)	2.2वीं पिक्त में "समझ" की "समझे" से सुधारे।
44	2395	,, 19(4)	2.3वी पंक्ति में ''बाद'' को ''बाद'' से सुधारें।
45	2395	,, 19(5)	26वी पंतित में ''रखत'' की ''रखते'' से सुधारे।
46	2395	,, 19(5)	28वी पॅक्ति में ''प्रान'' को 'प्राप्त'' से सुधारें।
47	2395	,, 19(5)	29वी पंक्ति में "बन" को "बने" में सुधारें।
48	2395	,, 19(6)	3 8वीं पक्ति में ''हां' को ''हों'' से सुधारें ।

क्रम सं०	पृष्ट सं ०	मद गं०	सुधार
49	2395	2 20	7वी पंक्ति में ''दौरान'' को ''दौ रान'' से सुधारें।
50	2395	,. 20	1 0वीं पंक्ति में ''परीक्षक'' को ''परीक्षकों'' से सुधारें।
51	2395	,, 20	1 2वीं पंक्ति में "का" को "की" से सुधारें।
52	2395	,, 20	18वीं पंक्ति में के के बाद लि ये शब्द जोड़े ।
53	2395	,, 20	19वी पंक्ति में "मकेगा" को "सकेगी" से सुधारे।
54	2395	., 20	2.5वीं पंक्ति में "और" को "और" मे सुधारें।
55	2395	,, 20	29त्रीं पंक्ति में "भातर" को "भीतर" से सुधारें।
56	2395	,, 20(2)	3 2वी पंक्ति मे ''दये'' को ''देय'' से मुधारें।
57	2395	,, 20(2)	3.5वीं पंक्ति में "इसके" को "उसके" से सुधारें।
58	2396	1 20(3)	4वीं पंक्ति में "स" को "से" से सुधारें।
59	2396	1 20(4)	13 वीं पंक्ति में "पहल" को "पहले" से सुझारें।
60	2396	,, 20(6)	2.5वीं पंक्ति में ''आग' को ''आगे'' से सुधारें।
61	2396	,, 20(6)	28वी पंक्ति में "हागा" को "होगा" से सुधारें।
62	2396	,, 20(7)	3 0वीं पंक्ति में "लय" को "लिये" से सुधारें।
63	2396	,, 20(7)	3 1वीं पंक्ति में "आवदक" को "आवेदक" से सुधारें।
64	2396	,, 20(7)	31वीं पंक्ति में "आवदा" की "आवेदन" से सुधारें।
6 5	2396	,, 20(7)	34वीं पंक्ति में "पहल" को "पहले" से सुधारें।
66	2396	2	8वीं पंक्ति में "खात" को "खाते" से सुधारे।
6 6 ^T ,	2396	,,	10वीं पंक्ति में "करन" को "करने" से सुधारें।
6 7	2396	.,	12वीं पंक्ति में "अपन" को "अपने का" में सुधारें।
68	2396	,, 3	1 8वीं पंक्ति में "आस्तिय" को "आस्तियों का" से सुधारे।
69	239 6	,, 3(年)	21वीं पंक्ति में "प्रतिभृतया" को "प्रतिभृतियों" से सुधारें।
70	2396	,, 3(希)	27वीं पंक्ति में "अनुमोकिन" को "अनुमोदित" से सुधारें।
71	2396	,, 3(5)	41वा पंक्ति में "दिशानिर्वेद्यों" को "दिशानिर्वेशों" से सुधारें।
72	2397	1 4	1ली पंत्रित में "प्रस्पेक" को "प्रत्येक" से सुधारें।
73	2397	,, 7	21वीं पंत्रित में ''अत्वादन'' की ''आवेदन'' से सुधारे।
74	2397	,, 7	21वीं पंतित में "योजना के अन्तर्गत संग्रहीन निधियों का सभी
			प्रारम्भिक परिं' के स्थान पर "योजना का निवेश उद्देश्य और इसक
		, , ,	नीतियों मुख्यतया प्राहकों की'' शामिल करें।
75	2397	2 7(5)	8वीं पंक्ति में "होगा" को "होगा" से सुधारें।
76	2397	,, 9(ক)	26वीं पंक्ति में "स्पाट" को "स्पाँट" से सुधारें।
77	2397	,, 9 ख()	28वीं पंकित में "प्रतिभूटिया" को "प्रतिभूतिया" से सुधारें।
78	2397	,, 9(π)	3 1वी पंक्ति में "अधृत" को "उधृत" से सुधारें।
79	2398	1 8	2री पंक्ति में / चिन्ह हटाइए।
80	2398	,, 9	11वीं पंक्ति में "अपनी" को "अपने" से सुधारे।
81	2398	,, 10	1 5वीं पंक्ति में ''यथाशीषृ'' को ''यथ,शीझ'' से सुधारे।
82	2398	., 10	2.5वीं पंक्ति में "हा" को "हो" से सुधारें।
83	2398	., 12	4.7वी पंक्ति में "बचवे" को "वेच दे" से सुधारे।
84	2398	2 12(%)(1	
85	2398	,, 12(電)(4	
86	2398	,, 12(暫)	46वीं 'क्ति में "परिस्थितियों" को "परिस्थितियों" से सुधारे।
87	2399	1 12(軒)	6वीं पंक्ति में "प्राप" को "प्राप्त" से सुधारें।

2764	भा 	रक्ष का राजपत्त, फरवरी 	17. 1996 (गाम 28. 1917) भाग IIIलण्ड 4
 त्रम सं०	पष्ठ सं०	— मद सं०	
88	2399	1 12(軒)	7वीं पंक्ति में "करन्" को "करने" में सुधारें।
8 9	2399	" 12(5 f)	9वीं पंक्ति में "सा" को "साथ" से सुधारे।
90	2399	., 15	41वीं पं ति न में ''प्ला'' को ''प्लान'' से सुधारे।
91	2399	,, 16	46वी पंक्ति में "पंजी" को "पूंजी" से सुधारें।
92	2399	,, 16	48वीं पंक्ति में "दस्यों" को "सदस्यों" से मुधारें।
93	2399	2 ,,	4वीं पंक्ति में "दय" को "देय" से सुधारें।
94	2399	n n	4वीं पंक्ति में "सोत" को "स्रोत" से सुधारें।
95	2399	" "	8वीं पीक्त में "सोत" को "स्रोत" से सुधारें।
96	2399	71 17	8वीं पंक्ति में ''आए'' को ''आय'' ने सुधारें।
97	2399	17 17	13वीं पंक्ति में "आवदेन पत्र" को "आवेदन पत्र" से सुधारें।
98	2399	11 11	16वीं पंक्ति में "सोत" को "स्रोत" से सुधारें।
99	2399);))	20वीं पंक्ति में "अनुमानत" को "अनुमानित" मे सुधारें।
100	2399)))+	21वीं पंक्ति में "सोत" को "स्रोन" से मुधारें।
101	2399	n n	25वीं पंक्ति में "सोन" को "स्रोत" से सुधारें।
102	2399	11 11	⊿ 8वीं पंक्ति मे "म" को "में" से भुष्टारें।
103	2400	1 ,,	1 2वीं पंक्ति में "निगम्" को "निगम" मे सुधारें।
104	2400	2 ,,	8वीं पंत्रित में "सामान्य" इस शब्द को सम्बन्धी के बाद लगाना है।
105	2401	1 ,,	35वीं पंक्षित में "सी"को "औ" से सुधारें।
106	2402	1 ,,	4थीं पंक्ति मे "निदेशक" को "निवेशक" से सुधारें।
107	2402	"	18वीं पंक्ति में "ब्यीर" को "ब्यौर।" से सुधारें।
1 08	2402	n n	2.5वीं पंक्ति मे "द्वारा" को ''द्वार'' ले सुधारें।
109	2402	2 ,,	13वी पंक्ति में "सकेण्ड" को ''सेकेण्ड" से सुधारें।
110	2402	1)	17वीं पंक्ति में "निदेशक" को "निवेशक" से मुधारें।
111	2402	,,	19क्षीं पंक्ति में "द्वारा" को "द्वार" से सुधारें।
112	2403	सारणी (4)	''रु० 493 करोड़" को ''रु० 495 करोड़" से मुझारें।
113	2403	सारणी (2 कालम)	"रु० 43199.99" को "रु० 43199.30" से सुत्रार्दे।
114	2403	सारणी (इ)	"ग्यू०प्रा० मू०" को "गू० आ० मू०" स सुधारें।
115	2404		16वीं पंक्ति में "स्विक्षार" को "स्वीचआवर" से सुधारें।
116	2404	 (ব)	16वीं पंक्ति मे ''बाजर'' की ''बाजार'' से मुधारें।
117	2404		26 वीं पंक्ति में "184969.69" को "104969.69" से सुधारें।
1 18	2404		3 2वीं पंक्ति में ''निवसं' को ''निवेश'' से सुधारें।
119	2404		33वी पंक्ति मे "यनिट" को "यूनिट" से सुधारें।
120	2404		33वीं पंक्ति में "रु०" को 10/⊸ के पहले लिखें।
121	2405		3 री पंक्ति में $^{\prime\prime}94^{\prime\prime}$ को $\left(\mathrm{i}^{\mathrm{i}} ight)$ के पहले लिखें।
122	2406	1	1 2वी पंक्ति में ''कनाट'' को ''कर्नाट'' से सुधारें।
123	2406	,, 	37वी पंक्ति में "घाटकोपट" को "घाटकोगर" से सुधारें।
124	2407	1	2.7वीं पक्ति में "ए० पी० जोशी" की "ए० जी० जोशी" से सुधारें।

ए० जी० जोसी, महाप्रबन्धक, व्यवसाय विकास एवं विषणन विभाग सं० यृ० टी०/डी० बी० डी० एम०/655-बी०/एम० पी० डी० 72 डी/95-96--दिनांक 18 नवम्बर, 1995 के भारत के राजपन्न (भाग III खण्ड 4) में पृष्ठ मं० 2407 से 2426 पर प्रकाणित दिनाक 20 अन्त्वर, 1995 को हमारी अधिमुचना मं० यू टी/डी दी डी एम/329 बी/एम पी डी०~72 डी/95-96 में लिम्नलिखिन मुधार करें।

যুট্টি দক

डैफर्ड आय प्लान 1995 पेशकश दस्तावेज

न्म सं० *म	पुष्ठ सं०	मद सं०	मुधार
1	2407	1	33वीं पंक्ति में ''मनस्त्रर'' को ''मित'बर'' से सुधारें।
2	2407	,,	35वी पक्ति में "यूनिट" को "यूनिट" में मुधारें।
3	2407	,,	3 8वी पंक्ति में ''यटिआई'' को ''यू टि आई'' से सुधारें।
4	2407	,,	40वी पंक्ति में ''प्रतिम्ति'' को ''प्रतिमूर्ति'' से सुधारें।
5	2407	,,	40वी पंक्ति में "म्यू" को "म्यूचुअल" से सुधारें।
6	2407	,,	41वीं पंक्ति में ''अनसार'' को ''अनुसार'' से सुधारें।
7	2407	.,	43वी पंक्ति में ''अपतनगंदित'' को ''अपुमोदित'' से सुधारें।
8	2407	,,	43त्री पत्रित में ''अनमोदित'' को ''अतुमोदित'' से सुक्षारें।
9	2407	,,	43वी पंक्ति में 'अत्योत्मख'' की ''अत्योत्सृख'' में मुधारें।
10	2407	2 ~-	4थीं पंक्ति में ''पंज्द्रकृत '' को ''पंजीकृत'' से मुधारें।
11	2407	,,	6वीं पंक्ति में ''निकव्यों'' को ''निकायों'' से मुधारें।
12	2407	,, ~-	6वीं पक्ति में ''अधिनियेम'' को ''अधिनियम'' से मुधारें।
13	2408	1	5वीं पंक्ति मे "टी अरई" को "यू० टी० आई०" से मुधारें।
14	2408	सारणी	2री पंक्ति में "4 थे वे वर्ज" को "4थे वर्ष" से मुधारें।
15	2408	सार्णी	2री पंक्ति में "परपक्वता" को "परिपक्कता" से मुधारों।
16	2408	2	1ली पंक्तिमें "डाएस ए दवे" को "डाएस ए दवे" से सुधारें।
17	2408	11	4घीं पंक्ति में ''डा अर्बि'द वीरमरी'' को ''डां৹ अर्रविंद वीरमणि' से सुधारें।
18	2408	"	8वीं पंक्ति मे ''मालुबे'' को ''मालुंबे'' से सुधारें।
19	2409	1	10वी पंक्ति में "मडाल" को "मंडित" से सुधारें।
20	2409	,,	33 त्रीं पंक्ति में $^{''}3^{''}$ को $^{''}1\Pi^{''}$ से सुधारें।
21	2509	2	3री पंक्ति में ''अधिमियत'' को ''अधिनियम'' से सुधारें।
22	2410	2	3री पक्ति में ''अवीध'' को ''अर्बाध'' से सुबारे ।
23	2410	2	31वीं पंक्ति में ''स्ट'' को ''रजिस्ट्रारो'' से सुधारे।
24	2411	1	24वी पंक्ति में "ड्रपैट" को "इ।फ्ट" से सुधारें।
25	2412	1	23वी पंक्ति में 'बाली'' को ''वाली'' से सुधारे।
26	2 412	1	47वी पंक्ति में "सदस्यतया" को "सदस्यता" मे मुधारें।
27	2413	1	ाली पंक्ति में ''उमके'' को ''इसके'' से सुधारें।
28	2414	1 (20)	21वीं पंक्ति में ''विवरण'' को 'वितरण'' से सुधारें।
29	2414	,,	2.2वी पंक्ति में ''किल्प'' को ''विकल्प'' से सुधारें।
30	2414	1(20)(2)	40त्रीं पक्ति में "न्यूतम" को "न्यूनतम" से सुधारे।
31	2414	2	15वीं पंक्ति में ''रहम्या'' को ''रहेगा'' से सुधारे ।
32	2414	0	33वी पंक्ति में ''की'' को ''को'' से सुधारें।
33	2414	,,	4 3वीं पित्रन में ''पमर'' को "पर'' से मुधारें।
34	2414	p	46वीं पंक्ति में ''अरा'' को ''और'' से सुधारें।

^{5 --469}GI/96

क्रम सं०	पृष्ठ सं॰	मद सं०		सुधार
35	2414	2		50वीं पंक्ति में "स्ट्री" की "स्ट्रार" से सुधारें।
36	2415	1(3)		16वीं पंक्ति में "बम्बई" को "बम्बई" से सुधारें
37	2415			27वीं पंक्ति में "पूर्वी नुसार" को "पूर्वीक्तानुसार" से सुधारें।
38	2415	1		31वीं पंक्ति में "(ड)" को "(च)" से सुधारें।
39	2415	,,		3 4नी पंक्ति में "स्माय" को "समय" से नुधारे।
40	2415	4		3 5वी पंक्ति में ''निधर्राण''को ''निधरिण'' से सुधारें।
41	2415	11		3 8वीं पंक्ति में "शवध" को "गुद्ध" से मुधारें।
42	2415	"		44वीं पंक्ति में "एन एन बी" को "एनएबी" से सुधारें।
43	2415	2		45थीं पंक्ति में "कम्पनी" को "कम्पनी के" से मुधारें।
4.4	2416	1		21वीं पंक्ति में "उभार" की "उधार" से सुधारें।
45	2416	1)		24वीं पंक्ति में "डीआईएफ" को "डी आरएफ" से मुधारें।
46	2416	"		40वीं पंक्ति में "स्किता" को "सकता" से सुधारे।
47	2416	2	12(年)	2री पंक्ति में "को" को "के" से सुधारों।
48	2417	1	12	14वीं पंक्ति में "(ड)" को "(ङ)" से सुधारें।
49	2417)1	12(2)(ন্ত)	28वीं पंक्ति में "हनी" को "होने" से सुधारें।
50	2417	"	12(2)(17)	38वीं पंक्ति में "7" की "12" से सुधारें।
51	2417	"	13	47वीं पंक्ति में "8" को "13" से सुधारें।
52	2417	2	16	27वीं पंक्ति में "सपाप्ति" को "समाप्ति" से सुधारें।
53	2417	11	16	47वीं पंक्ति में "घोण्णा" को "घोषणा" से सुधारें।
54	2418	2	16	6वीं पंक्ति में "हवारी" को "हमारी" से सुधारें।
5 5	2418	1)		6वीं पंक्ति में ''हवारी'' को ''हमारी'' में सुधारें।
56	2418	n		8वीं पंक्ति में ''पइंट'' को ''पॉइंट'' से सुधारें।
5 <i>7</i>	2418	n		1 3वीं पंक्ति में "आ स्तियों" को "आस्तियों" से सुधारे।
58	2418	,,		2.5वीं पंक्ति में "टट" को "ट्रस्ट" से सुधारै।
59	2418	सारणी		3 4वीं पंक्ति में ''आर०'' को ''और'' से सुधारें।
60	2419	मारणी		4.5वीं पंक्ति में "8.0" को "8.70" से सुधारे।
61	2421	सारणी		15वी पंक्ति में "प०" को "प्र०" से सुधारें।
62	2421	सारणी		16वीं पंक्ति में "25%" को हटाएं।
63	2421	सारणी		3 3वीं पंक्ति में "अनितम" को "अनंतिम" से सुधारें।
64	2421	सारणी		38वीं पंक्ति में "3222.14" की "3222.12" से सुधारें।
6 5	2421	सारणी		4.4वीं पंक्ति में "2.26.75" की "2.26.76" से सुधारे।
66	2422	~~		2 3वीं पंक्ति में "सोत" को "स्त्रोत" से सुधारें।
67	2422	सारणी		30वीं पंक्ति में "अन्नतिम" को "अनन्तिम" से सुधारें।
68	2423	सारणी	•	28वीं पंक्ति में "अन्नतिम" को "अनन्तिम" से सुधारें।
69	2423	सारणी		37वीं पंक्ति में "अंतर" को "ग्रंतरण" से सुधारें।
70	2423	सारणी		37वीं पंक्ति में अंन्तरण"को "ग्रांतर" से सुधारें।
71	2424	सारणी		6वीं पंक्ति में "पुनराएकीन" को "पुनरांकन" से सुधारें।
72	2424	मारणी		20वीं पक्ति में "मल्य" को "मूल्य" से सुधारें।
73	2424			21वीं पंक्ति में वार्षिक रिपोर्ट के बाद @ चिन्ह जोड़ें।
74	2424	मारणी		26वीं पंक्ति में "आस्तक" को "आस्ति" से सुधारें।

क्रम सं०	पुष्ट सं०	मद मं०	सुधार
75	2424	सारणी	2 8वीं पंक्ति में "557.19" को "557 39" से सुधारे।
76	2425	सारणी	20वीं पंक्ति में पुनर्खरीद मूल्य के बाद @ चिन्ह जोड़ें।
77	2426	1	20 त्री पंक्ति में "3332481" को "332481" से सुधारे।
78	2426	11	28वीं पंक्ति में ''ब्यैकबें'' को ''बैकबें' से मुधारें।

ए० जी० जोशी, महाप्रवन्धक, व्यवसाय विकास एवं विषणन विभाग

सं० यू० टी०/डी० बी० डी० एम० 655 सी/एस० पी० डी० 89/95-96 ---दिनांक 18 नवस्बर, 1995 के भारत सरकार के राजपन्न (भाग III-खण्ड 4) में पृष्ठ सं० 2427 से 2441 पर प्रकाशित दिनांक 20 अक्तूबर 1995 की अधिसूचना संख्या यूटी/डीकी डी एम/329-सी/एम पी डी 89/95-96 में निम्नलिखित सुधार करें।

मुद्धि पक्ष *संस्थागत निवेशक विशेष निधि यूनिट योजना 1995 (आई आई एम एफ य एस 1995)

म सं०	पृष्ठ सं०	स्तम्भ सं०	मद सं०	सुधार
1	2427	2		2री पंक्ति में '1960' को '1860' से गुधार।
2	2428	2	4(2)	38वी पंक्तिमे '1960' को 1860' से सुधारे।
3	2429	1	4(3)	6वी पं क्ति में गब्द 'बाहानयम' की 'बहिनियम' से मुधारें।
4	2429	1	4(3)	6वीं पंक्ति में शब्द 'अतानयम' को 'म्रंतर्नियम' से सुधारें।
5	2429	1	6(2)	37वी पंक्ति में शब्द 'दा' को 'देय' मे मुधारें।
6	2429	2	5	1 5वी पंक्ति में गब्द 'न्रिस्त' को 'निरस्त' से सुधारे।
7	2430	1	8	5वीं पंक्ति में शब्द 'आरित' को 'आस्ति' से सुधारें।
8	2430	1	8	6क्षी पंक्ति में गब्द 'व्हैं' को 'हैं' में सुधारे।
9	2430	1	8	15 वीं पंक्ति में ${f '0.1'}$ को ${f '0.1\%'}$ में सुधारें।
10	2430	1	8	20वीं पंक्ति में शब्द 'व्यया' को 'व्ययो' से सुधारें।
11	2430	1	9	3 7वीं पंक्ति में गब्द 'होगी' को 'होगा' से सुबारे।
12	2430	1	9	41वीं पंक्ति में शब्द 'को' को 'की' से सुधारें।
13	2430	1	9	41वीं पंक्ति में शब्द 'समूहों' को 'सप्ताहों' से सुकारें।
14	2430	1	10 (कः)	44वीं पंक्ति में शब्द 'स्टाफ' को 'स्टाक' से नुधारे।
15	2430	1	10(क)	46वीं पॅक्ति में गड़र प्रतिभृत्यों को 'प्रतिमृतिया' स सुधारे।
16	2430	2	10 (ख)	9वीं पंक्ति में शब्द 'आयवली' को ''आयवाली' से सुधारें।
17	2430	2	11	28वीं पंक्ति में सब्द 'क' को 'की' से सुधारें।
18	2431	1	12(7)	11वीं पंक्ति मे शब्द 'किसी' को 'किसी' से सुमारें।
19	2431	1	12(10)	30वीं पक्ति में मज्द 'ठरेगी' को 'करेगी' से सुधारे।
20	2431	2	13(2)	7वी पंक्ति में शब्द 'बत्यया' को 'बनाया' स सुधारें।
21	2431	2	14	25वीं पंक्ति में '1'को '.' से सुधारे।
22	2432	1	15	3री पंक्ति में शब्द 'कृत' को 'कृति ' से सुधारे।
23	2432	1	18	20वीं पंक्ति में गब्द 'सात' को 'बात' से सुधारें।
24	2432	2	18	2.2वीं पंक्ति में शब्द 'को' को 'की' से सुधारें।

कम सं०	पृष्ठ सं॰	स्तम्भ सं०	मद सं०	मुधार
25	2432	2	19(2)	10 वीं पंक्षित में शब्द प्रमाणपत्र के बाद शब्द 'जारी' को शामिल करें।
26	2435	1	31(事)	37वीं पंक्ति में शब्द 'पन्वरिद' को गब्द 'पुनर्खरीद' से सुधारें।
27	2435	2	31 (স্থা)	1 ली पंक्ति में शब्द 'स्माप्त' को शब्द 'शमाप्त' से सुधारें।
28	2435	2	31 (म)	49 वीं पंक्ति में मब्द 'फण्र' को 'फण्ड' में सुधारे।
29	2437	मारणी		सी० आर० टी० एस० निवारणाधीन शिकायतें (4) संख्या '98 को '88' से सुधारें।
30	2438	सारणी		जी० एम० आई० एम० बी० $92(\Pi)$ में मख्या $'3.39'$ क $'$
31	2438	मारणी		आई० यू० एस० 82 में संख्या '39' को '29' स सुधारे।
32	2438	मारणी		एम०ई० पी० 94 में संख्या '931' को '831' से सुधारे।
33	2438	मारणी		एम०आई० पी ० 94 (HI) में संख्या '3.91'को '3.81' ∓ सुधारें।
34	2 438	सारणी		एम० आई० एस० जी० $90ig(^{\mathrm{I}}ig)$ में संख्या $^{'}35.19^{'}$ को $^{'}35.10^{'}$ से सुधारें।
35	2439	मारणी		यु०जी० एम० 2000 में संख्या '7449' को '7249' से सुधारे।
36	2439	1		4.4वीं पंक्ति में दूरभाष '2003960'/'2003953' को '2003860 2003853' में सुधारें।
37	2439	1		45वीं पंक्ति में फैलम नं० '(022) 2003855' को '(022) 2003865'से मुधारें।
38	2439	2		2.4वी पक्ति में शब्द 'प्रोसिंग' को 'प्रोसेसिंग' से सुधार।
39	2440	सारणी		13वी पक्ति में संख्या '1910.00' को '1918.00' से सुधारें।
40	2440	सारणी		15वीं पंक्षित में संख्या '19553.23' को '18553.23' स सुधारें।
41	2440	मारणी		17वी पंक्ति में संख्या '10.2' को '10.20' से सुधारें।
42	2440	सारणी		3.1त्री पंक्ति में णब्द व्यय के पहले '﴿ ﴿ विन्ह् लगायें।
43	2440	सारणी		3 5वी पंक्ति में णव्द प्रावधान के पहले '@' चिन्ह लगायें।
44	2441	1		9वी पंक्ति में दूरध्विति ऋ० '332,885 को 332,9858 से सुधारें।
45	2441	1		16वीं पंक्ति में णब्द 'कार्मासयल' को 'कार्मामयल' से सुधारें।
46	2441	1		32वीं पंक्ति में गब्द 'दब्बोलकर' को 'दाबोनकर' स सुधारें।
47	2441	1		41वीं पंक्ति में ऐस कोड '4411005' की '411005' से सुधारें

ए० जी० जोशी, महाप्रबन्धक, (ब्यवसाय विकास और विषणन विभाग)

RESERVE BANK OF INDIA

CENTRAL OFFICE

DEPARTMENT OF GOVERNMENT AND BANK ACCOUNTS

Bombay, the 17th February 1996

In pursurance of Rule 18cf the Rule made by the Government of India under Section 28 of the Public Debt Act, 1944 and published in the Gazette of the 20th April, 1946 (as amonded under the Notification No. 1'(8)/70-B/52 dated the 29th April, 1954 and the notification in extra ordinary Gazette No. 67 dated 21st February 1990) (he following list for the month ended 31st DECEMBER 95 is hereby advertised of securities lost etc. in respect of which prima facing ground exists for believing that the securities have been lost and that the claim of applicant is just. All persons other than the respective claimants named below who have any claim upon these securities should communicate immediately with the Chief Accountant, Reserve Bank of India, Central Office, Department of Government & Bank Accounts, Central Debt Division, Bombay.

The list has been divided into two parts: List 'A' being securities now advertised for the first time and list 'B' the list of securities provious advertised.

LIST 'A'

No. of Security	Value in Rs./Grms.	In whose	name issued	From what date bearing interest	claima duplica	s) of the nt(s) for issue of ite and/or paymon narge value	No. and date of order issued
1	2		3	4		5	6
		9% Relie	f Bonds 1987 (C	alcutta Circle)		•	
1. CA 001657	Rs. 2,00,00		chshaw Driver nanji Driver	1 iterest paid upto March 1994	Aloo E	Erac'ishaw Driver	13tle No. I-2509 Gen. Manager's cider dt. 20-12-95 vide Dy. No. LCO-108/95-96 ct. 21-12-95
		3% Conv	ersion Loan 1946	(Calcutta Circle)		
2. CA 355014	Rs. 2,000/-	Gīrija Sar Banerjea	ıkar	Interest due from 67th half-year	G irija !	Sankar Bancijoa	File No. I-2364 Gen. Manager's order dated 22-12-95 vide Dy. No. LCO/109/95-96 dated 23-12-95.
3. CA 365972	Rs. 1,000/-	Do.		Do.	D	o. =	Do
				LIST 'B'			
No. of Security		n whose name		e Name (s) of (claimants for of duplicate of discharge	issuc /payment	No. and date of order issued)	Date of publication under P.D. Act. 9 of 1944 of list in which the security was first published.
1	2	3	4	5		6	7
		9%1	Relief Bonds 19	93 (Non Cumu	lative) (I	Nagpur Circle)	
1. NG 000005		M/s. D.S. Kibe HUF)	12-9-94	M _/ s. D.S. F (HUF)	ζιbe	Dy. General Ma Order No. G/65 dated 30-10-95	nager's
			3% Conv. Loat	1946 (Calcutta	Circle)	44,04,00 10 72	
1. CA 382285	Ŋ	Sukumar Mukherjce deceased)	Int. due from 72nd half year	State Bank o Suri	of India,	File No. I-2511 Gen. Manager's C dt. 16-11-95 vide Dy. No. CC 77/95-96 dt; 16-11	O.
2. CA 069468		Sudhir Kumar Aich (Deceased)	Int. due from 12th half year	Gəbardhan Sankari Ro		File No. I 2406 of Manager's order dt: 20-9-95 vide Dy. No. CCO. 5:	Gen. r

vi: 20-9-95

11	2	3	4	5	6	7
			41 % Loan 1955-	60 (Calcutta Circle)		
CA 015035	Rs. 1,030	Suding Kumar Aich (doceased)	Int. due from 48th half year	Goʻsar ^a han Aich+ Sankari Ro ₂	File No. I 2406 Gen. Manager's order dt; 20-2-75 vi. e 12y No. J Co.), 55 97-56 dt; 20-9-95	
CX 0.5335	28, 1, 10)	$\mathbf{D}_{\partial}.$	Do.	Do.	Do.	

D C. PADALKAR P. Chief General Manager

STATE BANK OF INDIA (CENTRAL OFFICE)

Bombay, the 18th January 1996

No. I 1996. -It is hereby notified for general information that in pulsuance of clause (d) of sub-section (1) of Section 25 of State Bank of India (Subsidiary Bank.) Act, 1959, the State Bank of India has, in consultation with Reserve Bank of India nominated Shir Jacob Cherian, Padinjarekkara House, Mount Wardha, kottayam-680 04, as a director on the Board of Directors of State Bank of Travancore for a period of three years with effect from 29th January, 1996 to 28th January, 1999 (both days inclusive) in place of Shri Joseph Mathew.

P. G KAKODKAR Chairman

No. 2/1996.—It is betteny notified for general information that in pursuance of clause (d) of sub-section (1) of Section 25 of State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959, the State Bank of India has, in consultation with Reserve Bank of India nominated Dr. N Mohana Kumaran, Chitakkara Palace, Papparamcode, Thiruvananthapuram-18, as a direct on the Bourd of Directors of State Bank of Travancore for a period of three years with effect from 29th January, 1996 to 28th January, 1999 (both days inclusive) in place of Dr. V. K. Sasidhar.

P. G. KAKODKAR Chairman

No. 3/1996.—It is hereby notified for general information that in pursuance of clause (d) of sub-section (1) of Section 25 of State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959, the State Bank of India has, in consultation with Reserve Bank of India nominated Shri Gautam Kothari, 7, Shiv Vilas Palace, Rajbada, Indoic-452 004, as a director on the Board of Directors of State Bank of Indoic for a period of three years with effect from 29th January, 1996 to 28th January, 1999 (both days inclusive) in place of Shri Sushil Doshi.

P. G. KAKODKAR Chairman

some of the second

THE INSTITUTE OF CHARTFRED ACCOUNTANTS OF INDIA

New Delhi-110 002, the 31st January 1996

CORRIGENDUM

No. 3NCA(5)/2/95-96.—In Notification No. 3NCA(4)/2/93-94 dated 07-03-94 delete the name of under mentioned member appearing at S. No. 58.

Sl. No., Membership No.-Name & Address

1. 72393—Shi Surendra Kumai Goyal, A-35, New Gupta Colony, Piatap Oarh, Delhi.

A. K. MAJUMDAR Secretary

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 20th January 1990

No. U-16/53/1 89-Mcd.II (Mah.)-Col.II.—In pursuance of the Resolution passed by E.S.I. Corporation at its meeting held on 25-4-1951 conferring upon the Director General the powers of the Corporation under Regulation 105 of the E.S.I. (General) Regulations, 1950, I hereby extend the services of Dr. B. J. Gaikwad, to function as Medical Authority for further one year (w.e.f. 24-11-95 to 23-11-96) or till a full time Medical Refree joins, whichever is earlier, for Barshi centre and the areas to be allocated by the Regional Dy. Medical Commissioner (West Zone), at a monthly remuneration in accordance with existing norms for the purpose of medical examination of Insured Persons and grant of further Certificates to them when the correctness of the original Certificates is in doubt.

B. R. BASU Director General

The 24th January 1996

No. V. 33(13)-7, 93-Est(.tV.—In pursuance of Section 25 of the FSI Act. 1948 (34 of 1948) read with regulation 10 of the ESI (General) Regulations, 1950, the Chairman, ESI Corporation nominates Shri T. V. Gangadharan, Senior Manager (P&A) Hindustan News Print Ltd., Kottayam as employers' additional representative in place of Shri M. Somasekharan under Regulation 10(1) of the ESI (General) Regulations, 1950.

Now, therefore, the following amendment is made in the Corporation's notification No. V. 33(13)-7/93-E.IV dated 28-5-1993.

Substitute entry against S. No. 9 by the following .---

 Shti T, V. Gangadharan, Sr. Manager (P&A), Hindustan News Print Ltd., News Print Nagar, P.O. Kottayam District, KERALA (Pin 686 616).

> B, R. BASU Director General

REGIONAL OFFICE

MADHYA PRADESH REGION

Indore, 18th January 1996

No. 18-V-34 12/1/94-Ins.II.—It is hereby notified that the Local Committee, Bilaspur consisting of members stated therein has been constituted under Regulation 10-A of Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 with effect from the date of notification.

BILASPUR CENTRE

Chairman

Under Regulation 10-A-1(a)

1. Assistant Labour Commissioner, Bilaspur,

Member

Under Regulation 10-A-1(b)

 Chief Medical Officer, Bilaspur.
 (Nominaled by State Govt)

Member

Under Regulation 10-A-1(c)

 Centre Incharge, Bilasput.
 E.S.I. Services, Bilaspur.

Shri Pushpendra Singh,
 M/s. Black Diamade Track Parts Pvt. 14d.,
 C-20, Singitti Industrial Area,
 Bilaspur.
 (M.P. Laghu Udyog Sangh)
 (Employers' Representative)
 Employers' Representative

Member

Under Regulation 10-A-1(d)

 Shri Harish Kedia, M/s. Bilaspur Plastic Industries, Tipra Industrial Area, Bilaspur. (Federation of M.P. Chambers of Commerce) (Employers' Representative)

6. Shri R. Rammurtiji, General Manager, B.C.E. Fortilizers, Sirgitti, Bilaspur. (Labour Commissioner) (Employers' Representative)

Shri N K. Datta.
 General Manager,
 Kanoi Paper & Industries Ltd,
 Village: Theka,
 Distt. Bilaspur.
 (Fmployers' Representative)

Member

Under Regulation 10-A-1(e)

 Shri Shiv Mishra, Verpali Chowk, Chapa, Distt. Bilaspur. (INTUC) Employees' Representative
 Shri Laxminarayan Dube

Dabripara, Bilaspur. (Bhartiya Mazdoor Sangh) I'mployees' Representative

Behind Santosh Bhavan Hotel,

 Comrade Pawan Kumar Sharma, Maha Mantri, Bilaspur Spinning Mills, Lal Khadan, (AlTUC) Employees' Representative

 11 Smt. Kusumlata Vermn, Member, Rashtriya Karya Samiti, H.M.S.,
 C/o Station Master,
 Railway Station,
 Bilaspur (Hind Mazdoor Sabha)
 Employees' Representative

Member

Under Regulation 10-A-1(f)

12 Manager,
l ocal Office,
E.S.I Corporation,
Bilaspur.

P. K SHRIVASTAVA
Regional Director
I imployees State Insurance Corporation
Indore (M.P.)

MINISTRY OF JAPOUR

FMPLOYIES PROVIDENT FUND ORGANISATION CENTRAL OFFICE

New Delhi-110015, the 25th November 1995

No 2/195% DL1 Exemp 89 Pt./356.—WHEREAS, the employers of the estis mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under Sub-section (7A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952) (here aufter referred to as the said Act).

AND WHERPAS, I, H. W. T. SYEIM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life Insurance which are more favourable to such employers than the benefit admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter te erred to an the said Scheme).

NOW THERTFORT, in exercise of the pover, conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said. Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, H. W. T. SYEIM, hereby exempt each of the said mentioned establishments in schedule I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the RPFF Faridabad from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE-J

S. :	No. Nam. & Address of the E.tt.			Code No.	Effective date of exemption	CPFC's Fil. No.
1.	Mis. Cepham Organics Ltd., Kundl Sonipat,	•	•	HR/3492	1-7-93 to 30-6-96	1/11/85/DLI
2	M/s. Cepham Laboratories Ltd., . Kundli, Sonipat.		٠	HR/2867	1-7-93 to 30-6-96	2/12/95/HR/DLI
3.	Mis. Jenus Steel Industries Pvt. Ltd., Opp. Rly. Godown, Faridabad-121001.	•		HR/10484	1-3-92 to 29-2-93	2/1/95 HR/DI [
4.	M/s. Jain Bretners and Company, . 2 K.M Murthal Road, Sonipat.	٠	•	HR/3494	1-5-90 to 30-4-91	2/5/95/HR/DLJ
5.	M/s. Ravindra Tubes Ltd., 10 K.M. Stone Delhi Road, Hissar.	•	•	HR/1643	1-10-92 to 31 3-95 me ² 1-4-93 to 71-3-96	2/14/cf D1 J
6.	M/s. Urastan Metal Industries Pvt. Ltd. Sonipar.	,		HR/10697	1-3-92 to 28-2-3	2/2/95/HR/DH
7.	M/s. Laxmi Pipes Ltd., Bhiwani Road, Hansi.	•	•	HR/5095	I-10-92 to 30-9-95	2/1/95/HR/DLI

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time direct under clause (a) of sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Gioup Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when ammended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary Premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s) /legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Gioup Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain point of view.

- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduce in any manner the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominec(s)/legal hen(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominec(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

H. W. T. SYIEM Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/369.—WHEREAS the (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act):

AND WHEREAS, I, H. W. T. SYIEM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefit admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by Sub Section 2(A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I. H.W.T. SYFIM, hereby exempt each of the said mentioned establishments in schedule I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the RPFC Hyderabad from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE-I

S. 1	lo. Name & Address of the Estts.		Code No.	f ffective Date of exemption	C.P.F.C's file No.
1.	M/s. Rao's Tutorials Bank Street, Hyderabad.		AP/11392	1-3-92 to 28-2-95	2/8/95/DLT
2.	M/s. Kasi Combines Engineering Pvt. Ltd. B-14, T.I.E., Balanagar, Hyderabad-500037.		AP/19737	1-10-92 to 30-9-95	2/6/95/DLI
3.	M/s. Hyderabad Industries Ltd., Santanagar, Hyderabad-500018.	•	AP/154	1-3-93 to 29-2-96	2/21/95/ D LT
4.	M/s. Esskay Machines Tools Pvt. Ltd., . B-8, Technocrat Industrial Estate, Phase-II, Balanagar, Hyderabad-500037.	•	AP/13463	1-3-92 to 28-2-95 and 1-3-95 to 28-2-98	2/20/95/DLI
5.	M/s, Gattududoenapally Large Size Co- operative Society Ltd., Gattudduddanapally Manakonpur Karim Nagar District-505460.		AP/4121	1-9-88 to 31-8-91 and 1-9-91 to 31-8-94 and 1-9-94 to 31-8-97	

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such faci-lities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time,
- The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, sub-mission of leturns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary Premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more fearestable to the employees that the benefits available to the employees that the benefits are the same of the favourable to the employees than the benefits under the said Scheme. admissible
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insuarnce Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that wou'd be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nomince(s). legal heir(s) of the employee as compensa-
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain point of view.

- 9. Where for any reason, the employee of the said estabtishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Co. poration of India as already adopted by the said establishment or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner. the exemption shall be hable to be cancelled.
- 10 Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled
- II In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer,
- 12. Upon the death of the member covered under Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects

H W.T. SYIEM

Central Provident Fund Commissioner

No 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/380.—WHFREAS. employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provicions Act 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Acti :

AND WHEREAS, I, H. W. T. SYIEM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefit admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW. THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I. H.W.T. SYEIM, hereby exempt each of the said mentioned establishments in schedule I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the RPFC Guntur from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE-I

5. N	o. Name & Address of the Estt.	Code No.	Effective date of exemption	CPFC's File No.
1	M/s. Chalaoathi Chit Fand Pvt. Ltd., U. No. 5-88-1, Laxmi Puram 3rd Line, Guntur 522006, Andhra Pradesh.	. AP/19413	1-6-93 to 30-5-96	2/19/95/ DL I
1	M/s. Vijaya wada Bottling Company Ramawarappada 5221108 Krishna District Guntur.	AP/3160	1-7-93 to 30-6-96	2/9/95 ₁ DL1
3, 1	M/s. Chandra Transport Sambasnapet Guntur-522001.	. AP/21116	1-11-93 to 31-10-96	2/5487/95/Di
1	M/s. Shri Krishoa Battlers Pvt. Ltd., P.B. No. 905 Plot No. 8, 100 Ft. Poad, Auto Nagar, Vijayawada-520007.	. AP/16515	1-11-92 to 31-10-9 5	2/5371/DLI
) 1	M/s. Carton Contauers, 0-2-30 Women's College Road, Guntur-522001.	. AP/21447	1-11-93 to 31-10-96	2/5488/ 95/DLI

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (2) sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees
- 5 Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary Premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance embanced so that the benefits available under the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts navable under the scheme he less than the amount that would be navable had the employee been covered under the said Scheme the employer shall nav the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8 No amendment of the provisions of the Groun Insunance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain point of view

- 9. Where for any reason the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner the exemption shall be liable to be cancelled
- 10 Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s) /legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any care within one month from the receipt of claims complete in all receipts

II W T SYIFM Central Provident Pund Commissioner

No 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I./391.—WIIIFREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' P ovident Funds and Miscellaneous Provisions of the Act 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act)

AND WHEREAS I. H. W. T. SYIEM Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefit admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said scheme),

NOW THEREFORE in exercise of the nower conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India in the Ministry of Lebour/CPFC. Notification No and date shown against the name of each of the said establishment and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto. I H. W. T. SYIEM hereby exempt each of the mid establishments from the operation of all provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I agzinst their names.

			Schedele-I	_		Region
S. No	Name & Address of the Estt.	Coda No	No. & date of the Govt.'s Notification vide which exemption was granted/ exte ded.	Date of expiry	Period for exemption	CPFC's File No.
1	A	3	4	5	6	7
1.	M/s Orient Coment P.O De camer Coment Work (via) Mancherlal Adilabad Distt. A.P. 504218	AP'13433	2/1959/D' 1/Exemp/69/Pt. I 'atc4 2-5-93	28-2-94	1-3-91 to 28-2-97	2/2 1^/90/DLI
2.	M/s Prince Aliminian Complay Ud., Argumost, Hylerabili- 500016.	AP/21851	2/1959/PLL/Exeme/89/Pt. I dated 23-1-92	28-2-94	1-3-94 to 28-2-97	2/3967/9^/DLI
3.	M/s. Surystronics Tvt. Ltd., 12-5-28/2912, Taranaka Helerahad-\$00017.	A ^m /18041	2/1959/DLI/Exemp/89/~t. I dated 29-7-91	30-11-93	1-12-93 to 30-11-96	2/3716/93/D LI

SCHFDULE-R

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (heromatier reterred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such fact littles for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Lentral Provident Fund Commissioner as and when amenaed, atongwith translations of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary Premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately it the benefits available to the employees under the said Scheme are enchanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithetending anything contained in the Group Insurance Scheme, it on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the differences to the nominee(s) legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

- 9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the trioup robustice. Seneme of the Lite insurance Corporation of india as already adopted by the said establishment, of the behalfs to the employees under this seneme are reduced in any market, the exemption shall be bable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the oue date, as fixed by the Life insurance Corporation of rudia, and the poncy is allowed to hapse the exemption shall be hable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/regai neit(s) of deceased memoer who would have been covered under the said scheme but for grant of this (Temphon, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group historiance Scheme the Life insurance Co.po.a.ion of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the noninnec(s) /regal nen(s) of the deceased member challed to a mid in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

H. W. T. SYIEM Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DL1/Exemp/89/Pt.I/400.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (nerematter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act):

AND WHEREAS, I, H. W. T. SYIEM, Central Provident I and Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance Which are more tavourable to such employees than the benefit aum.98/big under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme)

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, H.W.T. SYEIM, hereby exempt each of he said mentioned establishments in scheduel I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of he said Scheme has been granted by the RPFC S. R. O. Karnal from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

Schedule-1

		r)Cheuu		
S. No.	Name & Address of the Estt.	Codo No. —	Effective date of exemption	CPFC's File No.
1	2	3	-1	5
	Poly Plastics, J. Ladustrial Area Yam ma Nagar, Karnal	HR/967	1-2-92 to 31-3-93 and 1-4-93 to 31-3-96	2/26/ 5/DL1
	. Prag th Siliones Pvt. Ltd.,	HR/4935	1-12-91 to 31-3-93 and 1-4-93 to 31-3-96	2/27/95/HP DLI
3. M/s. Kari	. Chanderpur Works Yamuna Nagar, nal	IIR/522	1-12-92 to 31-3-93 and 1-4-93 to 31-3-96	2/28/95/HR DLI
	Kay Iton Works Unit Zodian Yamana ar, Karnal.	HR/7342	1-2-95 to 31-1-98	2/25/9 5/HR DLI
,	. The Karaal Co-operative Sagar Mills Ltd., mal, Haryana.	HR/1917	1-3-89 to 28-2-90 and 1-3-90 to 28-2-93 and 1-3-92 to 29-2-96	2/7/95/HR/DLI
	United Rice Land Pvi, Ltd.,	H3/3495	1-3-39 to 23-2-90 and 1-3-90 to 2893 and 1-3-93 to 28-2-96	2/5/95/HR/DLI

_ <u>L</u>	2		3	4	5
7.	M/s. Precision Engineering Company, Industrial Area, Yamuna Nagar, Karnal.	. 8	IR ₁ 992	1-3-92 to 31-3-93 and 1-4-93 to 31-3-96	2/6/95/HR/95
8,	M.s. T.S. Jain Metal Industries Pvt. Ltd , Jagadnari, Karnal.	. н	R/1320	1-11-91 to 31-3-93	2 30/95/HR/DLI
9.	M/s. Sant Nischal Singh Public School, Yamuna Nagar, Karnal.	Н	R/4666	1-12-91 to 31-3-93	2/37/95/ HR/DLI
10,	M/s, Jamaa Nagar Agro Implements Yamun i Nagar, Karnal.	Н	R/3379	1-1-92 to 31-3-93 and 1-4-93 to 31-3-96	2/25/95/ HR /D LI

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the sailient features thereof in the language of the majority of the employees
- 5. Whereus an employee, who is already a member of the Employees Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said. Act is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary Prentum in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employees the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner conceined and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already

adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

- 10 Where for any reason, the employer tails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

H. W. T. SYIEM, Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959 DLI/Exemp/89/Pt.I/416.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinatter reterred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act):

AND WHEREAS, I, H. W. T. SYIEM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheine of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefit admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, IHEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section 2(A) of the 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, 1, H.W.T. SYEIM, hereby exempt each of the said mentioned establishments in schedule-I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the RPFC Orissa from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

27**77**

SCHEDULE 1

S. 1	No. Name & Address of the Estt.	Code N	No. Effective date of exemption	CPI C's File No.	
1,	M/s. Orissa Plastic Processing Ltd., O.T. Road, Balasore.	. OR/414	1-3-92 to 28-2-95	2/3/9. /DLJ/OR	₽
2.	M/s. Hunrum Perolling Mills(P) Ltd., Sroeram Nagar, Rayagada-765001.	OR/4430	1-3-93 to 29-2-96	2/21/95/OR/DLI	
3.	M/s. Utkal Agro ladustries, Private Limited, Balasore, Orissa.	. OR/164	1-3-90 to 28-2-93 and 1-3-93 to 29-2-96.	2/4/95/OR	

SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident 1 and Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the sailier; features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary Premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange the enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insuarnce Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employees as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, his approval give a reasonable opportunity to the employe to explain point of view.

- 9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the line Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nomuce(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s) legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

H. W. T. SYIEM, Central Provident Fund Commissioner

The 29th January 1996

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I 425.—WHEREAS, the employers of the estis. mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHERFAS, I. H. W. T. SYH M. Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life Insurance which are more favourable to such employees than the benefit admissible under the Employees' Deposit. Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-section (2A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II. annexed hereto, I, H.W.T. SYIEM, hereby exempt each of the said mentioned establishments in schedule-I from the date mentioned against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said. Scheme has been granted by the RPFC S.R.O. Karnal from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE-I

S. No.	Name, & Address of the Estt.	Code No.	Effective CPFC'S File No. date of exemption
1.	M/s. Manco Engineering Corporation,	HR/1342	7-1-92 2/32/95/HR/DLI to 31-3-93 and 1-4-93 to 31-3-96
2.	M/s. Bramco Engineering Pulp and Papers Machinery, . Yamuna Nagar, Karnal	HR/1775	1-1-92 2/33/95/HR/DLI to 31-3-93 and 1-4-93 to 31-3-96
3	M/s. Oriental Engineering Works Pvt. Ltd.,	_ HR/24	1-11-92 2/34 ¹ /95/HR/DLt to 31-3-93 and 1-4-93 ro 31-3-96
4.	M/s. Sunrise Papers and Boards Mills,	HR/373‡	1-2-92 2/36/98/HR/DLI to 31-3-93 and 1-4-93 to 31-3-96
5.	M.s. Jasner Packers Pvt. Ltd., La Iwa District Kurushetra, Karnal.	HR /3966	1-1-92 2 37 95, HR DL1 to 31-3-93 and 1-4-93 to 31-3-90
6.	M/s, Krishna Alloys Steels,	. HR/4356	1-11-91 2/38/95/HR/DLI to 31-3-93 and 1-4-93 to 31-3-96
7	M/s. Chanderput Boards Mills,	HR 780	1-12-92 2 39/95/HR/DLI to 31-3-93 and 1-4-93 to 31-3-96
8.	M/s.]Dayal Singh Public School,	. HR/KL/5296	4-2-91 2/41/95/HR/DLI 10 31-3-93 and 1-4-93 to 31-3-96
j 9.	M/s. Karnal Haryana Co-operative Marketing d. C. P. Society Ltd., Karnal,	HR/2194	t-1-95 2/42/95/DLI to 31-12-97
10.	Pal Engineering Corporation,	. . HR/2 416	1-4-92 2/24/95/HR/DL1 to 31-3-93

SCHEDUT F-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2 The employer shall 1 is such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3 All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of Accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer
- 4 The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provi lent Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the sathent features thereof in the language of the majority of the employees
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the I ife Insurance Corporation of India
- 6 The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that benefits available under the Group Insurance Scheme are favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7 Notw that and ing anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said scheme the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8 No amendment of the provisions of the Group Insutance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval give a reasonable opportunity to the employees to explain point of view.

- 9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as aleardy adopted by the said establishment, or the benefit to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be hable to be cancelled.
- 10. Where for any teason, the employer fails to pay the premium etc within the due date, as fixed by the Life Insulance Corporation of India, and the policy is allowed to leave, the exemption shall be liable to be cancelled
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the I ifo Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects

H W. T. SYIFM Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I 441—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act. 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act)

AND WHEREAS. I, H. W. T. SYIEM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enloyment of benefits under the Group Insurance Scheme of Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Schme).

NOW THEREFORE in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/CPFC Notification No and date shown against the name of each of the said establishment and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto I. HWT SYIEM hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE-1

S. No	Nane & address of the estt.		No. & date of Govt. Notification vide which exemption was granted/ extended	Date of expiry	Period for exemption	C. P. F. C.'s File No.
	1 2	3	4	5	6	7
1.	M/s. G. R. Card' Board Industries, Pedakakani, Guntur-Dt. Pin Code-5: Andhra Pradesh	. AP/12768 22509	2/1959/EDLI/Exemp/89/ Pt. I dt. 23-12-92	31-12-93	1-1-94 to 31-12-96	2/4350/92/DLI
2.	M/s. ASSIST, G. T. Road, Chilakaluripet-522616, Distt. Guntur, Andhra Pradesh	. AP/21104	2/1959/EDLI/Exomp/89 Pt. I dt. 9-12-92	/ 28-2-95	1-3-95 to 28-2-98	2/4296/92/DLI

1	2	3	4	5	$\frac{1}{6}$ $\frac{1}{7}$ $\frac{1}{7}$ $\frac{1}{7}$
3.	M/s. The Ongole Co-op. Bank Ltd., Rajapanagal Road, ONGOLE-523002 Andhra Pradesh.	. AP/21167	2/1959/EDLI/Exemp/89/ Pt. I dt. 9-12-92	28-2-95	1-3-95 2/4297/92/DLI to 28-2-98
4.	M/s. Sti Dhanalaxmi Cotton & Rice Mills Ltd., RICE DIVISION, Ganapavaram-522619, Via Chilakaluripet, Guntur Distt. Andhra Pradesh.	, AP/6743	2/1959/EDLI/Exe up/89/ Part-I Dt, 19-4-94	31-3-93	1-4-93 2/5015/93/DL1 to to 31-3-96
5,	M/s. Bharat Electronics Ltd., . Ravindranath Tagore Road, P. B. No. 26, Machillpatnam-521001, Andhra Pradesh.	. AP /10	2/1959/EDLI/Excmp/89 Pt. 1 dt. 23-12-92	8-9-94	9-9-94 2/1742/83/DMLT to 8-9-97
6.	M/s. Dhana Laxmi Cotton & Rice Mills (P) Ltd., Ganapavaram-522619 Via Chilakalyripet, Guntur Distt. Andhra Pradesh	. AP/5068	2/1959/BDL1/Exemp/89/ Pt. I dt. 19-4-94	31-3-93	1-4-93 2/5713'93/D'LI to 31-3-96
7.	M/s. Fie K. C. P. Ltl., Ranakushina Building Dr. P. V. Charun, Crecent Road, Madras-600105	A 3/1209	1/1959/OCT/Beamb/89/ Pt. I dt, 31-8-92	23-2-95	1-3-95 2/3189/90/DLF to 28-2-98

SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.
- 3. All expanses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of neturns, payment of insurance premia, transfer of Accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the sailient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay recessary Premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Schame are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwith anding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts navable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said scheme the employer shall pay the difference to the nominee(s) legal heir(s) of the employee as compensation
- 8 No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval give a reasonable opportunity to the employees to explain point of view.

- 9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the I ife Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

H. W. T. SYIEM,

Central Providend Fund Commissioner

No. 2//1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/454.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-4 (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act):

AND WHEREAS, I, H. W. T. SYIEM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme)

NOW THEREFORE in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India in the Ministry of I abour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishment and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto. I, H.W.T. SYIEM hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

S.	Name & Address of the estable.	lishmen	ts Code No.	No. & date of Govt's Notification vide which exemption was granted/ extended	Date of expiry	Period for C. P. F. C. exemption File No.
1.	M/s Hindustan Prefeb Ltd., . Jangpura, New Delhi.		DL/75	2/1959/DLI/Exemp ₁ 89/ Pt. I dt. 12-2-92	23-9-93	24-9-93 2/1072/80/DLI to 23-9-96
2.	M/s. India International Centre, 40, MMDC Muller Marg, New Delhi-110003.		DL/1520	2/1959/DLI/Exemp/89/ Pt. I dt. 11-1-92	31-8-94	1-9-94 2/3421/90/DLI to 31-8-97
3.	M/s K. L. Rathi Steel Ltd., . 1/5812/ Loni Road, Shahdra, Delhi-32.		DL/3365	2/1959/DLI/Exemp/89/ Pt. I dt. 12-2-92	7-11-94	8-11-94 2/607/80/DLI to 7-11-97
) .	M/s. Indian Compressors Lid., 33 to 35, Okhla Infustrial Estate, New Delhi-20.		DL/325	2:1353/DLI/Exe no/89/ Pt. I dt. 20-10-89	26-3-91	27-3-91 2/1205/80/DLI to 26-3-94

SCHEDULE-II

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter reterred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commiswithin 15 days from the close of every month.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Schem's, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of Accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the sailent features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund of the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary Premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstnding anything contained in the Gorup Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme he less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nomince(s)/least heir(s) of the employee as compensation.
- Br No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the 7—469GI/95

- interest of the employees his approval give a reasonable apportunity to the employees to explain point of view.
- 9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner the exemption shall be hable to be cancelled
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse the examption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

H. W. T. SYIEM

Central Providend Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/464.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act):

AND WHEREAS, I, H. W. T. SYIEM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THERFFORE, in exercise of the power conferred by Sub-section (2A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, H.W.T. SYEIM, hereby exempt each of the said mentioned establishments in schedule I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the RPFC S.R.O. Karnal from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

		SC	CHEO	ULE-	—I				
S. No	Name & Address of the Establish	ments	_				Code No.	Effective date of exemption	CPFC's File No.
1.	M/s. Osaw Industrial Products Pvt. Ltd , Ambala Cantt.		•	•			. HR/6834	1-3-94 to 28-2-97	2/19/95/HR/DLI
2.	M/s. Yamuna Syndicate Limited, . Yamuna Nagar	•		•	*		HR/270	1-3-91 to 29-2-97	2/23/95/101-1
3.	M/s. Vikram Engineering Works, Yamuna Nagar	٠	•		•	•	HR/3523	1-2-92 to 31-3-95 and 1-4-93 to 31-3-96	2/21/95/DL1
4.	Shingari Industries,	•		•	•	•	HR/3995	1-5-25 to 31-5-98	2,17/95,HR/DL1
5.	M/s. B. G. Dhota Udyog Ltd., Yamuna Nagar	•	٠	•	•	•	HR/6867	1-10-94 to 30-9-97	2/16/95/ HR/OL J
6.	M/s. Kay Iron Works Pvt. Ltd., Yamuna Nagar	•	•	•	•		HR/54	1-2-32 to 31-3-93 and 1-4-93 to 31-3-96	2/18/95/DL[
7	M/s. Pragu Plasto Moulds Corporation. Industrial Area, Yamuna Nagar	• -	•	٠	•	•	HR/3238	1-3-92 to 3193	2/18 95/DL [
8.	M/s. Darshan Enterprises, Industrial Arca, Yamuna Nagar	•	•	•	•	•	A C /4275	1-4-92 to 31-3-93	2/19 <i>)5,</i> HR DL[

- 1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a of sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of teturns payment of insurance premia, transfer of Accounts, payment of insurance premia, transfer of Accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme 3, approved by the Central Government/Central Provident found Commissioner as and when amended, alongwith translation of the sailient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund of the Provident Fund of as establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary Premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the unions payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s), legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Instruce Scheme shall be man't without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concurred and there any amendment is fillely to effect adversely the interest of the employees his approval give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view,
- 9. Where for any reason the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse the exemption shall be liable to be cancelled.

- 13. In case of default if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grain of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nomine (s) /legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of chains complete in all respects.

H. W. T. SYIEM Central Providend Lund Commissioner

No. 2, [959/D14/Exemp/89 Pt.I/478.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in S. hedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act. 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I. H. W. T. SYIEM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme. 1976 (hereinnfter referred to as the said Scheme)

NOW THEREFORE, in exercise of the powers conferred by Sub-section (2A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, H.W.T. SYEIM, hereby exempt each of the said mentioned establishments in schedule I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the RPFC Karnal from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE-I

S. No	Name & Address of the Establish	ments	-,,				Code No.	Effective date of exemption	C. P. F. C. s File No.
1	2			·	- • - :		3	4	5
1.	M's, S. D. M. N. Vidya Mundii Nobl hert, Distt. Kareal, Haryana.	•	•	•	•	•	HP /6578	1-12-94 to 30-11-97	2/2/95/HR/ DL I
2.	M/s. Laxmi Medical Agencies. Guiu Nanak Marg, Amballa Cantt-133001 Haryan.	,	•	•	٠	•	HR/2119	1-7-93 to 30-6-96	2/18/95/ DLI
3.	M/s. Diwan Har Kishan Dass S. D. Public Ambala Cantt. Haryara.	c Schoo	ol,		•	•	HR/5001	1-3-91 to 31-3-93 and 1-1-93	2/11/9 5/HR/DL I
								to 31-3-96	
4.	M/s. Special Maclines,	•		•	•	•	H.R/1724	1-9-94 to 31-8-97	2/8/95/ HR/DL I
5 [M/s. Nishan Public school, Tikri Karnal, Haryani.	•	•	•		•	HR/6895	1-9-91 to 31-8-97	2/5,9 5/HR/DL (
6.	Mis The Kirnal Aviation Club Karnal, Haryana.	•	•	•	•	•	HR/1095	l-10-94 to 30-9-97	2/3/95/HR/DLI

SCHI DUI E-II

- 1. The employer in relation to each of the said establish ment therematter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Control Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act. within 15 days from the close of every mouth.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintanance of accounts, submission of teturns, payment of insurance premia, transfer of Accounts, payment of inspection charges etc shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance scheme as approved by the Central Sovernment/Central Provident Fund Commissioner as and then amended, alongwith translation of the sailent features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of as establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary Premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominec(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where for any reason the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner the exemption shall be liable to be cancelled
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heix(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this I ife Incurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the

nominec(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

H W. T. SYDEM Central Providend Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/490—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, H. W. T. SYIFM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employeer of he said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the patter of Life Insurance which are more lavourable to such employees than the benefit dissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme 1976 (hereinafte, referred to as the said Schools)

NOW, THERFFOR, in exercise of the powers conferred by Sub-Sec in 2(A) of Section 17 of the said. Main continuation of the Government of India in the Ministry of Labour C.P.F.C. Notification No and date shown against the name of each of the said establishment and subject to the conditions unsuffied in Schedule-II annexed hereto 1, H.W.T. YIEM here're exempt each of the said establishments from the one clien of all the provisions of the said Scheme for a further meriod of 3 years as indicated in attached Sch hile-lagainst their names.

SCHEDUI E-I

S. No		Code No.	No. & date of Govt,'s Natification vide which exemption was granted/ extended	Date of expiry	Expiry exempti r	C. P F. C.'s
1	2	3	4		6	7
J,	M/3. Indian Aluminium Company Lid., Hirakund Distt Sambalper, Orissa	. OR/332	2/1959/DLI/Exemp/89/ Pt. I dt 10-5-94	31-3-93	1-4-93 to 3 (-3-96	2/28/76,DLI
2.	M/s Cuttack Gramnya Bank, Friends Colony, Baja kapati Road, Cuttack-753004.	. OR/15 47	2/1959 DLI/Fxemp/89/ Pt. dt 27-1-92	27-2-94	28-2-94 to 27-2-97	2/839/82/DIX
3,	M/s. Everest Homeo Laboratory, B-3, Industrial Area Palastre, Orlssa-756001.	. OR/1399	2/1959/DLI/Exemp/89/ Pt. I dr. 4-1-9°	30-5-92	31-5-92 to 50-5-95	2/8545/94/ DLE
4.	M/s. Steel Authority of India Ltd., Rourkela Steel Plant, Rourkela.	O R'250	2/1959/DLT/Exemp/89/ Pt. I dt. 1-10-92	2-1-92	3-1-92 to 2-1-93	2/95/78/ DLI

SCHEDULE-II

- 1 The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts. submission of returns, payment of insurance premia, transfer of Accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government Central Provident Fund Commissioner as and when amended. Alongwith translation of the sailient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Fmployees' Provident Fund or the Provident Fund of as establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary Premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

- 6 The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7 Nowah finding hything contained in the Group situate scheme if on the death of an employee the amounts payable and the schime is less than the amount that would be payable had the employee been covered under each scheme the employe shall pay the difference to the nomin of)/legal here(s) of the employee as compansation
- 8 No intendment of the provisions of the Group Institute Schem, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any am adment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval give a reasonable opportunity to the employees of explain point of view
- 9 Where for any reason the employees of the said establishment do not term in covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as alteady adopted by the said establishment or the benefits to the employees and a this scheme are reduced in any manner the exemption shall be Hable to be cancelled.
- 10 Where for any reason the employer fails to pay the premium etc within the due date, as fixed by the Life Insu time Corporation of India, and the policy is allowed to hipse the examption shall be hible to be cancelled
- If In cise of default, if my made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s) /legil heir(s) of dece sed member who yould have been exerted under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer

12 Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled in it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all tespects

II W I SYIEM Central Providend Fund Commissioner

New Delhi 110015, the 31st November 1995

No 2/1989/DII/Fxemp/89/PtI/1500—WHEREAS the cmi oyers of the establishments mentioned in Schedule-I (herematter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (herematter referred to as the said Act)

AND WHEREAS I, H W I SYIEM, Central Provident I and Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefit admissible under the Limployees Deposit Linked Insurance Scheme 1976 (herein) for referred to as the said Scheme)

NOW, FIERELORE, in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said. Act in continuation of the Government of India in the Ministry of I about CPIC Notification No and date shown against the name of each of the said establishment and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, HWT SYILM hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule I as just their names.

SCHEDULL 1

N	Num & Aldress of the Esti	Code No	No & Date of Govt s Notification vide which exemption was granted extended	Date of Expiry	Period for exemption	C P F. C's File No.
1		3	1		6 -	7
I	M > CS Irlas ii s & Exterprises LO Arti Grimbers, 2 if Plan, Anais dai Madras 600006	, TN/26082	2/1759/DL1/Exhmp/c9 Pt I dt 13-6-93	31 -3-95	1-4-95 to 31-3-98	2/5091/ 93 DLI
•	M's Chiyyar Milk ProJucois Cypp Society Etd.,	LN 9019	2 105) DULLs, mp 5) Pt 1 dt 16-0 93	31-7-91	t-8 94 to 31-7-97	7/1173 92,DL1
3	M s Levius News Papors Led, Express Estate, Mount Road, Midras-2	TN/8)67	2/1959,DL1/Excmp/89 Pt I dt 19-4-94	31-3-93	1-4-93 to 31-2-96	2/1377/86/DL1
1	Ms With Indistrics B4 B-6, Industrial Colony Gurdi Nagar, Velloic-6, N. A. A. District	I N _/ 1->77	7/1959/35/DL1 L\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\	26-6 91	27-6-94 to 26- 6-97	2,1760/88/ DL l
5	Mag as-116 Adm Office at 3 (NP) Development Plots, Industrial Estate, Ekkattuthangal, Madias 97	TN 17410	5-35014/94/8/8/S5 II dated 25-8-88	34-8-91	25-8-91 tc 31 3 93	2/1850/88 DL 1
()	MS D. P. C. Servicos (P) L. 1 41 t., Riyyi Silin, Mid. is f	IN (973)	2 1950/Dul (1,50m256) Pt. 1 dt, 3 4 93	31 5 93	to 31-8-96	2/242C/90/DLI

- I The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
- ?. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under charge (a) of sub Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of Accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 1. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the sailient features thereof in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Limployees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary Premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employees the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amondment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval give a reasonable opportunity to the employees to explain point of view.

- 9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse the examption shall be tiable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal her(s) of the decessed member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

H. W. T. SYIEM

Central Providend Fund Commissioner

No. 2/1959/DL1/Exempt/89/Pt.I/512.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (neremafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, H. W. T. SYIEM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Gioup Insurance Scheme of Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-setion 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishment and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, H. W. T. SYIEM, hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE - I

S. No.	Name & Address of the Establishments	Code No.	No. & date of Govt. Notification vide which cremption was granted/ Extended.	Date of expiry	Period for exemption	
·	2	3	4	5	6	7
1.	M s. M. C. C. Bank, . , , 114/1, Prakasan Salai, Broadway, Madras-108.	T N, 4142	2/1949/DLI/Exemp/89/ Pt. I dt. 23-6-93	31-3-93	1-4-93 2 to 31 -3- 96	2/5078/94/ DL I
2.	M/s. India Pistons Repoo Ltd.,		2/1959/DLI/Exemp _/ 89/ Pt I dt. 19-4-94	31-3-93	1-4-93 to 31-3-9	2,2620/90/DLI 96
3.	M/s. Savera Hotel,	TN/6557	2/1959/DLI/Exemp/89, Pt. I dt. 31-1-94	31-7-95	1-8-95 10 31-7-98	2/2420/90/DLF
-1	M/s. M thiolpet Benefits Fund Lt 1., . No. 199, Thambuchetty Street, Madras-1.	TN/7098	2/1959/DLI/Exemp/89 Pt I dt, 19-4-94	31-3-93	1-4-93 to 31-3-96	2 3255/90/DL

	3 -			6	
M/s Tropical Agro System (India) Ltd. Broadway Madras-600103	, TN/7839	2/1959/DLI/Exemp/99/ Pt 1 dt 31-1 04	'8 2 9 3	1-3 93 to 29 2- 96	2/2626/90/DLI
M/s Pattern and Carpentary Work P R Complex 1/9 Mugaliv kkam Road, Porur, Madrus-11(TN/10343	7/1959/DLI/Lxe mp 3' / Pt 1 dt 19-4-91	31-3 93	1-1-93 (c 31 3 96	ו 15/90/DI ניי/ר
M/s Chardra Rabbur Products (P) Lt ¹ No. 1, Mount Poonmallee Road, Manakkam Madas-80	J N/11922	2 195 /DLI/Excmp/89/ Pt I dt 13-5-94	31-3 93	1-4- ⁰³ to 11-3- ⁰ 6	> 5367/93/DLI
M/s Strukkeil Ltd., C-6, 7 & 8 Infastrial Complex, Maiatridu Nagu 103209, Clunglepet, MGR District	. rn 17'01	2/19 59,DLI/E xcm > 19 Pt 1 dt 19-5-94	31 3 M3	1 4-93 tc 31-3-96	735/90/ DI 1
M/s Laksami Gun al France Lt ⁴ DosabanJhu Plaza, 47, Whites Road Madras-14	FN/12°00	2/1959/DLI/Examp 89/ Pt 1 dt 17 11-69	30 9 91	1-10-94 to 30 9-97	?/2579/90/ D L1
M/s Prakish Chain Co I'e, Thambu Chetty Stroot, Madras I	TN 22271	2/1959/DLI/Lxemp/ 89/ Pt I dt 4-3-94	28 2-93	1-3-93 to 29-2-96	2/2823/50/DL1
M/s Guton to Brothers, No. 72, Hamington Road, Chetput Madras-31	TN/22629	2/1959/DLI/J.xemp/-89/ Pt I dt 13 5-94	31 3 93	1-93 to 31-2-96	2/547°/94/DLI
		2/19 5 9/DLI/Ex-mo/-8 ⁰ / Pt I dt 5-4 93	31-5-94	1-6-94 to 31-5-97	2/4566/92/DLI
M/s Saks And Harris (P) Ltd, C-40 Ist Floor, and Avenue, Anna Nomadras-40	TN/23573	2/19 5 9/DLI/Exemp/-89/ Pt I dt 3 4-9?	3-1-03	1-11-94 to 31-10-97	2/155(/92/DL[
M/s India Radiators Ltd. H O at 61, Aimmin Street, Mad as-1	TN/1105	2/1959/DLI/ Exemp/89 Pt I dt 31 1-94	28-2-93	1-3- 93 to 29-2 - 96	2,2615/90/DLI
M/s D E 1 Lt', Sahup tram Alum igane'i V O C District,	TN/2862	2/1959/DL1/Exemp/89/ Pt I dt 4-9-91	31-1-93	1-2-93 to 31 1 96	2/2461/90/DLI
M/s Traders & Tracer, No 118, Broadway, Ma Iras 600108	1 N/3338	2/1959/DLI/Fxemp/89 Pt 1 dt 28-2-94	31-10-94	to	2/51 / 8/93 /DL]
M/s East In ha Celamics,	TN/6287	2/1959/DLI/Exemp/89 Pt I dt 19-4-94	31-3-93	1-4-93 to 31-3-96	2/2726/90/ DL T
M/s Brand van Industries Type-II/28, Dr. Vikram Sarabhan Instronies Estate Thiruvanmy ir, Madras-41	TN/16415	2/1959/DLI/Exemp/89 Pt 1 dt 3-4-93	31-3 91	31-4-94 to 31-3-97	2/4°60/92/DLI
	M/s Pattern and Carpentary Work P R Complex 1/9 Mugaliv kknin Road, Potur, Madras-11(M/s Chorder Rabber Products (P) Lt No. 1, Mount Poonamillee Road, Munakkim Midias-30 M/s Strutkert Ltd, C-6, 7 & 6 Infastrial Complex, Maraineth Nagh 103209, Chinglepet, MGR District M/s Laksumi Gen. If Frince Ltd. Dosabandhu Plaza, 47, Whites Road Madras-14 M/s Prikish Chain Co. 1't, Thambu Chetty Stroet, Madras 1 M/s Guton to Brothers, No. 72, Hamington Road, Chetput Madras-31 M/s Indian Lorosy Lundation, No. 64, Gamp thy Street, Shency Night Madras-40 M/s Saks And llaring (P) Ltd. C-40 Ist Floor, 2nd Avenue, Anna Nomadras-40 M/s Indian Radiators Ltd. H. O. at 61, Aimminn Street, Mad as-1 M/s D. E. I. Ltd. Sahup fram Arum iganes V. O. C. District, M/s Traders & Tracer, No. 118, Broadway, Ma Iras 600108 M/s East In ha Ceramics, N. 54, Viruphship fram, Vellore-632002 M/s Band vay Industries Type-11/28, Dr. Vikram Sarabhar Instronics Estate Thiruvanmy ir,	M/s Tropical Agro System (India) Ltd., TN/7839 Broadway Madras-600103 M/s Pattern and Caipentary Work P R Complex 1/9 Mingiliv kkim Road, Porur, Madras-11(M/s Chirchi Rabber Products (P) Ltd., IN/10343 Minakim Michas-80 M/s Stritkert Ltd., Information (P) Ltd., IN/11922 No. 1, Mount Polanmillee Road, Minakim Michas-80 M/s Stritkert Ltd., Information (P) Ltd., In/1701 Co. 7 & for Information (P) Chinglepet, MGR District M/s Laksami Gen all France Ltd., In/1700 Dosabandhu Plaza, 47, Whites Road Madras-14 M/s Prikish Chain Co., IN/22231 I'c, Thambu Chetty Stroet, Madras-14 M/s Guton to Biothers, In/2241 M/s Indian Loby in undation, IN/22629 No. 72, Hamington Road, Chetput Madras-30. M/s Siks And llari of (P) Ltd., IN/23414 No. 64, Gaup thy Street, Shency Nigur, Madras-40 M/s Indian Radiators Ltd., IN/23579 C-40 Ist Floor, 2nd Avenue, Anna Nigur, Madras-40 M/s Indian Radiators Ltd., IN/1105 H O at 64, Aimmin Street, Mad as-1 M/s De I Ltd., IN/2862 Sahup iram Alumiganeri V O C District, M/s Traders & Tracer, IN/2338 No. 118, Broadway, Malras 600108 M/s East In ital Calamics, IN/237 Velloic-632002 M/s Baid vaj Industries IN/16415 Type-II/28, Dr Vikram Saribhu Instronics Estite Thiruvanmy ir,	M/s Tropical Agro System (1n fr) Ltd., TN/7839 2/1959/DLI/Exemp/89/Broadway Matras-600103 Pt 1 dt 31-1 of 31 dt 31-1 of	M/s Pattern and Gupentary Work TN/1839 2/1959/DL1/Exemp/89 78 2 93 Pt 1 ct 31-1 of 31-1	M/s Tropical Agro System (In fr) Ltd , TN/839

- 1 The employer in relation to each of the said establish ment (hereinatic) referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Provident Fund Cominis sioner may direct from time to time
- 2 The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may from time to time direct under clause (a) of sub Section (2A) of Section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month
- 3 All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of neturns payment of insurance premia, transfer of Accounts, payment of inspection energies etc. shall be borne by the employer
- 4 The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the sailient features thereof in the of the majority of the employees
- 5 Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary Premium in respect of him to the Life Insurance Corpo ration of India
- 6 The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme more favourable to the employees than the benefits admis-

sible under the said Scheme

- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, in on the death of an employees the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nomince(s)/lega' heir(s) of the employee as compensation.
- 8 No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval give a reasonable apportunity to the employees to explain point of view.
- 9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Schemo of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the pcl cy is allowed to lapse the exemption shall be liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal hein(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

H. W. T. SYIEM Central Providend Fund Commissioner

MINISTRY OF FOOD

New Delhi, the 29th January 1996

No. 3-7/93-SDF.—In pursuance of Section 7 of the Sugar Development Fund Act, 1982 (4 of 1982), the Central Government hereby publishes the following report containing an account of the activities financed under the Act during the financial year 1994-95.

2. The Act provides for the setting up of a fund consisting of (a) amounts equivalent to the proceeds of duty of excise levied and collected under the Sugar Cess Act, 1982 (3 of 1982) reduced by the cost of collection as determined by

the Central Government and (b) income from investment of the proceeds of the Fund. A sum of Rs. 233,38,12,698/-(Rupees two hundred thirty three crores, thirty eight lakhs, twelve thousand, six hundred and ninety eight only) consisting of Rupees one hundred eighty five crores by transfer of cess on sugar and Rupees forty eight crores, thirty eight lakhs, twelve thousand, six hundred and ninety eight only being credit for repayment of instalments of the principal of loan and interest thereon, was credited to the fund during the financial year. With the Credit, the balance in the Fund rose to Rs. 986,70.23,559/- (Rupees nine hundred eighty six crores, seventy lakhs, twenty three thousand, five hundred and fifty nine only). Out of this, a total expenditure of Rs. 68,45,90,171/- (Rupees sixty eight crores, forty five lakhs, ninety thousand, one hundred and seventy one only) was incurred as detailed below:

MAJOR HEAD 2408

(figures in whole Rupees)

- (a) C.1(2) (2)—Administration of 1,88,17,560 Sugal Development Fund
- (b) C.1(7) (1) (1)—Subsidy for 1,46,49.224 maintenance of buffer stock of sugar
- (c) C.1 (7) (1) (2)—Grants-in-aid 1,46,83,000 for development of Sugar Industry
- (d) Expenditure on National Institute of Sugarcane and Sugar Technology, Mau

MAJOR HEAD 6860

- (d) BB.1(1) (1) (1)—Loan₈ for 50,26,59,600 Rehabilitation/modernisation of sugar mills
- (e) BB.1(1) (1) (2)—Loans to Sugar Mills for Cane Development.

TOTAL: $\overline{68,45,90,171}$

The balance at credit of the Fund at the close of the financial year was Rs. 918,24,33,388/- (Rupces nine hundred eighteen crores, twenty four lakhs, thirty three thousand. three hundred and eighty eight only).

3. Loans for development of sugarcane were granted to 17 sugar mills during the financial year 1994-95. In addition, loans were sanctioned to 17 sugar mills for augmenting the shortfall in the promoters' contribution for rehabilitation/modernisation of the plant and machinery of the mills,

4. A statement of accounts for the financial year 1994-95 is given below:

SUGAR DEVELOPMENT FUND

(Figures in whole Rupees)

	DETAILS AMOUNT	AMOUNT
1.	Opening balance on 1-4-1994	753,32,10,861
2.	\mount credited during 1994-95:	
	(a) Transfer from Cess on Sugar	
	(b) Interest on SDF loans	
	(c) Repayment of instal neuts of loan for cane development	233,38,12,698
3.	Total	986,70,23,559
4.	Expenditure incurred during 1994-95:	
	(a) Administration of SDF	
	(b) Subsidy for maintenance of buffer stock of sugar	
	(c) Grants-in-aid for development of sugar industry	
	(d) Leans for Modernisation Rehabilitation of sugar mills	
	(e) Loans to sugar mills for cane development 13,26,13, '60	
	(f) Expenditure on National Institute of Sugarcane and Sugar Technology, Mau 11,67,387	68,45,90,171
5.	Balance as on 31-3-95.	91, 4,33,388

S, KACER Director

UNIT TRUST OF INDIA

Bombay, the 23rd January 1996

CORRIGEN DA

No. UT/DBDM/624A/SPD-64/95-96—The following corrections in our notification No. UT/DBDM/326A/SPD-64/95-96 dated 18-10-1995 on page No. 2514 in the Gazette of India (Part III Section 4) dated 25-11-1995.:—

Sl. No.	Item No.	Corrections
Amendme	ents to the P	rovisions of CCCF 93
1,	1.	The word 'told' appearing in the 5th line should be corrected as 'sold'.
2.	3.	The word 'and' appearing in the 12th line should be corrected as 'any'.

A.G. JOSHI General Manager Business Development & Marketing

The 30th January 1996

No. UT/DBDM/655A/SPD-71(1)/95-96—The following corrections in our notification No. UT/DBDM/329-A/SPD-71(1)/95-96 dated 20th October, 1995 on page Nos. 2443—2456 in the Gazette of India (Part III Soc. 4) dated 18th November 1995:—

Sl. No.	Page No.	Column No.	Clause/ Sub-Clau No.	Corrections
		Offer Doc	ument of Me	onthly Income Plan 1995(II)
1.	2443	2	_	In the 3rd line of Notification "711" should be replaced by "71-1".
2.	2444	I	_	The word "marking" appearing in the 5th line under 'Highlights' should be corrected as "making".
3.	2444	1		The words "divident @13.5 p.a." appearing in the 7th & 8th line under 'Highlights' should be corrected as "dividend @13.5% p.a.".
4.	2444	l	_	"The word "is" should be inserted between the words "Trust" & the word "not" in the 9th line under 'Risk Factors'.
5.	2 4 44	1	_	In the 12th line under 'Risk Factors' figure "(ii)" should be replaced by "(II)".
6.	2444	1	_	The word "Management" appearing in the heading 'Management Perception of Risk Factors" should be corrected as "Managemen's".
7.	2445	1	1(1)	The word "(ii)" appearing in the 2nd line should be corrected as "(II)".
8.	2445	1	II(d)	The word "from" appearing in the 4th line should be corrected as "form"
9.	2445	1	II(f)	The word "alloted unts" appearing in the 3rd line should be corrected as "allotted units".
10.	2445	1	II(i)	The word "(Regulations)" appearing in the 3rd line should be corrected as "(Regulation)".
11.	2445	2	1	The word "Definations" appearing in the heading should be corrected as "Definitions".

SI. No.	Page No.	Column No.	Clause/ Sub-Clause No.	Corrections
12.	2446	1	VI	The "Thups" appearing in the 1st line of 2nd paragraph should be corrected as "Thus".
13.	2446	1	VI	The word "initial" appearing in the 4th line of 4th paragraph should be corrected as "initial".
14.	2446	1	VI	The word "further" appearing in the 7th line of 4th paragraph should be corrected as "Further".
15.	2446	1	Vτ	The word 'Funds' appearing in the 8th line of 4th paragraph should be corrected as 'Fund'.
16.	2446	2	(i)(1)11V	The word 'changes' appearing in the last line of 3rd paragraph should be corrected as 'charges'
17.	2446	2	VII(3)	The word 'Plant' appearing in the 5th line should be corrected as 'Plan'.
18.	2448	1	XVI(2)	The text appearing in the 3rd line should be read after the end of 1st line.
19.	2449	1	XX (1)	In the 1st line under heading 'Monthly Income Option' % should be inserted after the figure '90'.
20.	2449	ſ	XX (1)	In the 17th line under heading 'Monthly Income Option' the word 'at' should be inserted between the word 'arrived' and the word 'keeping'.
21.	2449	1	XX (1)	In the 21st line under heading 'Monthly Income Option' $_{0}$ should be inserted after the figure '16.5'.
22.	2449	2	III(a)	The word 'colsing' appearing in the 2nd line should be corrected as 'closing'.
23.	2450	1	III(q)	The word 'afir' appearing in the 1st line should be corrected as 'fair'.
24.	2450	2	VII(iii)	The word 'CRA' appearing in the 3rd line should be corrected as 'ICRA'.
25.	2450	2	VII(iii)	In the 5th line, the word 'is' should be inserted between the word 'instrument' and the word 'not'.
26.	2450	2	VII(ix)(b)	The word 'hich' appearing in the 3rd line should be corrected as 'which'.
27.	2451	1	XII(c)	The (.) appearing in between the word 'daily' and the word 'newspapers' in the 4th line should be deleted.
28.	2451	2	XII(f)(ii)	The word 'tch' appearing in the 2nd line should be corrected as 'the'.
29.	2451	2	XII(f)(ii)	The word 'making' appearing in the 5th line should be corrected as 'meeting'.
30.	2452	1	XVI	The word "is" appearing in the 4th line of 3rd paragraph under the heading "Deduction of Tax at source" should be replaced by the word "in".
31.	2452	2	_	The word 'Compalints' appearing in the 6th line under the heading 'Investor Complaints' should be corrected as 'Complaints'.
32.	2453	1		The word "DIUS" appearing in the 1st line should be read as "DIUS 90".
33.	2453	2	_	The word 'undated' appearing in the 8th line under the heading 'Reasons for pending complaints are:' should be corrected as 'updated'.
34.	2455	–	-	The text'—MONTHLY INCOME SCHEMES' should be inserted after the word 'DATA' in the heading.

SI. No.	Page No.	Column No.	Clause/ Sub-Clause No.	Corrections
35.	2455			Two vertical lines should be inserted in the Table between the col. 6 & 7 and col. 13 & 14.
36.	2456	I		The text '13, Sir Vithaldas Thackersey Marg (New Marine Lines), Bombay-400 020. Tel. 2068468' should be inserted after the 2nd line.
37.	2456	1	1	The word 'Colabar' appearing in the 5th line should be corrected as 'Colaba'.
38.	2456	1	_	The text 'Centre-1, 29th floor, Cuffe Parade, Colaba, Bombay-400 005. Tel. 2181600/2181099' should be inserted in after the 15th line.
39.	2456	1		Under the caption 'Branch Office under Northern Zone Jurisdiction' in the 11th line the telephone no. '817278' should be corrected as '317278'.
40.	2456	2		The heading 'Branch Offices under Southern Zone Jurisdiction' should be inserted after the 3rd line.
41.	2456	2	_	Under the caption 'Branch Offices under Eastern Zone Jurisdiction' the word 'MI L.' should be corrected as 'M.L.'

A.G. JOSHI General Manager Business Development & Marketing

No. UT/DBDM/655B/SPD-72D/95-94—The following corrections in our notification nos. UT/DBDM/329-B/SPD-72D/95-96 dated 20th Octobor, 1995 on page nos. 2456—2470 in the Gazette of India (Part III-Sec. 4) dated 18-11-1995.

Sr. No.	Page No.	Column No.	Clause/ Sub-clause No.	Corrections		
i	1 2 3		4	5		
Offer	Document of	f Deferred In	come Plan 199	5		
۱.	2456	2		The following text 'Unit Trust in India' Bombay, 20th October, 1995' should be inserted after the 40th line.		
2.	2456	2	-	The following text 'Unit Trust of India' should be inserted after the 48th line.		
3.	2457	1	-	Under the caption 'Risk Factors' in the 9th line the word 'Scheme' should be corrected as 'Schemes'.		
4.	2457	1	_	Under the caption'Risk Factors' in the 14th line the word '&' should be deleted.		
5.	2457	2		Under the heading 'Managements' Perception of Risk Factors' in the 6th line, the words 'Schemes Plan' should be corrected as 'Schemes/Plan'.		
6.	2457	2		Under the caption 'Management of UTI' the full stop after the word statutory in the 4th line should be deleted.		
7.	2458	1	1(3)	The following text 'to 25th September' in between the words 'September' & '1995' may be inserted.		
8.	2459	1	VI	The figure '4' in the 18th line should be corrected as '94'.		
9.	2460	1	IX(1)	In the 6th line of first para the word 'is' should be corrected as 'in' and in the 7th line the word 'and' should be replaced by 'not'.		
10.	2460	1	I X (5)	In the 2nd line the word 'of' should be corrected as 'to'.		

-1			· - 4	5			
11.	2460		IX(7)	The 4th line the word 'as' should be corrected as at'.			
12.	2461	1	XV(1)(b)	The text i.e. "became the holder appreciation to" appearing on page nos. 2463 to 2465 should be read after word 'person' on page no. 2461 in the first line.			
13	2461	1	XV (1)(ix)(b)	In the 2nd line the word 'obective' should be corrected as 'objective'.			
14.	2462	1	XIII	In the 5th line the word 'censtrue' should be corrected as 'construe'.			
15.	2463	1	_	Under the heading 'Rights of Members' in the 7th line the word 'disclosed' should be corrected as 'disclose'.			
16.	2460	I	VII	The text i.e. "the subscriber within 42" appearing in page nos. from 2461 to 2463 should be read after the word "appreciation to" in the 3rd line.			
17.	2466	1	_	Under point no. 9 the word 'tffice' should be corrected as 'office'.			
18.	2466	Λ	_	Under the heading 'General' in the 8th line the word') TCEt should be corrected as 'OTCEI'.			
19.	2467	-	_	Under the table 'DIUS '90' the year '19949(Provision5) should be corrected as '1994-95 (Provisional)'.			
20.	2467		Austra	The word 'past' should be inserted after the word 'from in sr no. B(iv) under the table 'DIUS 90'.			
21.	2467	_	_	Under the table DIUS 91 '+' sign should be inserted before the 3rd bracket in the last line.			
22.	2469	_	_	Under the table DIUS 93 in the 13th line figure 58.50 may be corrected as 48.50.			
23.	2469	_		Under the table DIUS 93 in the 17th line the word 'to' appearing in between the words 'as' and 'no' should be deleted.			
24.	2469	_	_	Under the table DIUS 93 the total appearing as '3416 .52' under sr. no. B for the year 1993-94 should be corrected as '3416 .42'.			
25.	2470	1	-	The following text 'UNIT TURST OF INDIA, CORPORATE OFFICE, 13, SIR VITHALDAS THACKERSEY MARG (New Marine Lines) Bombay 400 020. Tel. 2068488' should be inserted before the 1st line viz. ZONAL OFFICES.			
26.	2470	1		The word 'Uone' appearing in the 10th line should be corrected as 'Zone'.			
27.	2470	1		The word 'Mthini' appearing in the 31st line should be corrected as 'Mohini'.			
28.	2470	1	~	The word 'Mall Road' appearing in the 57th line should be correct as The Mall.			

A.G. JOSHI General Manager Business Development & Marketing

No. UI/DBDM/655C/SPD 89/95—96 The following corrections in our notification no. UT/DBDM/329-C/SPD 89/95-96 dated 20th October, 1995 on page nos. 2470—2480 in the Gazette of India (Part III—Sec 4) dated 18th November, 1995.

Sl. No.	Page No.	Col. No.	Clause/ Sub-Clauso	Corrections
Offer	Document o	f INSTITU	TIONAL INVES	FORS' SPECIAL FUND UNIT SCHEME 1995
1.	2470	2	_	The following text 'Unit Trust of India. Bombay—the 20th October 1995' should be inserted after the 20th line.
2.	2470	2	_	The word 'acctrdance' appearing in the 16th line should be corrected as 'accordance'.

1	2	3	4	5	
3.	2470)	_	The word 'for should be inserted between the words 'offered' and 'subscription' in the 21st line.	
4.	2470	2		The word 'not' should be corrected as 'nor' in the 22nd line.	
5.	2470	2	-	The word 'contrilled' appearing under the heading 'Highlights' in the 6th line should be corrected as 'controlled'.	
6.	2471	1	_	In the 1st line under the heading "Board of Trustees" "Dr." should be inserted before the name "S A. Dave".	
7.	2471	2	IV(3)	In the 4th line the word 'memorandum' should be corrected as 'Memorandum' & ('ppearing after the word Association should be deleted.	
8.	2474	2	XIX(i)(ii)	In the 2nd line the word "fact" should be corrected as "facts".	
9.	2525	1	XXII(2)	The word 'transfree' in the 2nd line should be corrected as 'transferce'.	
10.	2575	1	XX (1(5)	The word 'ciant' appearing in the 5th line should be corrected as 'cient'.	
11.	2475	2	XX V(1)	The word 'sufficient' appearing in the 5th line of 3rd para should be corrected as 'sufficient.'	
12.	2475	2	XXV(2)	The word 'from' should be inserted in between the words 'income' and 'the' in the 5th line.	
13.	2476	1	_	The figure '(6)' appearing in the 1st line should be deleted.	
14.	2476	1	XXVI	The word 'allocated' appearing in the 2nd line should be corrected as 'allotted'.	
15.	2476	2	XXX(f)(i)	The word 'disposed' appearing in the 1st line should be corrected as 'dispose'	
16.	2476	2	XXXI(f)(ii)	The (.) appearing after the word 'clause' should be deleted.	
17.	2477	1	XXXI(h)	The word "Notwithsanding" appearing in the 1st line should be corrected as "Notwithstanding"	
18.	2477	1	XXXI(i)	The clause NO. XXXXI (g) appearing in the 2nd line should be corrected as XXXI(g)	
19.	247 8	1		The word 'Custodian' appearing in the 6th line should be corrected as 'custodial'.	
20.	2479	2		The word 'year' appearing in the 14th line should be corrected as 'yearly'.	
21.	2479	2		The figure '78E.87' appearing in the 16th line should be corrected as '1276.87'	
22.	2479	~	_	The figure '23257 '49' in the 1st line of last column under the heading "1994-95(Estimated)" should be corrected as '23757 '49'.	
23.	2480	2	-	The figure '871001' appearing in the 8th line under the heading 'Branch Offices under Eastern Zone Jurisdiction' should be corrected as '781001'.	

A.G. JOSHI General Manager Business Development & Marketing